रांची, बुधवार
04-11-2026
वर्ष : 01, अंक : 171
पृष्ट : 12
मूल्य 04 रू, मात्र
रांची से प्रकाशित

रफ़्तार मीडिया

RANCHI , चैत्र कृष्ण पक्ष-12 ₹04 RNI NO. - JHHIN/26/A3481 www.raftaarmedia.com

लखनऊ में शिवराज सिंह बोले-अखिलेश

बाबू फरवरी में निपट जाओगे

मोदी भगवान का वरदान, ऐसे नारे लगाइए कि राहुल कांप जाएं

□ एजेंसी लखनऊ

यूपी में भाजपा ने मंगलवार को लोकतंत्र बचाओ रैली निकाली। लखनऊ और बरेली में 50 हजार से ज्यादा कार्यकर्ता और समर्थक सड़कों पर उतरे। हाथ में भाजपा का झंडा और लोकतंत्र बचाओ लिखे पोस्टर लेकर चले।

लखनऊ में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान पदयात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कहा- कांग्रेस और राहुल गांधी मोदी को हरा नहीं पा रहे हैं तो षडयंत्र रचने लगे हैं। मैं बता दूं कि मोदी देश के मुकुट मणि हैं। भगवान का वरदान हैं। उन्होंने कहा- आप लोग ऐसे नारे लगाइए कि दिल्ली में राहुल कांप जाएं। एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन पर उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव से पूछा कि बताइए जरा, जिसका नाम वोटर लिस्ट में 2 जगह है, उसका नाम एक जगह से कटना चाहिए या नहीं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा- बंगाल से लेकर राजस्थान तक हर जगह इंडिया गठबंधन ने हार पाई है। इसलिए अखिलेश बाबू फरवरी में आप भी निपट जाओगे।

उधर, बरेली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य हजारों कार्यकर्ताओं के साथ रैली में शामिल हुए। जेपी नड्डा ने कहा- ये हिट एंड रन वाले लोग हैं। पत्थर मारते हैं और फिर भाग जाते हैं। इनके नेता ने अभी रामलीला मैदान में भाषण दिया है। अब विदेश भाग जाएंगे।जयंत चौधरी ने कहा कि विपक्ष की हालत क्रिकेट में हारे हुए बच्चों की तरह है। जिसे हार के बाद कोई न कोई बहाना चाहिए होता है। कुछ नहीं होता तो अंपायर पर आरोप लगाना होता है।

लखनऊ में मंत्री निषाद बोले- लोकतंत्र के खिलाफ विपक्ष काम कर रहा

निषाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में मंत्री संजय निषाद ने कहा कि लोकतंत्र के विरोध में विपक्षी पार्टियां काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की तरफ से मछुआरा आरक्षण देने जाने का मुद्दा जो उठाया गया रैली के दौरान तो वह घर की बात है।

अब जमीनी स्तर पर काम हो रहा ; 21 हजार करोड़ की पुणे मेट्रो परियोजनाओं का उद्घाटन किया

मोदी बोले-पहले गरीबी खत्म करने के वादे होते थे

□ एजेंसी नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश की कई पीढ़ियों ने गरीबी खत्म करने के वादे सुने हैं। पहले गरीबी के खिलाफ लड़ाई सिर्फ नारों तक सीमित थी, लेकिन अब इसे खत्म करने के लिए जमीन पर काम हो रहा है।

उन्होंने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए यह बात कही। इस दौरान उन्होंने पुणे मेट्रो की करीब 21,800 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस भी शामिल हुए।

पीएम बोले- 10-12 साल में भारत के 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए

आज दुनिया में भारत की चर्चा दो

और वजहों से हो रही है। पहली, दुनिया में मुश्किल हालात के बावजूद भारत सबसे तेज आर्थिक विकास करने वाला देश बना हुआ है। दूसरी, सिर्फ 10 से 12 साल में भारत के 50 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर आए हैं। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट में भी इसका जि किया गया है।

महाराष्ट्र में खराब मौसम से कई किसान परेशान हैं। देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में पिछले कुछ सालों में जल संरक्षण के लिए काम हुआ है, लेकिन प्राकृतिक आपदा से किसानों को नुकसान हुआ है। इस मुश्किल समय में ह्ष्ट सरकार किसानों की हर संभव मदद करेगी।

देश के सैकड़ों छोटे शहरों को भी विकास के केंद्र के रूप में तैयार करना होगा। इसी सोच के साथ इस साल फरवरी में अर्बन चैलेंज फंड को मंजूरी दी गई थी। केंद्र सरकार इस फंड के लिए 1 लाख करोड़ की मदद दे रही है। पुणे मेट्रो लाइन का निर्माण पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत सरकार और निजी क्षेत्र की साझेदारी से हुआ है। यह विकास का ऐसा मॉडल है, जिसकी सफलता से देश की तरक्की को और रफ्तार मिलेगी। पुणे मेट्रो के विस्तार से लोगों का समय बच रहा है और सफर आसान हो रहा है। जब किसी शहर में लोगों का समय बचता है, तो वहां काम करने की क्षमता बढ़ती है। इससे देश की अर्थव्यवस्था को फायदा होता है। अर्थव्यवस्था बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग, दोनों को लाभ मिलता है।

पुणे मेट्रो की लाइन-3 करीब 23 किलोमीटर लंबी है

पुणे मेट्रो की लाइन-3 यानी पिंक लाइन करीब 23 किलोमीटर लंबी है। यह मान से डिस्ट्रिक्ट कोर्ट मेट्रो स्टेशन तक जाती है। इससे हिंजवड़ी आईटी हब और शिवाजीनगर के बीच मेट्रो सेवा शुरू होगी। इससे हजारों आईटी कर्मचारियों और दूसरे यात्रियों को आने-जाने में आसानी होगी।

पीएम ने पुणे मेट्रो के दूसरे फेज की आधारशिला भी रखी। इस पर करीब 13,500 करोड़ खर्च होंगे। इसमें मेट्रो की लाइन 2ए, 2बी 4 और 4 बनाई जाएंगी। इनके शुरू होने से शहर के रिहायशी, व्यावसायिक और आईटी इलाकों के बीच सफर आसान होगा।

दिल्ली में सभी तरह के पटाखे बिक रहे:सुप्रीम कोर्ट का सरकार को जांच का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली के बाजारों में पटाखों की खुली बिक्री की खबर पर चिंता जताई। कोर्ट ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से आदेश के उल्लंघनों की जांच करने को कहा है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट का हवाला दिया। रिपोर्ट में कोर्ट के बैन के बावजूद अलग-अलग तरह के पटाखे बिकने की बात कही गई है। कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में 4 से 6 नवंबर तक सिर्फ प्रमाणित ग्रीन पटाखे बेचने की परमिशन दी थी। साथ ही 7 और 8 नवंबर को सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक फोड़ने की परमिशन दी है।

प्रदर्शन एक का नहीं, सबका अधिकार ; रोजगार-कारोबार का ध्यान रखना भी जरूरी

सुप्रीम कोर्ट बोला-एक जगह अनिश्चितकाल तक धरना नहीं दे सकते

□ एजेंसी नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि कोई भी संगठन प्रदर्शन के लिए किसी सार्वजनिक जगह पर अनिश्चितकाल तक कब्जा नहीं कर सकता। प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थलों पर भी एक तय समय-सीमा होनी चाहिए, ताकि दूसरे संगठनों को भी अपनी बात रखने का मौका मिल सके।

सजेआई सूर्यकांत ने कहा

आप हमेशा के लिए किसी जगह पर कब्जा नहीं कर सकते। वहां किसान, पत्रकार, मजदूर और दूसरे प्रदर्शनकारी कहां जाएंगे? सभी को प्रदर्शन करने का अधिकार है। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की

बेंच दिल्ली में अक्टूबर में हुए सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शनों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इनमें प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई, लोगों की हिरासत, निगरानी (सर्विलांस), प्रदर्शन स्थलों और कारोबारियों को हुए नुकसान से जुड़े मामले शामिल हैं।

व्यापारियों ने कहा- त्योहारों में 2000 करोड़ का नुकसान

सुनवाई के दौरान दिल्ली के व्यापारिक संगठनों की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा कि प्रदर्शनों के कारण दिल्ली में कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। त्योहारों के सीजन में दुकानें बंद रहीं और बिक्री घट गई। उन्होंने दावा किया कि कारोबारियों को करीब 2,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। अगर त्योहारों के सीजन में बिक्री नहीं होगी तो व्यापारियों और उनसे जुड़े लोगों को भारी नुकसान होगा। उन्होंने कोर्ट से अगले दो महीने तक किसी भी तरह के प्रदर्शन या धरने पर रोक लगाने की मांग की।

आरएसएस में बड़े बदलाव की तैयारी

□ एजेंसी इंदौर

इंदौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की वार्षिक बैठक चल रही है। मंगलवार को बैठक का दूसरा दिन है। इसमें संगठन के अगले तीन साल की कार्ययोजना पर मंथन हो रहा है। संघ इस दौरान सामाजिक समरसता, पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली, कुटुंब प्रबोधन, स्व का भाव और नागरिक कर्तव्य पर फोकस करेगा। इन पांच विषयों को संघ ने पंच परिवर्तन नाम दिया है। डेली कॉलेज स्थित संत श्री रविदासजी महाराज सभागार में हो रही इस बैठक में देशभर से करीब 400 प्रतिनिधि शामिल हैं। इस बार पहली बार सभी प्रांतों के प्रमुख पदाधिकारियों को बुलाया गया है। संगठन में इस बदलाव की तैयारी पिछले करीब 18 महीने से चल रही थी।

इंडिगो फ्लाइट में इमरजेंसी दरवाजे से छेड़छाड़

दिल्ली से पुणे जा रहा था प्लेन, लीवर छूने पर अलार्म बजा ; यात्री पर केस दर्ज

□ एजेंसी पुणे

दिल्ली से पुणे जा रही इंडिगो की फ्लाइट में सोमवार को पैसेंजर ने इमरजेंसी दरवाजे के लीवर से छेड़छाड़ की। इससे उड़ान के दौरान अलार्म बज गया और यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

यह घटना फ्लाइट 6ई6884 में हुई। पुलिस के मुताबिक, यात्री गौरव सत्येंद्र रौतेला (33) पुणे का रहने वाला है और इमरजेंसी दरवाजे के पास बैठा था।

क्रू मेंबर की शिकायत पर केस दर्ज

फ्लाइट ने सोमवार रात करीब 12.45 बजे दिल्ली से उड़ान भरी थी। यह करीब 2 बजे पुणे पहुंची। क्रू मेंबर की शिकायत पर पैसेंजर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, टेकऑफ के कुछ समय बाद पैसेंजर ने इमरजेंसी दरवाजे के लीवर पर लगे कवर से छेड़छाड़ की। इससे अलार्म बज गया।

पुलिस ने आरोपी पैसेंजर को नोटिस जारी किया है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

तूफान मुरासु का केंद्र आंध्र प्रदेश से आगे बढ़ा

□ एजेंसी हैदराबाद

चक्रवाती तूफान मुरासु आंध्र प्रदेश से आगे बढ़कर तेलंगाना की ओर चला गया है। हालांकि, इसका एक हिस्सा अब भी आंध्र के तट से गुजर रहा है। इसके असर से विजयवाड़ा समेत कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने मंगलवार शाम तक तेज हवाएं चलने और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मुरासु सोमवार रात करीब 1 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया था। इस दौरान 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। मंगलवार सुबह 5:30 बजे तूफान का केंद्र तट पार कर गया।

तेज हवाओं से हजारों पेड़ उखड़ गए और बिजली के सैकड़ों खंभे क्षतिग्रस्त हो गए। कई नावों को भी नुकसान पहुंचा। भारी बारिश से सड़कें डूब गईं और हाईवे पर वाहन फंस गए।

आंध्रप्रदेश के काकीनाड़ा में भारी बारिश से सड़कें डूबीं

आंध्र प्रदेश के तटीय शहर काकीनाड़ा में भारी बारिश से निचले इलाके डूब गए हैं। सड़कों पर पानी भरा हुआ है।

ओंगोल में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात

तूफान के असर से आंध्र प्रदेश के ओंगोल के कई इलाकों में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात हैं।

आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में काफी नुकसान हुआ है। निचले इलाकों में पानी भर गया है। तस्वीरों में सड़कों पर गाड़ियां पलटी हुई दिख रही हैं।

तमिलनाडु के कुड्डालोर में मंगलवार को स्कूल बंद कर दिए गए हैं। साइक्लोन मुरासु की वजह से भारी बारिश हुई है।

परीक्षण 500मिकी 2 टारगेट तबाह, टेस्ट सफल; पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनात होगी

भारत ने पहली बार एक लॉन्चर से 2 मिसाइलें दागीं

□ एजेंसी नई दिल्ली

डीआरडीओ ने ओडिशा के चांदीपुर से प्रलय मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। इसकी खासियत यह है कि एक ही लॉन्चर से 2 मिसाइलें लगातार दागी जा सकती हैं।

500 किलोमीटर तक मार करने वाली यह मिसाइल दुश्मन के अलग-अलग ठिकानों को निशाना बना सकती है। इसे क्वासी-बैलेस्टिक मिसाइल कहा जाता है, क्योंकि यह उड़ान के दौरान अपना रास्ता भी बदल सकती है।

इस परीक्षण के पहले 2द्यद्व के दायरे में रहने वाले लोगों को वहां से हटा दिया गया था। रूस और अमेरिका पहले से ही इस तरह की मल्टी-मिसाइल लॉन्च क्षमता वाले सिस्टम विकसित कर

चुके हैं। हालांकि, भारत ने यह क्षमता अपनी स्वदेशी तकनीक से विकसित की है।

क्वासी बैलिस्टिक मिसाइल क्या है

आम बैलिस्टिक मिसाइल सीधे ऊपर जाकर फिर नीचे आती है, रास्ता पहले से पता चल जाता है। प्रलय लो-ट्रेजेक्टरी पर जाती है, बीच में ही दिशा बदल सकती है, टर्मिनल फेज में मैन्युवर करती है। इसलिए दुश्मन का एयर डिफेंस इसे इंटरसेप्ट नहीं कर पाता।इसे आर्मी और एयरफोर्स दोनों में शामिल किया जाना है। पाकिस्तान के साथ पर ऐसे शॉर्ट रेंज, हाई प्रिसीजन हथियार गेम-चेंजर माने जा रहे हैं।

3 पॉइंट में समझें साल्वो टेस्टिंग सेना के लिए अहम क्यों

रणनीतिक रूप से ये सिर्फ टेस्ट नहीं, वॉर डॉक्ट्रिन का बदलाव है। एक ही लॉन्चर से दो मिसाइलों की साल्वो फायरिंग का मतलब- दुश्मन के एक साथ दो एयरबेस या दो रडार स्टेशन को 5 मिनट में तबाह करना।

स्वयं सहायता समूह से जुड़कर बागेश्वरी देवी ने खेती से संवारी अपनी जिंदगी, सालाना सात लाख रुपये तक पहुंची आय

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से मिला सहयोग, धान और सब्जी की खेती को बनाया आर्थिक आत्मनिर्भरता का आधार

रफ्तार मीडिया संवाददाता

बोकारो : ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। समूह के माध्यम से वित्तीय सहयोग, प्रशिक्षण और आजीविका के अवसर मिलने से महिलाएं अपनी मेहनत और लगन के बल पर परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं। ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी चंद्रपुरा प्रखंड के जुनोरी गांव की बागेश्वरी देवी की है, जिन्होंने धान और सब्जी की खेती को अपनी आजीविका का मजबूत आधार बनाया है। खेती के विस्तार से उनकी वार्षिक आय लगभग सात लाख रुपये तक पहुंच गई है।

पारंपरिक खेती और मजदूरी पर निर्भर था परिवार

बागेश्वरी देवी, पति तुलसी राम महतो, जुनोरी गांव की निवासी हैं। पहले उनके परिवार की आजीविका मुख्य रूप से पारंपरिक खेती और मजदूरी पर

निर्भर थी। खेती में कम उत्पादन और पूंजी की कमी के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर नहीं थी। घरेलू जरूरतों को पूरा करने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। सीमित संसाधनों के कारण वह अपनी उपलब्ध कृषि भूमि का पूरा उपयोग नहीं कर पा रही थीं।

मांसा स्वयं सहायता समूह से जुड़कर बदली तस्वीर

आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से बागेश्वरी देवी मांसा स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं। यह समूह जुनोरी ग्राम संगठन के अंतर्गत संचालित है तथा तेलो संकुल स्तरीय संगठन से जुड़ा हुआ है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत समूह से जुड़ने के बाद उन्हें बचत, ऋण और प्रशिक्षण के माध्यम से आजीविका को बेहतर बनाने का अवसर मिला। समूह के माध्यम से उन्होंने खेती-बाड़ी के विस्तार के लिए छोटे-बड़े ऋण लिए। प्राप्त वित्तीय सहयोग का उपयोग उन्होंने धान की खेती के साथ सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने में किया।

प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से उन्हें कृषि कार्यों को बेहतर तरीके से करने तथा उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करने में मदद मिली।बागेश्वरी देवी ने धान की खेती के साथ विभिन्न प्रकार की सब्जियों का उत्पादन शुरू किया। समय पर बीज की व्यवस्था, खाद का उपयोग, सिंचाई और फसलों की देखभाल पर ध्यान देकर उन्होंने खेती को अधिक व्यवस्थित बनाया। उत्पादित धान और सब्जियों को स्थानीय बाजार में बेचकर उन्हें आमदनी होने लगी। पहले पूंजी की कमी के कारण वह पूरी उपलब्ध भूमि पर खेती नहीं कर पाती थीं, लेकिन स्वयं सहायता समूह से ऋण प्राप्त होने के बाद कृषि गतिविधियों का विस्तार कर सकीं। खेती में विविधता अपनाने से उनकी आय के अवसर बढ़े और परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया।

वर्तमान में उनकी वार्षिक आय लगभग सात लाख रुपये बताई गई है। खेती से होने वाली आमदनी से बागेश्वरी देवी अपने बच्चों की पढ़ाई, घरेलू खर्च और परिवार की अन्य आवश्यकताओं को पूरा कर पा रही हैं। आर्थिक गतिविधियों में उनकी बढ़ती भागीदारी ने परिवार को मजबूती प्रदान की है। अब वह अपने अनुभवों के माध्यम से आसपास की अन्य महिलाओं को भी बेहतर तरीके से खेती करने और स्वयं सहायता समूह से जुड़कर आजीविका बढ़ाने के लिए प्रेरित करना चाहती हैं। डीसी अजय नाथ झा ने कहा कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। महिलाओं को प्रशिक्षण, ऋण एवं आजीविका के अवसर उपलब्ध कराकर उनकी आय बढ़ाने और जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

बागेश्वरी देवी की सफलता की कहानी बताती है कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक बदलाव का सशक्त माध्यम बन सकते हैं। समूह के माध्यम से ऋण, प्रशिक्षण और सामूहिक सहयोग प्राप्त कर महिलाएं अपनी क्षमता को पहचान सकती हैं तथा आजीविका के नए अवसर विकसित कर सकती हैं।

समाचार सार

मधुबन में 5 नवंबर को जुटेंगे हजारों लोग, मरांग बुरु महासम्मेलन में शामिल होंगे मुख्यमंत्री: झामुमो ने कसी कमर

- गांडेय प्रखंड को 2 जोन में बांटकर पर्यवेक्षकों को सौंपी गई जिम्मेदारी
- 26 पंचायतों से 24 बसों में सवार होकर 2000 कार्यकर्ता व ग्रामीण पहुंचेंगे मधुबन

गांडेय (रफ्तार मीडिया संवाददाता) : आगामी 5 नवंबर को पीरटांड़ प्रखंड के मधुबन में आयोजित होने वाले मरांग बुरु महासम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पूरी ताकत से जुट गया है। महासम्मेलन में राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य रूप से शिरकत करेंगे। इसी क्रम में गांडेय प्रखंड के जोराआम में झामुमो प्रखंड कमेटी की एक अहम बैठक प्रखंड अध्यक्ष चांदमल मरांडी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में झामुमो के गिरिडीह जिला सचिव महालाल सोरेन विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सम्मेलन को सफल बनाने और गांडेय प्रखंड से अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर रणनीति तैयार की गई। कार्यक्रम के सुचारू संचालन व बेहतर समन्वय के लिए पूरे गांडेय प्रखंड को दो जोन में विभक्त कर पर्यवेक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके तहत ताराटांड़ जोन में पर्यवेक्षक मुफ़्ती मोहमद सईद आलम,दशरथ हांसदा एवं शुकदेव मरांडी सहित अन्य नेताओं को पर्यवेक्षक बनाया गया है। वहीं गांडेय जोन की कमान मोहम्मद शब्बीर, पंडित दशरथ किस्कू, हालदार राय, बैजनाथ राणा और अरुण पाठक को सौंपी गई है। बैठक को संबोधित करते हुए प्रखंड अध्यक्ष चांदमल मरांडी ने बताया कि कार्यक्रम की भव्यता को देखते हुए प्रखंड की 26 पंचायतों के लिए 24 बसों की व्यवस्था की गई है। इन बसों के माध्यम से प्रखंड क्षेत्र से 2000 से अधिक कार्यकर्ता और ग्रामीण 5 नवंबर को सीधे मधुबन पहुंचेंगे और सम्मेलन को सफल बनाएंगे। बैठक में पार्टी संगठन की मजबूती और बूथ स्तर तक लोगों को जोड़ने पर भी जोर दिया गया। बैठक मे सुरेश मुर्मु,रवि प्रसाद वर्मा, नसीम अंसारी, समीम अंसारी समेत कई कार्यकर्त्ता मौजूद थे।

श्मशान घाट का रास्ता बाधित करना गलत, बहाल नहीं हुआ तो होगा आंदोलन

गांडेय (रफ्तार मीडिया सं वाददाता): गांडेय प्रखंड अंतर्गत अहिल्यापुर दास टोला के ग्रामीणों के श्मशान घाट जाने वाले पारंपरिक रास्ते को वन विभाग द्वारा ट्रेंच काटकर बंद कर दिए जाने से लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। रास्ते के अभाव में ग्रामीणों को अंतिम संस्कार के लिए शव ले जाने में गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों की शिकायत पर पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के जिला संयोजक राजेश यादव ने दास टोला पहुंचकर वस्तुस्थिति का जायजा लिया और ग्रामीणों से बातचीत की। मौके पर श्री यादव ने कहा कि दास टोला के लोग कई पीढ़ियों से इस रास्ते का उपयोग श्मशान घाट आने-जाने के लिए करते रहे हैं। सार्वजनिक और अनिवार्य उपयोग में रहने के बावजूद वन विभाग द्वारा मनमाने ढंग से ट्रेंच काटकर इसे अवरुद्ध कर दिया गया, जो ग्रामीणों के बुनियादी अधिकारों और मानवीय जरूरतों की सरासर अनदेखी है। उन्होंने बताया कि हाल ही में टोले के एक व्यक्ति के निधन के बाद शव को श्मशान ले जाने में लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ग्रामीण किसी तरह जोखिम उठाकर घाट तक पहुंचे। श्री यादव ने जिला प्रशासन और वन विभाग से अविलंब मामले का संज्ञान लेते हुए रास्ता बहाल करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो ग्रामीण बाध्य होकर चरणबद्ध आंदोलन करेंगे, जिसकी पूरी जवाबदेही प्रशासन और वन विभाग की होगी। निरीक्षण के दौरान पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष मेहताब अली मिर्जा, श्यामलाल मोहली, धुरन दास, नरेश दास, मोहन दास, घनश्याम दास, अकलु दास, विक्की दास, गुड्डू दास, भुचर दास, चरका दास, कार्तिक दास, छतरु दास, दशरथ दास, बानु दास, लट्टू दास, जयदेव दास, भोला दास, देवान दास, लीलो दास, जागो हाजरा, गोपाल दास, सुरेश दास सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ कार्यक्रम के तहत जामताड़ा पहुंचे डॉ. रविंद्र राय

जामताड़ा (रफ्तार मीडिया संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद रविंद्र राय मंगलवार को जामताड़ा भाजपा कार्यालय पहुंचे। जहां प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरिमोहन मिश्रा एवं जिलाध्यक्ष सुमित शरण के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान भाजपा की ओर से आयोजित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ कार्यक्रम में उन्होंने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के बाद रविंद्र राय ने प्रेस वार्ता कर लोकतंत्र, मतदाता सूची पुनरीक्षण और राज्य की राजनीतिक स्थिति पर अपनी बात रखी। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए रविंद्र राय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देशभर में मतदाताओं के बीच जाकर लोकतांत्रिक मयार्दाओं की रक्षा के लिए जागरूकता अभियान चला रही है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, उसी समय से एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है। इसके बावजूद कांग्रेस और उसके गठबंधन के नेता चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गठबंधन के नेता ईवीएम को लेकर वोट चोरी और वोट ट्रांसफर जैसे आरोप लगाते हैं, लेकिन जिन राज्यों में उनके गठबंधन की सरकार है, वहां इस तरह के सवाल नहीं उठाए जाते। यह उनकी दोहरी राजनीति को दर्शाता है। रविंद्र राय ने झारखंड सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में वोट बैंक की राजनीति करने वाले लोग सत्ता में बैठे हैं। उन्हें झारखंड के विकास और यहां की जनता की समस्याओं से कोई मतलब नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विकास के बजाय राजनीतिक हितों को प्राथमिकता दे रही है। कार्यक्रम के प्रभारी एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह एसआईआर के बीएलए-1 हरिमोहन मिश्रा ने विषय प्रवेश कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुमित शरण ने की। मौके पर भाजपा नेता तरुण कुमार गुप्ता, माधव चंद्र महतो, युवा मोर्चा के महामंत्री सह प्रदेश संयोजक मनीष दुबे, जिला महामंत्री कमलेश मंडल, अभय सिंह, जिला मंत्री आभा आर्य, जिला उपाध्यक्ष दिलीप हेम्ब्रम, जिला मंत्री अबिता हांसदा, उत्तम हेम्ब्रम सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बोकारो सिटी कॉलेज में पीजी की पढ़ाई बंद करने के फैसले का विरोध, छात्रों ने दी आंदोलन की चेतावनी

शिक्षकों की कमी बताकर नामांकन रोकने पर भड़के छात्र, बोले- पढ़ाई बंद करने के बजाय शिक्षकों की बहाली करे विश्वविद्यालय; जरूरत पड़ी तो उठेगी अलग बोकारो विश्वविद्यालय की मांग

रफ्तार मीडिया संवाददाता

बोकारो : बोकारो सिटी कॉलेज में स्नातकोत्तर (पीजी) में नए सत्र का नामांकन बंद करने के फैसले से छात्रों में नाराजगी है। विश्वविद्यालय के इस निर्णय के विरोध में छात्र नेताओं और विद्यार्थियों ने कॉलेज परिसर में अपनी आवाज उठाई। उनका कहना है कि पीजी की पढ़ाई बंद होने से बोकारो के हजारों विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई के लिए धनबाद या रांची जाना पड़ेगा। इससे आर्थिक रूप से

कमजोर और दूरदराज के छात्रों को काफी परेशानी होगी। छात्र प्रतिनिधि ने बताया कि वर्ष 2018 में भी बोकारो में पीजी की पढ़ाई जारी रखने को लेकर बड़ा आंदोलन हुआ था। इसी कॉलेज के मुख्य गेट पर आमरण अनशन किया गया था। तत्कालीन विधायक समरेश सिंह के आश्वासन के बाद अनशन समाप्त हुआ था। उस समय भरोसा दिया गया था कि बोकारो में पीजी की पढ़ाई बंद नहीं होगी। लेकिन अब विश्वविद्यालय की ओर से नामांकन बंद करने की सूचना जारी किए जाने से छात्रों में असंतोष है। छात्र पिंटू राजा ने बताया कि वर्ष 2018 से कॉलेज में पीजी की पढ़ाई नियमित रूप से चल रही थी। नए सत्र में नामांकन लेने की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को अब दूसरे जिलों में जाना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि करीब ढाई से तीन हजार विद्यार्थियों के भविष्य पर इसका असर पड़ सकता है। विश्वविद्यालय की ओर से शिक्षकों की कमी को इसकी वजह बताया जा रहा है, जबकि कॉलेज में कुछ शिक्षक अब भी पीजी की कक्षाएं ले रहे हैं।छात्रों की मांग है कि शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए बहाली की जाए, न कि पढ़ाई ही बंद कर दी जाए। छात्र नेताओं ने विश्वविद्यालय प्रबंधन और सरकार से फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि बोकारो के विद्यार्थियों की परेशानी को नजरअंदाज किया गया तो अलग बोकारो विश्वविद्यालय के गठन की मांग को लेकर आंदोलन किया जाएगा। उनका कहना है कि स्थानीय विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे जिलों का चक्कर नहीं लगाना पड़े।

कुएं में पैर फिसलने से 43 वर्षीय व्यक्ति की डूबकर मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

रफ्तार मीडिया संवाददाता

गांडेय : गांडेय थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में कुएं में डूबने से 43 वर्षीय व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव निवासी छोटूलाल बेसरा के रूप में हुई है। घटना के बाद से पूरे गांव में शोक की लहर है। मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार रात्रि छोटूलाल बेसरा घर की चारदीवारी के अंदर बने कुएं से पानी लेने गए थे। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वे गहरे कुएं में जा गिरे। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की। कुएं के पास बाल्टी और बंधी रस्सी देखकर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। परिजनों के शोर मचाने पर भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए और तत्काल इसकी सूचना गांडेय थाना पुलिस को दी गई। सूचना पाते ही गांडेय थाना के एसआई संतोष कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस और ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से काफी मशक्कत के बाद देर रात शव को कुएं से बाहर निकाला गया। मंगलवार की सुबह पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गिरिडीह भेज दिया। पोस्टमार्टम के उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया। शव गांव पहुंचते ही परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। दोपहर में परिजनों ने नम आंखों से उनका अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक छोटूलाल बेसरा बेहद गरीब परिवार से ताल्लुक रखते थे और मजदूरी कर किसी तरह परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा पांच बच्चे (चार बेटियां और एक बेटा) हैं। इनमें से दो बेटियों को छोड़कर शेष बच्चों की शादी हो चुकी है। घर के मुख्य कमाऊ सदस्य के असामयिक निधन से परिजनों के समक्ष भरण-पोषण का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, अत्यंत निर्धन होने के बावजूद इस परिवार को अब तक न तो अबुआ आवास मिला है और न ही प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिल सका है। घटना की सूचना मिलने पर सामाजिक कार्यकर्ता श्याम पाठक और मुखिया प्रतिनिधि सुबोध पाठक पीड़ित के घर पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की और ढांढस बंधाया। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता श्याम पाठक ने कहा कि पीड़ित परिवार अत्यंत गरीब है। परिजनों को सरकारी प्रावधानों के तहत उचित मुआवजा और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए प्रशासनिक स्तर पर हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

पिंड्राजोरा में वित्तीय समावेशन शिविर का आयोजन,100 लोगों ने लिया भाग

रफ्तार मीडिया संवाददाता

बोकारो : आम नागरिकों को बैंकिंग सुविधाओं एवं केंद्र सरकार की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से पिंड्राजोरा में वित्तीय समावेशन शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बैंक ऑफ इंडिया की जोनल मैनेजर डॉ. पल्लवी कुमारी उपस्थित रहीं। इसके अतिरिक्त जिला अग्रणी प्रबंधक (छऊट), बोकारो, बोकारो अंचल के वित्तीय समावेशन प्रभारी (ऋक्ष कल्ल-ूँश्रो), वित्तीय साक्षरता केंद्र (ऋछउ) के प्रतिनिधि तथा बैंक ऑफ इंडिया, पिंड्राजोरा

शाखा के शाखा प्रबंधक (इट) उपस्थित रहे। शिविर में कुल 100 लोगों ने भाग लिया। शिविर के दौरान विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं बैंकिंग सेवाओं के अंतर्गत निम्नलिखित उपलब्धियां प्राप्त हुईं।

योजना एवं बैंकिंग सेवा आवेदन/उपलब्धि

मुख्य अतिथि डॉ. पल्लवी कुमारी ने अपने संबोधन में वित्तीय समावेशन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक बैंकिंग सेवाओं एवं सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना बैंक की प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों से बीमा, पेंशन एवं अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ने की अपील की।जिला अग्रणी प्रबंधक, बोकारो ने भी लोगों को वित्तीय साक्षरता के प्रति जागरूक करते हुए बैंकिंग सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में बैंक ऑफ इंडिया, पिंड्राजोरा शाखा के शाखा प्रबंधक एवं संबंधित बैंक अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। शिविर का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाना, बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाना तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को वित्तीय समावेशन की मुख्यधारा से जोड़ना रहा।

एसबीयू में विधिक सहायता क्लिनिक का उद्घाटन

रफ्तार मीडिया संवाददाता

रांची/नामकुम : न्याय तक आम लोगों की पहुंच सुनिश्चित करने, विधिक जागरूकता को बढ़ावा देने तथा समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। विश्वविद्यालय के विधि विभाग, विधि एवं विधिक अध्ययन संकाय द्वारा स्थापित विधिक सहायता क्लिनिक (लीगल एड क्लिनिक) का उद्घाटन 2 नवंबर 2026 को भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने वर्चुअल माध्यम से किया। यह उद्घाटन झारखंड के देवघर स्थित सिविल कोर्ट में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के विधिक सेवा शिविर मॉड्यूल के अंतर्गत आयोजित सशक्तीकरण शिविर के दौरान किया गया। इस अवसर पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति चंद्रशेखर एवं न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वहीं, झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा

प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद तथा झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति रोंगन मुखोपाध्याय विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त झारखंड उच्च न्यायालय के अन्य माननीय न्यायाधीशों एवं गणमान्य व्यक्तियों की भी उपस्थिति रही। एसबीयू परिसर में आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के माननीय महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन, कुलसचिव प्रो एस बी दंडीन समेत विवि के अन्यान्य अधिकारीगण, विधि एवं विधिक अध्ययन संकाय के शिक्षकगण, रांची के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार मिश्रा, रांची के अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी रवि नारायण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA), रांची के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा विधि विभाग के शिक्षकगण उपस्थित रहे। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (विधिक सेवा क्लिनिक) विनियम, 2011 के अनुरूप स्थापित यह विधिक सहायता क्लिनिक विद्यार्थियों की सैद्धांतिक शिक्षा और व्यावहारिक कानूनी अनुभव के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करेगा। इसके माध्यम से विधि के विद्यार्थियों को विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में कानूनी सहायता, विधिक परामर्श, वकालत, विधिक जागरूकता एवं सामुदायिक सेवा से जुड़ा व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। साथ ही विद्यार्थियों में व्यावसायिक नैतिकता, संवैधानिक मूल्यों तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने पर विशेष बल दिया जाएगा। इस क्लिनिक का प्रमुख उद्देश्य समाज के वंचित, कमजोर एवं हाशिए पर रहने वाले वर्गों तक निःशुल्क विधिक जानकारी एवं सहायता पहुंचाना है, ताकि आर्थिक एवं सामाजिक कठिनाइयों के कारण कोई भी व्यक्ति न्याय प्राप्त करने के अवसर से वंचित न रहे। इसके लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रांची के सहयोग से आसपास के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विधिक जागरूकता कार्यक्रम, सामुदायिक संपर्क अभियान तथा विभिन्न कानूनों के अंतर्गत नागरिकों को प्राप्त अधिकारों एवं कानूनी उपायों की जानकारी उपलब्ध कराने संबंधी गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इस महत्वपूर्ण पहल को सफल बनाने में झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रांची, न्यायिक समुदाय तथा विश्वविद्यालय प्रशासन का सराहनीय सहयोग रहा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विधि विभाग ने भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय एवं झारखंड उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीशों, झालसा, डीएलएसए रांची तथा विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। सरला बिरला विश्वविद्यालय के माननीय प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान एवं माननीय राज्यसभा सांसद सह निदेशक, प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस अवसर पर विवि परिवार को शुभकामना संदेश देते हुए इस प्रयास को शिक्षा को समाज से जोड़ने तथा न्याय को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में सार्थक कदम करार दिया।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में इंद्रप्रस्थ 2026 का भव्य शुभारंभ, उद्यमिता और वित्तीय ज्ञान का अनूठा संगम

रफ्तार मीडिया संवाददाता

रांची/नामकुम : सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में 3 नवंबर 2026 को अंतरविद्यालयीय वाणिज्य एवं व्यवसाय सम्मेलन इंद्रप्रस्थ 2026 के पांचवें संस्करण का भव्य शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय इस सम्मेलन में 10 विद्यालयों के 130 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को वाणिज्य, वित्त एवं उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना तथा उनके ज्ञान को नए विचारों और व्यावहारिक कार्यों में परिणत करने का अवसर प्रदान करना था। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात गणेश वंदना प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की सीआईआरसी की राँची शाखा के अध्यक्ष सीए अनीश जैन उपस्थित रहे। अपने संबोधन में अनीश जैन ने व्यावसायिक निर्णयों को विवेकपूर्ण ढंग से लेने में वित्तीय साक्षरता के महत्त्व पर बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को कक्षा में अर्जित ज्ञान को वास्तविक आर्थिक चुनौतियों एवं उभरते अवसरों से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक जगत में विश्वसनीयता नैतिक आचरण, विवेकपूर्ण निर्णय क्षमता एवं जवाबदेही पर आधारित होती है। उन्होंने युवा प्रतिभागियों को जिज्ञासा, अनुकूलनशीलता तथा दीर्घकालिक मूल्य सृजन की प्रतिबद्धता के साथ उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने का संदेश दिया। इस सम्मेलन में आचार्यकुलम, ब्रिजफोर्ड स्कूल, कैम्ब्रियन पब्लिक स्कूल, गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल, गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल, निरजा सहाय डीएवी पब्लिक स्कूल, शारदा ग्लोबल स्कूल, सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी स्कूल एवं विवेकानंद विद्या मंदिर सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लियज्ञं सम्मेलन के प्रथम दिन बिजनेस बाजार, आईएमएफ तथा बुल्स एंड बेयर जैसी रोचक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बिजनेस बाजार के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी उद्यमशीलता, विपणन संबंधी नवीन सोच तथा प्रभावशाली संवाद कौशल प्रदर्शित करने का अवसर मिला।आईएमएफ के अंतर्गत वैश्विक आर्थिक मुद्दों पर विचार-विमर्श, विभिन्न दृष्टिकोणों के आदान-प्रदान तथा वित्तीय चुनौतियों पर तार्किक विचार प्रस्तुत करने का मंच उपलब्ध कराया गया। वहीं, बुल्स एंड बेयर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने शेयर बाजार की कार्यप्रणाली को समझते हुए बाजार के रुझानों का विश्लेषण किया, जोखिमों का आकलन किया तथा रणनीतिक निवेश संबंधी निर्णय लेने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। इन सभी गतिविधियों ने प्रतिभागियों में सामूहिक कार्य भावना, आलोचनात्मक चिंतन तथा कक्षा में अर्जित ज्ञान के व्यावहारिक प्रयोग को प्रोत्साहित किया। दिनभर की गतिविधियों का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या मनीषा शर्मा ने कहा कि ह्यइंद्रप्रस्थह्ण जैसे आयोजन प्रतिभागियों को जोखिमों का आकलन करने, स्थापित धारणाओं पर प्रश्न उठाने तथा अपनी महत्त्वाकांक्षाओं के साथ नैतिक मूल्यों का संतुलन बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि वास्तविक उद्यमशील सफलता का आधार समाज की आवश्यकताओं को पहचानना, सार्थक समाधान प्रस्तुत करना तथा सामाजिक हित में मूल्य सृजन करना है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि यह सम्मेलन विद्यार्थियों को विभिन्न विचारों एवं दृष्टिकोणों को समझने, परस्पर सहयोग करने तथा अपने निर्णयों की जिम्मेदारी लेने के अवसर प्रदान करता है। ये सभी गुण एक संवेदनशील, विवेकशील एवं दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता के निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

समाचार सार

महागामा में लंबित कांडों की समीक्षा, धनतेरस और दीपावली को लेकर पुलिस ने बढ़ाई सतर्कता

गोड्डा (रफ्तार मीडिया संवाददाता): महागामा पुलिस निरीक्षक कार्यालय में लंबित कांडों के निष्पादन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस निरीक्षक ने विभिन्न मामलों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए 60 एवं 90 दिनों से अधिक समय से लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर दिया।उन्होंने संबंधित अनुसंधानकताओं को निर्देश दिया कि लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान पूरा करें। साथ ही निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कांडों का निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा।वहीं, आगामी धनतेरस एवं दीपावली पर्व को देखते हुए क्षेत्र में शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया। बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थानों, बैंकों, आभूषण दुकानों एवं अन्य संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ाने पर जोर दिया गया। इसके अलावा संध्या एवं रात्रि गश्ती तेज करने तथा नियमित पेट्रोलिंग करने का निर्देश दिया गया, ताकि असामाजिक तत्वों और संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।महागामा पुलिस ने आम नागरिकों से धनतेरस एवं दीपावली का त्योहार शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। साथ ही किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया।

गोड्डा में जनता दरबार आयोजित, उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने सुनीं आम लोगों की समस्याएं, दिए कई निर्देश

गोड्डा (रफ्तार मीडिया संवाददाता): आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान को लेकर मंगलवार को गोड्डा समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए आवेदन प्राप्त किए। जनता दरबार में जमीन एवं राजस्व,राशन, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली, ग्रामीण विकास, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, कृषि, श्रम नियोजन एवं नगर परिषद सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें सामने आईं। आम नागरिकों ने अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी पदाधिकारी प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध एवं प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित करें।

भगवान बिरसा जैविक उद्यान में वन्य प्राणी सप्ताह का भव्य समापन, 402 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

▶▶30 विद्यालयों के बच्चों ने प्रतियोगिताओं में लिया हिस्सा, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगाए गए 100 से अधिक पौधे

ओरमांझी। भगवान बिरसा जैविक उद्यान, चकला में आयोजित वन्य प्राणी सप्ताह-2026 का समापन मंगलवार को भव्य समारोह एवं पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। सप्ताह भर चले इस आयोजन में स्कूली विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं, वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया गया। समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। वन्य प्राणी सप्ताह के तहत ग्रामीण क्षेत्र के 30 विद्यालयों के कक्षा पांचवीं से दसवीं तक के कुल 402 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इनमें 205 विद्यार्थियों ने चित्रांकन और 197 विद्यार्थियों ने निबंध प्रतियोगिता में अपनी रचनात्मक प्रतिभा दिखाई। इसके अलावा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। विभिन्न वर्गों में सुप्रिया कुमारी, अलीजा परवीन, प्रीति कुमारी, आयुषी कुमारी, अरहम मलिका, जानवी प्रज्ञा, आदित्य सिंह और तनु श्री कुमारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पुरस्कार प्राप्त किए। वहीं, उद्यान कर्मियों के बीच आयोजित प्रतियोगिता में साधो उरांव ने 76.25 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। संजीव कुमार महतो द्वितीय और पवन कुमार महतो तृतीय स्थान पर रहे। अधिकारियों ने सभी विजेताओं को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सप्ताह भर चले कार्यक्रमों के दौरान वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रभात फेरी निकाली गई। इसके साथ ही स्वच्छता अभियान और प्लास्टिक के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जामुन, नीम, बरगद और करंज सहित 100 से अधिक पौधे लगाए गए। इस पहल के माध्यम से लोगों को अधिक से अधिक पौधरोपण करने और हरित वातावरण के निर्माण के लिए प्रेरित किया गया। समापन समारोह में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन्यप्राणी उद्यान के कार्यकारी निदेशक बीपी बोर्डे (एटी मिश्रा), प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यप्राणी प्रतिपालक असीम श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं जैव विविधता बोर्ड के अध्यक्ष विश्वनाथ साह तथा अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक राजकुमार बाजपेयी सहित वन विभाग के कई वरीय अधिकारी उपस्थित थे। समारोह को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने कहा कि वन्यजीवों, जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का सामूहिक दायित्व है। जंगल और जैव विविधता प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनके संरक्षण के लिए बच्चों और युवाओं को जागरूक करना बेहद जरूरी है। अधिकारियों ने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। मौके पर अशोक कुमार, गायत्री मैडम सहित भगवान बिरसा जैविक उद्यान के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। कार्यक्रम का समापन वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के संकल्प के साथ हुआ।

शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार के खिलाफ अरुप चटर्जी ने उपायुक्त कार्यालय के समक्ष शुरू किया अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल

▶▶प्रमुख मांग और मुद्दा: शिक्षा विभाग में मनमाने तरीके से ट्रांसफर-पोस्टिंग, वित्तीय अनियमितता और छात्र-शिक्षक अनुपात की अनदेखी का आरोप।

▶▶समर्थन:भूख हड़ताल के समर्थन में उतरे पूर्व विधायक आनंद महतो।

रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : धनबाद में शिक्षा विभाग की कार्यशैली और प्रशासनिक व्यवस्था के खिलाफ आर-पार की लड़ाई शुरू हो गई है। निरसा के विधायक अरुप चटर्जी शिक्षा विभाग में व्याप्त अनियमितता, भ्रष्टाचार और मनमाने तरीके से शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग किए जाने के गंभीर आरोपों के साथ धनबाद उपायुक्त कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। इस आंदोलन और अनशन को समर्थन देने के लिए पूर्व विधायक आनंद महतो भी विशेष रूप से शामिल हुए। अनशन पर बैठे निरसा विधायक अरुप चटर्जी ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि हमारी लड़ाई इस भ्रष्ट प्रशासनिक व्यवस्था के खिलाफ है। सरकार अपना काम कर रही है और उसने कई नए शिक्षक भी दिए हैं, लेकिन उन शिक्षकों को सही जगह पर पदस्थापित नहीं किया जा रहा है। गांव-गांव में बच्चों की संख्या ज्यादा है, लेकिन छात्र-शिक्षक अनुपात को ताक पर रखकर सिर्फ भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है।

1.5 लाख लेकर ट्रांसफर-पोस्टिंग का सनसनीखेज आरोप

विधायक ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि शिक्षा विभाग में पैसों का खेल चल रहा है और करीब डेढ़ लाख रुपये लेकर शिक्षकों की ट्रांसफर-पोस्टिंग की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि पिछले एक साल में करीब डेढ़ हजार शिक्षकों का तबादला किया गया, जिनमें से ज्यादातर को शहरी क्षेत्रों में पदस्थापित कर दिया गया। इसके चलते ग्रामीण इलाकों के स्कूलों में बच्चों की संख्या के मुकाबले शिक्षकों की भारी कमी हो गई है, जिससे गरीब बच्चे बुनियादी शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। इसके अलावा, विधायक ने शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आरटीई) को लेकर भी बड़ा सवाल उठाया है। उनका कहना है कि आरटीई के तहत जो सुविधाएं गरीब बच्चों को मिलनी चाहिए थीं, वे अमीर बच्चों को दी जा रही हैं और गरीब बच्चों को उनके हक से लगातार दूर रखा जा रहा है। विधायक ने स्पष्ट कर दिया है कि जिला प्रशासन की इस विफल व्यवस्था और भ्रष्टाचार के खिलाफ उनका यह अनिश्चितकालीन अनशन तब तक जारी रहेगा जब तक ठोस कार्रवाई नहीं होती।

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम : डीडीसी

जामताड़ा आईटीआई कॉलेज में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट का आयोजन

▶▶एक राष्ट्र एक चुनाव पर हुआ भाषण प्रतियोगिता

रफ्तार मीडिया संवाददाता

जामताड़ा : मेरा युवा भारत जामताड़ा के तत्वावधान में मंगलवार को जामताड़ा आईटीआई कॉलेज परिसर में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय एक राष्ट्र, एक चुनाव रखा गया। इसका उद्देश्य युवाओं को देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, चुनावी प्रक्रिया, संवैधानिक मूल्यों तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जामताड़ा के उप विकास आयुक्त असीम किसपोट्टा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित करने एवं राष्ट्रगान के साथ हुई। इस दौरान डीडीसी असीम किसपोट्टा ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। लोकतंत्र को मजबूत बनाने और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। युवाओं को देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, संविधान और चुनावी प्रक्रिया की बेहतर समझ होनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर जागरूकता के साथ अपनी सकारात्मक भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में नेतृत्व क्षमता, तार्किक चिंतन और संवाद कौशल विकसित करने का बेहतर मंच प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के दौरान ह्यएक राष्ट्र, एक चुनावह्ण विषय पर विशेष चर्चा की गई। इसमें बार-बार होने वाले चुनावों के प्रभाव, प्रशासनिक संसाधनों के उपयोग, चुनावी व्यवस्था में संभावित सुधार तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा इसी विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉ. हृदयानंद, रेशमा टोप्पो, सुरेश कुमार एवं राजेंद्र शर्मा ने निभाई। प्रतियोगिता में मनीष कुमार मंडल ने प्रथम, परिमल महतो ने द्वितीय तथा मो. सिस अनवर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में गवर्नमेंट आईटीआई के प्रभारी प्राचार्य दिलीप कुमार, जिला नियोजन पदाधिकारी मो. जावेद अंसारी, उप निदेशक उत्तरा विश्वास एवं उदय कुमार उपस्थित रहे। उप निदेशक उत्तरा विश्वास ने बताया कि जिला स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर भाग लेने का अवसर मिलेगा। राज्य स्तर पर चयनित प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। मौके पर माय भारत के वालंटियर्स साहेब मंडल, लखिन्दर सिंह, अंजली मिंज, प्रमिला मुर्मू, मिथुन महतो सहित आईटीआई कॉलेज के शिक्षक एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पेड़ से लटकता मिला 22 वर्षीय युवक का शव हत्या या आत्महत्या की जांच में जुटी पुलिस

धनबाद के पुटकी थाना क्षेत्र के न्यू मेरिन मुंडा पट्टी में सनसनीखेज मामला, मां ने जताई अनहोनी की आशंका

प्रशासनिक कार्रवाई: पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा, रिपोर्ट आने पर खुलेगा राज

रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : धनबाद के पुटकी थाना क्षेत्र के न्यू मेरिन मुंडा पट्टी में मंगलवार को एक 22 वर्षीय युवक का शव पेड़ से लटकता मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान जयपाल गगराई के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलने पर पुटकी थाना की पुलिस भी तुरंत घटनास्थल पर पहुँची और शव को पेड़ से उतारकर अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की मां बिंदिया गगराई ने बताया कि सोमवार को जयपाल का किसी बात को लेकर दो लोगों के साथ झगड़ा हुआ था, जिसमें दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज भी हुई थी। झगड़े के बाद जयपाल घर लौटा और अपना मोबाइल फोन लेकर बाहर चला गया था। मंगलवार की सुबह जब मां ने अपनी ड्यूटी पर जाने से पहले बेटी को चाय बनाने के लिए कहा, तभी उनकी भतीजी ने घर आकर जानकारी दी कि जयपाल का शव पेड़ से लटका हुआ है। यह खबर सुनते ही परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई। मां के अनुसार, जयपाल ने आठवीं कक्षा तक पढ़ाई की थी और इसके बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। फिलहाल वह कोई कामकाज नहीं कर रहा था। परिवार के लोग इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि यह आत्महत्या है या किसी ने उसकी हत्या कर शव को लटकाया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुटकी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस पुराने विवाद और अन्य सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गहराई से जांच-पड़ताल कर रही है।

धनबाद सांसद बनकर पुणे के कारोबारी से 12 लाख की ठगी, पुणे क्राइम ब्रांच ने भागा से आरोपी बबलू को दबोचा

खुद को धनबाद का सांसद बताकर पुणे के कारोबारी को सामूहिक विवाह का झांसा दिया और 12 लाख रुपये ऐंठे

एक किशोरी के मोबाइल फोन से खुला राज, पुणे क्राइम ब्रांच ने जोड़ापोखर के भागा से मुख्य आरोपी को किया गिरफ्तार।

रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : धनबाद में राजनीतिक रसूख और सांसद के नाम का इस्तेमाल कर ठगी करने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। खुद को धनबाद का सांसद बताकर एक शातिर ठग ने पुणे के एक कारोबारी को सामूहिक विवाह और बड़े कार्यक्रम आयोजित कराने का झांसा दिया और उससे 12 लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुणे क्राइम ब्रांच की टीम ने धनबाद पहुंचकर जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के भागा इलाके से मुख्य आरोपी बबलू को दबोच लिया। हैरानी की बात यह है कि इस शातिर तक पहुँचने का मुख्य सुराग एक किशोरी के मोबाइल फोन से मिला। पुणे क्राइम ब्रांच के पुलिस अधिकारी राहुल ने बताया कि आरोपी अपनी पहचान छिपाने और बात करने के लिए अलग-अलग लोगों के मोबाइल फोन का इस्तेमाल करता था। इसी क्रम में उसने एक किशोरी का फोन भी उपयोग में लिया था। जब पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान के तहत मोबाइल को ट्रेस किया, तो कड़ियाँ जुड़ते हुए टीम सीधे भागा तक पहुँच गई और मुख्य आरोपी बबलू को धर दबोचा।

कैसे दिया गया ठगी को अंजाम?

पुलिस के अनुसार, जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के भागा निवासी बबलू ने खुद को धनबाद का सांसद बताकर पुणे के शिवाजीनगर निवासी एक कारोबारी से संपर्क साधा था। उसने कारोबारी को धनबाद में बड़े पैमाने पर सामूहिक विवाह और अन्य धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रम आयोजित कराने का प्रस्ताव दिया। अपनी कथित राजनीतिक पहुंच और प्रभाव का झूठा भरोसा दिलाकर आरोपी ने किस्तों में कारोबारी से 12 लाख रुपये से अधिक की राशि ऐंठ ली। जब काफी समय बीतने के बाद भी किसी प्रकार के कार्यक्रम की शुरूआत नहीं हुई, तो पीड़ित कारोबारी को अपने साथ हुई ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद उसने पुणे में प्राथमिकी दर्ज कराई, जिसके आधार पर कांड संख्या 270/26 दर्ज कर पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाया।

गिरफ्तारी और आगे की कार्रवाई

छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक किशोरी समेत चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। हालाँकि, गहन पूछताछ के बाद अन्य तीन लोगों को छोड़ दिया गया, जबकि मुख्य आरोपी बबलू को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस को अंदेशा है कि ठगी की यह रकम 12 लाख रुपये से काफी अधिक हो सकती है और आरोपी ने इसी फजीर्वाड़े के जरिए अन्य लोगों को भी अपना शिकार बनाया होगा। मंगलवार को गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। अब पुणे क्राइम ब्रांच आरोपी को रिमांड पर लेकर इस ठगी के पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य संभावित चेहरों की तलाश में जुटी है।

संक्षिप्त ख़बरें

मुखिया आशा देवी और उनके पुत्र पर जानलेवा हमले से आक्रोश

◈ पुलिस कार्रवाई पर मुखिया संघ ने उठाये सवाल

गिरिडीह। सदर प्रखंड के मंगरोडीह पंचायत की मुखिया आशा देवी और उनके पुत्र करण कुमार पर हुए जानलेवा हमले के मामले में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। घटना के विरोध में गिरिडीह प्रखंड मुखिया संघ की एक आपातकालीन बैठक हुई । बैठक में पुलिस प्रशासन की कार्यशैली और प्राथमिकी दर्ज करने में हुई देरी को लेकर गहरी नाराजगी जताई गई। बैठक में उपस्थित मुखिया संघ के सदस्यों ने मुखिया आशा देवी और उनके पुत्र पर हुए हमले की कड़ी निंदा की। मुखिया शिवनाथ साव ने पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि घटना के बाद प्राथमिकी दर्ज करने में हुई देरी और मामले में गंभीर धाराओं को शामिल किए जाने को लेकर स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष भागीरथ मंडल ने कहा कि गांव की सरकार चलाने वाले जनप्रतिनिधियों पर इस तरह के जानलेवा हमले गंभीर चिंता का विषय हैं। गिरिडीह प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष शब्बीर आलम ने कहा कि यदि जल्द ही मामले में नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती है, तो संघ चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगा। बैठक में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष भागीरथ मंडल, प्रखंड अध्यक्ष शब्बीर आलम, महेशलुंडी पंचायत के मुखिया शिवनाथ साव, मुन्नालाल, बीरबल मंडल, रामेश्वर प्रसाद वर्मा, नरेश यादव, मनोज पांसी और सुरेंद्र दास सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ओपेन माइंड वर्ल्ड स्कूल में फूड फेस्ट का भव्य आयोजन

बच्चों ने उठाया लजीज व्यंजनों का आनंद

गिरिडीह। शहर के धरियाडीह स्थित ओपेन माइण्ड वर्ल्ड स्कूल में मंगलवार को विद्यालय परिवार की ओर से फूड फेस्ट का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों के आकर्षक स्टॉल लगाए गए, जहां बच्चों ने अपनी पसंद के लजीज पकवानों का भरपूर आनंद लिया। फूड फेस्ट में छात्र-छात्राओं के साथ-साथ अभिभावकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विभिन्न स्टॉलों पर तरह-तरह के व्यंजन उपलब्ध थे, जिनका सभी ने खूब लुत्फ उठाया। इस आयोजन को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ आपसी सहयोग, सहभागिता और सामूहिक गतिविधियों के महत्व को समझने का अवसर भी मिला। इस मौके पर विद्यालय की प्राचार्या चन्द्रमल्लिका घोष चैधुरी ने कहा कि बच्चों के मनोरंजन और उनके सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए फूड फेस्ट का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों के बीच आपसी मेलजोल बढ़ता है और उनके संबंध मजबूत होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ विद्यालय में इस तरह की रचनात्मक एवं मनोरंजक गतिविधियां आयोजित करना आवश्यक है। इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है तथा उनमें सामाजिक व्यवहार, सहयोग और सहभागिता की भावना विकसित होती है।

गिरिडीह के मर्सी हॉस्पिटल में महिला की मौत

◈ परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप, किया हंगामा

गिरिडीह। गिरिडीह के चर्चित मर्सी हॉस्पिटल में मंगलवार को 46 वर्षीय महिला मरीज की मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। मृतका की पहचान मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के सिहोडीह निवासी इंद्रदेव रजक की पत्नी मंजू देवी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। पुलिस ने आक्रोशित परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उनका गुस्सा शांत नहीं हुआ। मिली जानकारी के अनुसार, मंजू देवी के गॉल ब्लैडर में पथरी थी। इसी के इलाज के लिए परिजनों ने उन्हें चार दिन पहले मर्सी हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। परिजनों का आरोप है कि पहला ऑपरेशन ठीक से हुआ था, लेकिन बाद में उनकी हालत बिगड़ने लगी। इसके बाद परिजनों ने मरीज को दूसरे अस्पताल में रेफर करने की मांग की। परिजनों के मुताबिक, इसी दौरान दूसरा ऑपरेशन किया गया, जिसके बाद मंजू देवी की हालत लगातार बिगड़ती चली गई। आखिरकार मंगलवार को उनकी मौत हो गई। महिला की मौत के बाद परिजन आक्रोशित हो उठे और अस्पताल परिसर में हंगामा करने लगे। हंगामे की सूचना पर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों को समझाने और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। वहीं, परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए मामले की जांच की मांग की है।

झारखंड की जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को लेकर राजधानी रांची में निकला विशाल भाषा मार्च

◈ केजी से पीजी तक जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं की पढ़ाई सुनिश्चित करने तथा प्राथमिक से विश्वविद्यालय स्तर तक शिक्षकों की नियुक्ति की उठी मांग।

रफ्तार मीडिया

रांची, 3 नवंबर 2026:जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा छात्र मोर्चा के तत्वावधान में आज झारखंड की जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं, साहित्य एवं संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और विकास को लेकर राजधानी रांची में विशाल पैदल भाषा मार्च निकाला गया। यह मार्च मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका से कचहरी रोड होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक के रास्ते भगवान बिरसा मुंडा शहीद स्थल तक पहुंचा।

इस मार्च में झारखंड के लगभग 30 कॉलेजों एवं 8 विश्वविद्यालयों के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा के छात्र-छात्राओं,

शोधार्थियों, शिक्षकों, प्राध्यापकों, सेवानिवृत्त प्राध्यापकों एवं भाषा प्रेमियों ने हजारों की संख्या में भाग लिया। मार्च के माध्यम से सरकार से प्रमुख रूप से मांग की गई कि झारखंड में केजी से पीजी तक जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं की पढ़ाई अविलंब सुनिश्चित की जाए। प्राथमिक स्तर से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक इन भाषाओं के शिक्षकों के स्वीकृत पदों का सृजन कर नियमित नियुक्ति की जाए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके और स्थानीय भाषाओं के माध्यम से रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो सकें। इसके साथ ही जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के विकास के लिए अलग भाषा बजट की व्यवस्था तथा झारखंड की भाषाओं, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण एवं विकास के लिए स्वतंत्र साहित्य अकादमी के गठन की मांग भी उठाई गई।

पूर्व शिक्षा मंत्री श्री बंधु तिर्की ने कहा कि झारखंड की जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाएं यहां की पहचान, इतिहास और सांस्कृतिक विरासत की आधारशिला हैं। किसी भी समाज की भाषा समाप्त होने का अर्थ उसकी संस्कृति और परंपराओं का कमजोर होना है। राज्य सरकार को स्थानीय भाषाओं के संरक्षण के लिए गंभीरता से पहल करनी चाहिए। केजी से पीजी तक इन भाषाओं की पढ़ाई सुनिश्चित करने के साथ-साथ शिक्षकों की नियुक्ति और साहित्य अकादमी का गठन करना समय की मांग है।

भगवान बिरसा जैविक उद्यान में वन्य प्राणी सप्ताह का भव्य समापन

402 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

◈ 30 विद्यालयों के बच्चों ने प्रतियोगिताओं में लिया हिस्सा, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत लगाए गए 100 से अधिक पौधे

एहसान राजा संवाददाता

ओरमांझी। भगवान बिरसा जैविक उद्यान, चकला में आयोजित वन्य प्राणी सप्ताह-2026 का समापन मंगलवार को भव्य समारोह एवं पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। सप्ताह भर चले इस आयोजन में स्कूली विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं, वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया गया। समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को

सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

वन्य प्राणी सप्ताह के तहत ग्रामीण क्षेत्र के 30 विद्यालयों के कक्षा पांचवीं से दसवीं तक के कुल 402 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इनमें 205 विद्यार्थियों ने चित्रांकन और 197 विद्यार्थियों ने निबंध प्रतियोगिता में अपनी रचनात्मक प्रतिभा दिखाई। इसके अलावा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। विभिन्न वर्गों में सुप्रिया कुमारी, अलीजा परवीन, प्रीति कुमारी, आयुषी कुमारी, अरहम मलिका, जानवी प्रज्ञा, आदित्य सिंह और तनु श्री कुमारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पुरस्कार प्राप्त किए। वहीं, उद्यान कर्मियों के बीच आयोजित प्रतियोगिता में साधो उरांव ने 76.25 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। संजीव कुमार महतो द्वितीय और पवन कुमार महतो तृतीय स्थान पर रहे। अधिकारियों ने सभी विजेताओं को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सप्ताह भर चले कार्यक्रमों के दौरान वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रभात फेरी निकाली गई। इसके साथ ही स्वच्छता अभियान और प्लास्टिक के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

बाली में सीयूएसबी के दो विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया शोधपत्र

रफ्तार मीडिया/ गयाजी
प्रभात सिन्हा

गया जी::दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) गया जी के ऐतिहासिक अध्ययन एवं पुरातत्त्व विभाग के दो परास्नातक विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। विभाग के विद्यार्थी अदिति सिन्हा एवं अमन कुमार ने इंडोनेशिया के बाली में आयोजित एशिया-पैसिफिक कांफ्रेंस (एपीकॉनफ-एमयूसीएच-2026) में अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने दोनों विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। यह प्रतिष्ठित सम्मेलन इंडोनेशिया के मिनिस्ट्री ऑफ मरीन अफेयर्स एंड फिशरीज की ओर से छठे मैरीटाइम एंड कल्चरल हेरिटेज विषय पर आयोजित किया गया था। इस वर्ष सम्मेलन का मुख्य विषय 'ट्रेडिशन एंड ट्राजेक्ट्रीज : मैरीटाइम हेरिटेज एंड ब्लू इकोनॉमी इन एशिया-पैसिफिक' रखा गया था। इसमें

समुद्री विरासत, सांस्कृतिक परंपराओं और ब्लू इकोनॉमी से जुड़े विभिन्न विषयों पर शोध एवं विचारों का आदान-प्रदान किया गया। सम्मेलन में अदिति सिन्हा ने 'गयाज पितृपक्ष मेलाः ए कॉन्फ्लुएंस ऑफ रिचुअल, माइथोलॉजी एंड कल्चर' विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। इसमें गया जी के प्रसिद्ध पितृपक्ष मेले को धार्मिक अनुष्ठानों, पौराणिक मान्यताओं और सांस्कृतिक परंपराओं के संगम के रूप में प्रस्तुत किया गया। वहीं, अमन कुमार ने 'घाट्स इन पटनाः रिवरीन हेरिटेज एंड कम्युनिटीज' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत करते हुए पटना के घाटों की नदी आधारित विरासत और उनसे जुड़े समुदायों के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित किया। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सिर आलम ने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी दोनों विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण अकादमिक उपलब्धि है। सम्मेलन के आयोजकों की ओर से दोनों विद्यार्थियों को आने-जाने और ठहरने की निःशुल्क सुविधा भी उपलब्ध कराई गई थी। इस उपलब्धि पर इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुधांशु कुमार झा, विद्यार्थियों के मेंटर डॉ. रोहित कुमार, डॉ. नीरज कुमार सिंह सहित विभाग के अन्य शिक्षक डॉ. प्रीति अनिल खंडारे, डॉ. अनिल कुमार एवं डॉ. आनंद गुप्ता ने भी दोनों विद्यार्थियों को बधाई दी।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' के नारे के साथ सड़क पर उतरे आदित्य साहू और बाबूलाल मरांडी

नेताओं ने झारखंड सरकार पर साधा निशाना

रफ्तार मीडिया

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' के नारे के साथ जोरदार राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन किया। इस पैदल मार्च में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी समेत पार्टी के कई दिग्गज नेता शामिल हुए। हजारों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में निकले इस मार्च ने शहर की सड़कों पर भाजपा की राजनीतिक सक्रियता और संगठनात्मक ताकत का प्रदर्शन किया। पैदल मार्च की शुरुआत शहर के झंडा मैदान से हुई। इसके बाद जुलूस कचहरी चैक, कालीबाड़ी और बड़ा चैक होते हुए गांधी चैक पहुंचा, जहां मार्च का समापन हुआ। इस मार्च में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मंत्री अमर बावरी, पूर्व सांसद डॉ. रवींद्र राय, विधायक

नागेंद्र महतो, डॉ. मंजू कुमारी, पूर्व विधायक निर्भय शाहाबादी, लक्ष्मण स्वर्णकार, महानगर जिलाध्यक्ष रंजीत राय, ग्रामीण जिलाध्यक्ष महेंद्र वर्मा, सांसद प्रतिनिधि दिनेश यादव, पूर्व मेयर सुनील पासवान, पूर्व आईजी लक्ष्मण सिंह, सुरेश साव, प्रकाश सेठ, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष पूनम प्रकाश, विनय सिंह, विभाकर पांडेय, मनोज साहू, प्रो विनीता कुमारी समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान बाबूलाल मरांडी ने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर देश में अराजकता का माहौल बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने विपक्ष की राजनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं के नाम पर भ्रम फैलाने की कोशिशों का राजनीतिक जवाब दिया जाना चाहिए। पद यात्रा में भाजपा नेता यदुनंदन पाठक, संदीप डंगाईच, मुकेश जालान, संजीत सिंह पप्पू, दीपक पंडित, हरमिंदर सिंह बग्गा, नगर अध्यक्ष जय शंकर सिन्हा, सुरेश मंडल, अनिल मिश्रा, कुमार सौरव, मिथुन चंद्रवंशी, शालिनी वेश्खियार, पप्पू चंद्रवंशी, सुभाष सिन्हा, कुणाल सिंह, किशोर साव, सहित काफी संख्या में भाजपाई शामिल हुए।

11 करोड़ की ग्रामीण जलापूर्ति योजना पर उठे सवाल

◈ सड़क निर्माण के दौरान पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने का आरोप

रफ्तार मीडिया

बिरनी/गिरिडीह। बिरनी प्रखंड के बाराडीह पंचायत में ग्रामीण जलापूर्ति योजना की बदहाल स्थिति और सड़क निर्माण के दौरान क्षतिग्रस्त हुई पाइपलाइन को लेकर एक बार फिर मामला गरमा गया है। इस संबंध में पंचायत के समाजसेवी एवं पूर्व मुखिया प्रत्याशी बाबूलाल यादव ने गिरिडीह उपायुक्त को लिखित आवेदन सौंपकर मामले में उच्चस्तरीय जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।आवेदन में बताया गया है कि बाराडीह एवं आसपास के गांवों में घर-घर शुद्ध पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से सरकार की

ओर से लगभग **11 करोड़ 29 लाख रुपये** की लागत से ग्रामीण जलापूर्ति योजना बनाई गई थी। आरोप है कि यह योजना पिछले चार वर्षों से बंद पड़ी थी। इसे चालू कराने की मांग को लेकर ग्रामीणों एवं युवाओं ने अनिश्चितकालीन धरना भी दिया था। इसके बाद विभाग की ओर से योजना को चालू कराया गया।

`किन अब सड़क निर्माण के दौरान संवेदक द्वारा पाइपलाइन को सड़क के बीचोंबीच दबा दिए जाने तथा कई स्थानों पर पाइप क्षतिग्रस्त होने की शिकायत सामने आई है। इससे बाराडीह, पिपराडीह, बिराजपुर, जमुनियाटांड़, ताराटांड़, बेलाटांड़, बेलना सहित आसपास के दर्जनों गांवों में जलापूर्ति प्रभावित होने की आशंका जताई गई है।बाबूलाल यादव ने आवेदन के माध्यम से उपायुक्त से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, सड़क के बीच दबाई गई पाइपलाइन को निकालकर सड़क किनारे व्यवस्थित तरीके से लगाने तथा टूटे-फूटे पाइपों को बदलकर सभी गांवों में नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल नहीं मिल रहा है तो यह गंभीर मामला है।

सीसीएल में महिला क्रिकेट प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण आयोजन

◈ सीसीएल पैंथर्स बनी विजेता

◈ महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने खेल मैदान में दिखाया दमखम, सीसीएल वॉरियर्स रही उपविजेता

वरिय संवाददाता शंकर

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वारा महात्मा गांधी क्रीड़ांगन, गांधीनगर, रांची में एकदिवसीय महिला क्रिकेट प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। सीसीएल द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच खेलकूद को प्रोत्साहित करना तथा उनकी खेल प्रतिभा को एक बेहतर मंच प्रदान करना था।

प्रतियोगिता का शुभारंभ निदेशक (वित्त), पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (मानव संसाधन), हर्ष नाथ मिश्र, मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर सभी कोलकर्मियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और स्वयं पिच पर बल्लेबाजी एवं गेंदबाजी कर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया।इस अवसर पर निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा ने कहा कि खेल का मैदान महिला सशक्तिकरण का एक जीवंत प्रतीक है। ऐसी प्रतियोगिताएं महिलाओं के आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता को नई उड़ान देने के साथ-साथ उनकी प्रतिभा

को सामने लाने का अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि सीसीएल की महिलाएं कार्यालय की जिम्मेदारियों से लेकर खेल के मैदान तक हर क्षेत्र में अपनी क्षमता और प्रतिभा का परिचय दे रही हैं।इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र ने कहा कि खेलकूद जीवन में सकारात्मकता, अनुशासन एवं आत्मविश्वास का संचार करता है। उन्होंने कहा कि सीसीएल में महिला कर्मचारियों को विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टीमों एवं खिलाड़ियों को उनके उत्साह और खेल भावना के लिए बधाई दी।इस अवसर पर सीसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) पंकज कुमार ने कहा कि खेलकूद न केवल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक है, बल्कि अनुशासन, टीम भावना, आपसी सहयोग और नेतृत्व क्षमता को भी मजबूत करता है। उन्होंने महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन कार्यस्थल पर सकारात्मक वातावरण बनाने के साथ-साथ महिलाओं को अपनी प्रतिभा और क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं।

इस प्रतियोगिता में सीसीएल पैंथर्स, सीसीएल टाइटन्स एवं सीसीएल वॉरियर्स की तीन टीमों ने हिस्सा लिया। लीग चरण के पहले मुकाबले में सीसीएल पैंथर्स (91/2) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीसीएल टाइटन्स (64/3) को 27 रनों से पराजित किया। दूसरे मुकाबले में सीसीएल पैंथर्स (64/4) ने सीसीएल वॉरियर्स को 30 रनों से हराया। वहीं, तीसरे लीग मुकाबले में सीसीएल वॉरियर्स (130/2) ने सीसीएल टाइटन्स (79/4) को 51 रनों से शिकस्त देकर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की।दोपहर 12:30 बजे सीसीएल पैंथर्स एवं सीसीएल वॉरियर्स के बीच 10-10 ओवरों का फाइनल मुकाबला खेला गया। खिताबी मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए सीसीएल पैंथर्स ने शानदार प्रदर्शन किया और 137/1 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीसीएल वॉरियर्स की टीम निर्धारित ओवरों में 111/6 रन ही बना सकी।

संक्षिप्त ख़बरें

पुलिस लाइन में संयुक्त भवन का वरीय पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

रफ्तार मीडिया/ गयाजी /प्रभात सिन्हा

गया जीः: पुलिस लाइन, गया जी में मंगलवार को वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार के नेतृत्व में संयुक्त भवन का निरीक्षण किया गया। इस दौरान नगर पुलिस अधीक्षक अभिनव,अपर पुलिस अधीक्षक (विशेष अपराध), रक्षित डीएसपी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के क्रम में एसएसपी ने संयुक्त भवन की विभिन्न व्यवस्थाओं एवं वहां उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने भवन के रखरखाव, उपलब्ध संसाधनों तथा संबंधित व्यवस्थाओं की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही, आवश्यक बिंदुओं पर संबंधित पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए व्यवस्था को बेहतर और सुचारु बनाए रखने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए। वरीय पुलिस अधीक्षक ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि भवन की व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं को सुव्यवस्थित रखा जाए, ताकि पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को कार्य निष्पादन में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। निरीक्षण का उद्देश्य पुलिस लाइन में उपलब्ध सुविधाओं की स्थिति का आकलन कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित करना था।

जामताड़ा कॉलेज में एनएसएस इकाई एक एवं तीन की ओर से हुआ कार्यक्रम, भाषण, पोस्टर मेकिंग और स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता आयोजित

रफ्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा।

जामताड़ा कॉलेज, जामताड़ा में मंगलवार को राष्ट्रीय एकता दिवस एवं एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना - इकाई एक एवं इकाई तीन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. राम स्नेही राम एवं प्रो. रेशमा टोप्पो ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को याद करने के साथ-साथ छात्र-छात्राओं को एड्स जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य प्रो. कौशल ने सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश को एकता के सूत्र में बांधने और अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। उनके विचार और आदर्श आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं से एड्स के प्रति जागरूक रहने तथा समाज में जागरूकता फैलाने की अपील की। इस अवसर पर डॉ. अनिल कुमार टेटे, डॉ. काकोली गोराई, प्रो. रेशमा टोप्पो एवं डॉ. राम स्नेही राम ने भी अपने विचार रखे। वक्ताओं ने सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में आईसीटीसी सदर अस्पताल जामताड़ा के परामर्शी सुनील कुमार दुबे ने एड्स के कारणों, संक्रमण के तरीकों और बचाव के उपायों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सही जानकारी, जागरूकता और सावधानी के माध्यम से एचआईवी संक्रमण के प्रसार को रोका जा सकता है। साथ ही इस बीमारी से प्रभावित लोगों के प्रति भेदभाव नहीं करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान भाषण, पोस्टर मेकिंग एवं स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में सभी ने सरदार पटेल के आदर्शों पर चलने तथा एड्स के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। वही कार्यक्रम का संचालन डॉ. राम स्नेही राम ने किया। मौके पर विक्रम कुमार, मार्शल पूर्ति, सलोनी कुमारी, जोबा, मुस्कान, रजनी, तनीषा, रुचिका, मौसमी, विभा सहित बड़ी संख्या में एनएसएस स्वयंसेवक, शिक्षक एवं कॉलेज कर्मचारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में चुंबा के हिमांशु ने जीता गोल्ड मेडल, बढ़ाया रामगढ़ व झारखंड का मान

आशीष कुमार मुखर्जी/ रफ्तार मीडिया

मांडू / रामगढ़ः जिले के चुम्बा गांव निवासी होनहार पहलवान हिमांशु कुमार ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया है और झारखंड सहित पूरे रामगढ़ जिले का नाम रोशन किया है। हरियाणा के सोनीपत में आयोजित राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप के अंडर-17 (ओपन वर्ग) 52 किलोग्राम फ्री स्टाइल मुकाबले में हिमांशु ने हरियाणा के पहलवान को पराजित कर गोल्ड मेडल जीता।

◈ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने पर नजर

राष्ट्रीय स्तर पर इस ऐतिहासिक सफलता के बाद अब हिमांशु की नजर जूनियर रेसलिंग एशियन चैंपियनशिप के ट्रायल पर टिकी है। इस ट्रायल में सफल होने पर उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अलावा वे खेलो इंडिया में भी भाग लेने की तैयारी कर रहे हैं।

◈ पहले भी जीत चुके हैं कई पदक

ग्रेट यूनिवर्सल पब्लिक स्कूल, चुंबा में 10वीं कक्षा के छात्र हिमांशु इससे पहले झारखंड प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक तथा 'झारखंड खेलो' प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि स्कूल के शिक्षक बबलू सर से उन्होंने कुश्ती की शुरुआती बारीकियां सीखीं। वर्तमान में वे कुजू स्थित चैंपियंस डोजो में प्रशिक्षण ले रहे हैं। उनके पिता उमेश महतो कांट्रैक्टर हैं, जबकि मां गृहिणी हैं।

◈ गांव लौटने पर बधाई देने वालों का तांता, मुखिया ने किया सम्मानित

स्वर्ण पदक जीतकर गांव लौटने पर हिमांशु को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर बड़का चुम्बा के मुखिया राजू कुशवाहा ने हिमांशु के आवास पहुंचकर उन्हें शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुखिया राजू कुशवाहा ने कहा कि हिमांशु ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और प्रतिभा की बदौलत राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। उनकी यह सफलता गांव और जिले के लिए अत्यंत गर्व की बात है। हिमांशु की इस जीत ने साबित कर दिया है कि दृढ़ संकल्प और निरंतर अभ्यास के दम पर ग्रामीण क्षेत्रों के युवा भी राष्ट्रीय पटल पर अपनी पहचान बना सकते हैं। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र के युवाओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है।

माउंट कार्मेल विद्यालय में दो दिवसीय स्पोर्ट्स डे का आयोजन, रेड हाउस ने मारी बाजी

◈ खेल और शिक्षा जीवन के अभिन्न अंग : संदीप कुमार रे

◈ विद्यार्थियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए किया प्रेरित

एहसान राजा संवाददाता

ओरमांझी। माउंट कार्मेल विद्यालय में 2 और 3 नवंबर 2026 को दो दिवसीय स्पोर्ट्स डे का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा, अनुशासन और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों हाउस के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिसमें रेड हाउस ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड की ओर से वॉलीबॉल प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व कर चुके संदीप कुमार रे उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल और शिक्षा जीवन के अभिन्न अंग हैं। खेल से बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा के दम पर विद्यालय, राज्य एवं देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

स्पोर्ट्स डे के दौरान चारों हाउस के बीच विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर रेड हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिताओं के समापन पर विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर टेसीन और डायरेक्टर फादर दीपक ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि खेलकूद बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलकूद में भी सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में विनीत, सतेंद्र,कविता कुमारी, ज्योति कुमारी सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे। समारोह का समापन उत्साह, खेल भावना और पुरस्कार वितरण के साथ हुआ।

वैदिक साहित्य में पर्यावरण संरक्षण का संदेश, राम टहल चौधरी महाविद्यालय में कार्यशाला आयोजित

◈ प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन को भारतीय जीवनशैली का आधार बताया, छात्राओं ने भी रखे विचार

एहसान राजा संवाददाता

ओरमांझी। राम टहल चौधरी महाविद्यालय, ओरमांझी के संस्कृत विभाग के तत्वावधान में स्मार्ट हॉल में 'वैदिक साहित्य में पर्यावरण' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें उपस्थित वक्ताओं ने वैदिक संस्कृत साहित्य और पर्यावरण के बीच गहरे अन्योन्याश्रित संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति का संरक्षण और संवर्धन जीवन का आधार माना गया है। पर्यावरण के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन जीना भारतीय जीवनशैली की विशेषता रही है।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. भीम महतो, प्रो. शैलेन्द्र मिश्र, प्रो. रीता कुमारी, प्रो. रेणु चौधरी, प्रो. मीनू कुमारी एवं डॉ. अनुराधा कुमारी ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि वैदिक साहित्य में प्रकृति, जल, वायु, पृथ्वी और वनस्पतियों के संरक्षण को विशेष महत्व दिया गया है। वर्तमान समय में बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण और प्राकृतिक असंतुलन के बीच वैदिक विचारों की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। पर्यावरण संरक्षण केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवन और भविष्य की सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार है।

इस अवसर पर संस्कृत विभाग की छात्राओं लक्ष्मी छाया, सीमा वेदिया, प्रीति कुमारी और प्रिया कुमारी सहित अन्य छात्राओं ने भी विषय पर अपने विचार रखे। छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व और प्रकृति के प्रति मानवीय जिम्मेदारियों को रेखांकित किया। वहीं, छात्रा सीमा वेदिया द्वारा पर्यावरण विषय पर बनाई गई पेंटिंग आकर्षण का केंद्र रही, जिसकी उपस्थित लोगों ने खूब सराहना की।

कार्यशाला की अध्यक्षता संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. शशि मिश्रा ने की। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य में निहित पर्यावरण संरक्षण के संदेशों से अवगत कराया गया तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने का आह्वान किया गया।

लोक संवाद में 43 मामलों की सुनवाई

इंडिया टैलेंट फाइट की गोल्ड मेडल विजेता मन्नत पांडेय को उपायुक्त ने किया सम्मानित

◈ __प्राप्त आवेदनों के निष्पादन को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

रफ्तार ब्यूरो

बोकारो : आम नागरिकों की समस्याओं को सुनने और उनके त्वरित समाधान के उद्देश्य से मंगलवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित 'हम आपको सुनते हैं... लोक संवाद' कार्यक्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान कुल 43 मामलों पर सुनवाई की।

लोक संवाद के दौरान आमजनों ने अपनी व्यक्तिगत एवं सामुदायिक समस्याओं से संबंधित आवेदन उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत किए। उपायुक्त ने प्रत्येक आवेदक की बात गंभीरतापूर्वक सुनी और संबंधित मामलों की जानकारी लेते हुए उनके समाधान की दिशा में आवश्यक पहल की।

उन्होंने मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों की जांच कर नियमानुसार त्वरित एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं के निष्पादन में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए।

इसी क्रम में सोनी टीवी के चर्चित कार्यक्रम 'इंडिया टैलेंट फाइट' में गोल्ड मेडल हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले मन्नत पांडेय को उपायुक्त अजय नाथ झा ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्होंने मन्नत की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

आईआईटी-आईएसएम परिसर में ठेका मजदूर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

एक महीने पहले आया था काम करने

◈ धनबाद के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी-आईएसएम के कंस्ट्रक्शन परिसर में मिला 26 वर्षीय मजदूर का शव।

◈ सहकर्मियों के मुताबिक पारिवारिक विवाद और मानसिक तनाव के चलते उठाया खौफनाक कदम।

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया

धनबादः धनबाद के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी-आईएसएम परिसर में एक ठेका मजदूर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान बिहार के अररिया जिले के रहने वाले 26 वर्षीय नूर हसन के रूप में हुई है। वह महज एक महीना पहले ही अपने गांव से धनबाद मजदूरी करने आया था। उसका शव संस्थान के कंस्ट्रक्शन परिसर के दूसरे तल्ले पर फंदे से लटका हुआ मिला, जिससे परिसर में काम कर रहे अन्य मजदूरों के बीच हड़कंप मच गया और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

मृतक के साथी कर्मचारी मोहम्मद अजमल ने बताया कि नूर हसन प्लास्टर का काम करता था। पिछले कुछ दिनों से वह अपने पारिवारिक कलह के कारण भारी मानसिक तनाव में था। उसकी अपनी पत्नी के साथ पिछले तीन-चार महीने से अनबन चल रही थी और फोन पर भी अक्सर दोनों के बीच कहासुनी होती रहती थी। सहकर्मियों के अनुसार, घटना के दिन सुबह भी उसकी पत्नी से फोन पर लड़ाई हुई थी, जिसके बाद उसने यह खौफनाक कदम उठाया।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची। पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारकर अपने कब्जे में लिया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) भेज दिया।

दो दिनों से गायब युवक का शव कुएं में मिला

परिजन ने जताई हत्या की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

◈ धनबाद के भूली आजाद नगर स्थित अमन सोसायटी के कुएं से 22 वर्षीय रियाज अंसारी का शव बरामद।

◈ रविवार से था लापता, भाई ने हत्या कर शव कुएं में फेंके जाने की जताई आशंका।

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबादः धनबाद के भूली थाना क्षेत्र स्थित आजाद नगर की अमन सोसायटी में मंगलवार सुबह एक कुएं से 22 वर्षीय युवक का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान अमन सोसायटी गेट नंबर-1 निवासी रियाज अंसारी के रूप में हुई है। पिछले दो दिनों से लापता युवक का शव मिलने की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना पाकर मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त रियाज के रूप में की।घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने रियाज की हत्या कर शव को कुएं में फेंके जाने की आशंका जताई है। घटना की जानकारी मिलते ही भूली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक के भाई फैजल अंसारी ने बताया कि रियाज रविवार को किसी व्यक्ति से फोन पर बातचीत करते हुए घर से निकला था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने रिश्तेदारों और परिचितों के यहाँ उसकी काफी खोजबीन की, जब कोई सुराग नहीं मिला तो सोमवार को भूली थाना पहुँचकर उसकी गुमशुदगी की लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। फैजल ने आशंका जताई कि उनके भाई की हत्या कर साक्ष्य छिपाने की नीयत से शव को कुएं में फेंका गया है।

वहीं, स्थानीय निवासी दीपक महतो ने बताया कि कुएं में शव मिलने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह हत्या है, आत्महत्या है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है।

पुलिस जांच में जुटी

सूचना मिलते ही मौके पर पहुँची भूली पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों (हत्या या आत्महत्या) का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस हरसंभव पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहराई से छानबीन कर रही है।

वर्षों से रोक सूची में दर्ज तीन जमीनों को डीएम ने किया मुक्त, अब हो सकेगी खरीद-बिक्री

रफ्तार मीडिया/गयाजी प्रभात सिन्हा

गया जीः: गयाजी जिले में लंबे समय से जमीन की खरीद-बिक्री और निबंधन पर लगी रोक से परेशान लोगों को राहत देने की दिशा में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर ने मंगलवार को वर्षों से रोक सूची में दर्ज तीन जमीनों को जांच के बाद सूची से मुक्त करने का आदेश दिया। इन जमीनों पर वर्ष 2013 और 2023 से खरीद-बिक्री एवं निबंधन पर रोक लगी हुई थी। संबंधित जमीनों के खाता-खेसरा की जांच के बाद उन्हें रोक सूची से हटाया गया है।

जिला पदाधिकारी ने बताया कि पुराने समय से कई जमीनें विभिन्न कारणों से रोक सूची में दर्ज हैं। इनमें कुछ जमीनों के भू-अर्जन में शामिल होने, सरकारी जमीन होने अथवा न्यायालय में विवाद लंबित रहने की सूचना के आधार पर खरीद-बिक्री और निबंधन पर रोक लगाई गई थी। हालांकि, कई मामलों में जांच के दौरान यह पाया जाता है कि संबंधित जमीन वास्तव में रैयती है और उस पर किसी प्रकार का सरकारी या न्यायिक विवाद नहीं है। ऐसी जमीनों को नियमानुसार रोक सूची से मुक्त करने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि रोक सूची में दर्ज जमीनों की जांच के लिए जिला स्तर पर एक समिति गठित है। इस समिति में अपर समाहर्ता (राजस्व), जिला अवर निबंधन पदाधिकारी, संबंधित भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर) तथा संबंधित अंचल के अंचलाधिकारी शामिल हैं। समिति जमीन के खाता-खेसरा, स्वामित्व और उससे जुड़े विवादों की जांच करती है।

संपादकीय

बच्चों में बढ़ती हिंसक प्रवृत्तिः मोबाइल गेम्स की लत या सामाजिक माहौल का असर?

हरियाणा में पंचकूला के एक स्कूल में महज तीसरी कक्षा के छात्र का जैसा बर्ताव सामने आया है, वह भविष्य के समाज के प्रति चिंतित और संवेदनशील किसी भी इंसान को परेशान करने के लिए काफी है। जिस उम्र में बच्चे साथ मिल कर खेलते हैं, आपस में झगड़ते हैं और थोड़ी देर बाद फिर पहले की तरह हंसते-खिलखिलाते हैं, उसमें एक बच्चा अगर किसी छोटी बच्ची पर बेरहमी के साथ जानलेवा हमला करता है, तो इसकी जड़ें कहां से निकल रही हैं? यह त्रासद घटना हाल ही में सामने आई, जब एक वीडियो में खाली कक्षा में आठ साल के एक छात्र ने छह वर्ष की बच्ची को बेलगाम तरीके से पीटा और बेहोश होने के बाद भी किसी वस्तु से जानलेवा हमला करता रहा।

शर्मनाक यह है कि कई मिनट तक हुई यह घटना कक्षा में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हो रही थी, लेकिन इतनी देर तक न तो कक्षा में कोई आया और न ही नियंत्रण कक्ष में स्क्रीन पर कोई देखने वाला था। अनदेखी से लेकर लापरवाही की पूरी शृंखला बताती है कि यह घटना जहां स्कूल में एक व्यापक कुप्रबंधन की है, वहीं सामाजिक उदासीनता आज एक ऐसी स्थिति निर्मित कर रही है, जिसमें छोटे बच्चे एक बड़े खतरे से दो-चार हैं। घटना के सामने आने के बाद स्कूल की दो शिक्षिकाओं और प्रधानाध्यापक को निलंबित किया गया, मगर क्या इसकी जड़ों की ओर देखने की कोशिश की जाएगी? पंचकूला की घटना में जो बच्चा बेलगाम दिखा, उसके बारे में भी यही खबर आई है कि वह मोबाइल पर कोई आक्रामक और हिंसक गेम खेलने का आदी था।

स्मार्टफोन की लत ने लोगों के व्यक्तित्व को किस कदर विकृत करना शुरू कर दिया है, यह किसी से छिपा नहीं है। बच्चे इसका सबसे नाजुक शिकार बन रहे हैं। इस तरह के आभासी खतरे से अनजान माता-पिता प्यार के नाम पर बच्चों के इसके लत का शिकार होने की अनदेखी करते हैं।

नतीजतन, उसके सोचने-समझने से लेकर खुद को अभिव्यक्त करने का तरीका बेलगाम बिखराव से संचालित होने लगता है। इस तरह की घटनाएं अब आम होती जा रही हैं। सवाल है कि इस क्रम में जैसा समाज बन रहा है, बच्चों पर जैसा असर हो रहा है, उसमें भविष्य की कैसी दुनिया बन रही है!

इतिहास

क्या-क्या हुआ

- 1618: मुगल सम्राट औरंगजेब का जन्म – मुगल साम्राज्य के छठे शासक औरंगजेब का जन्म दाहोद (गुजरात) में हुआ था।
- 1933: अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन का जन्म – भारत रत्न और नोबेल पुरस्कार से सम्मानित विख्यात अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन का जन्म शांतिनिकेतन में हुआ था।
- 1947: मेजर सोमनाथ शर्मा की शहादत – भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान श्रीनगर हवाई अड्डे की रक्षा करते हुए मेजर सोमनाथ शर्मा वीरगति को प्राप्त हुए। वे मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च सैन्य सम्मान 'परमवीर चक्र' से सम्मानित होने वाले पहले व्यक्ति बने।
- 1948: संयुक्त राष्ट्र में नेहरू का पहला भाषण – स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने पेरिस में आयोजित संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) में अपना पहला ऐतिहासिक भाषण दिया था।
- 1962: गोल्ड बॉन्ड स्कीम की घोषणा – भारत-चीन युद्ध के दौरान देश की आर्थिक स्थिति को मजबूती देने के लिए भारत सरकार द्वारा पहली बार गोल्ड बॉन्ड स्कीम लाने की घोषणा की गई थी।
- 1984: सिख विरोधी दंगों में सेना का मोर्चा – पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद भड़के सिख विरोधी दंगों में स्थिति इतनी बेकाबू हो गई थी कि 3 नवंबर को हालात पर काबू पाने के लिए भारतीय सेना ने दिल्ली सहित देश के कई प्रभावित हिस्सों में मोर्चा संभाला था।
- 1493: क्रिस्टोफर कोलंबस द्वारा डोमिनिका की खोज – अपनी दूसरी समुद्री यात्रा के दौरान खोजी यात्री क्रिस्टोफर कोलंबस ने कैरेबियन सागर में स्थित डोमिनिका द्वीप को पहली बार देखा था।
- 1534: एक्ट ऑफ सुप्रेमेसी – ब्रिटिश संसद ने यह कानून पारित कर किंग हेनरी VIII (हेनरी आठवें) को 'चर्च ऑफ इंग्लैंड' का सर्वोच्च प्रमुख घोषित किया, जिससे इंग्लैंड का कैथोलिक चर्च से नाता टूट गया।
- 1783: कॉन्टिनेंटल आर्मी का विघटन – अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध की समाप्ति के बाद जॉर्ज वाशिंगटन ने औपचारिक रूप से कॉन्टिनेंटल आर्मी (अमेरिकी सेना) को भंग कर दिया।

कविता

सजग रहे तलवार॥

चाहे हो वह चीन या, हो वह पाकिस्तान।
अंधा अगर यकीन हो, ले लेता है जान॥
मीठे बोलों में छिपे, कितने गहरे घाव।
चेहरा पढ़ना सीखिए, समझो मन के भाव॥

सीमा पर विश्वास की, मत करना तकरार।
शांति रहे व्यवहार में, सजग रहे तलवार॥
दुश्मन की मुस्कान पर, मत करना विश्वास।
अवसरवादी सोच का, अलग- थलग इतिहास॥

जो कल तक था मित्रवर, आज बना अनजान।
स्वार्थ बदलते ही बदल, जाते हैं इंसान॥
कूटनीति के खेल में, रखना सदा विवेक।
हर समझौते में छिपा, होता कोई लेख॥

इतिहासों से सीख लो, मत दो भूल सुधार।
धोखे की हर चाल का, रखना सदा विचार॥
ताकत केवल शस्त्र में, ताकत में विज्ञान।
आत्मनिर्भरता से बने, भारत की पहचान॥

दुश्मन को पहचानना, पहली जीत समान।
सौरभ केवल शोर से, नहीं बने बलवान॥
संयम अपनी शक्ति है, साहस अपनी शान।
दोनों जिसके पास हैं, ऊँचा उसका मान॥

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

लोक मुद्दा

एक पटाखा कम फोड़ें, किसी के घर में खुशियों का दीप जलाएं

कल्पना कीजिए, किसी मजदूर के घर में इस बार पहली बार त्योहार से पहले राशन का पूरा सामान पहुंच जाए। किसी गरीब मां को अपने बच्चों के लिए नए कपड़े मिल जाएं। किसी ऐसे बच्चे को मिठाई और खिलौना मिल जाए, जो हर साल दूसरों के हाथों में उपहार देखकर ही संतोष कर लेता था। किसी अकेले बुजुर्ग के घर कोई व्यक्ति दीपक और मिठाई लेकर पहुंच जाए। इन छोटी-छोटी घटनाओं से किसी के जीवन की सारी परेशानियां समाप्त नहीं होंगी, लेकिन कुछ समय के लिए उसके चेहरे पर चिंता की जगह मुस्कान जरूर आ जाएगी। उसके मन में यह विश्वास भी पैदा होगा कि समाज में आज भी ऐसे लोग हैं, जिन्हें दूसरों की परवाह है। किसी के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए यह जरूरी नहीं कि हम बहुत अमीर हों। जरूरी यह है कि हमारे भीतर दूसरे के दुख को महसूस करने वाला मन हो। कई बार सीमित साधनों वाला व्यक्ति भी अपनी छोटी-सी बचत से किसी दूसरे के लिए बड़ी खुशी का कारण बन जाता है।

विजय शंकर द्विवेदी

जब बच्चे अपने हाथों से किसी दूसरे बच्चे को उपहार देंगे और उसके चेहरे पर खुशी देखेंगे, तब उन्हें जीवन का एक ऐसा पाठ मिलेगा, जो शायद किसी किताब में पूरी तरह नहीं समझाया जा सकता। यह संस्कार उन्हें भविष्य में संवेदनशील नागरिक बनाएगा। वे समझेंगे कि समाज में केवल अपने अधिकारों और सुविधाओं के बारे में सोचना पर्याप्त नहीं है, बल्कि दूसरों के प्रति हमारी कुछ जिम्मेदारियां भी हैं।

दीपावली केवल अपने घर को रोशन करने का त्योहार नहीं, बल्कि किसी दूसरे के जीवन से अंधेरा मिटाने का अवसर भी है। इस बार उत्सव के खर्च में थोड़ी सी कटौती कर किसी जरूरतमंद परिवार के चेहरे पर मुस्कान लाने का संकल्प लें।

दीपावली आते ही बाजारों में रौनक बढ़ने लगती है। दुकानों पर रंग-बिरंगी झालरें सज जाती हैं, मिठाइयों की खुशबू वातावरण में घुलने लगती है और घरों में साफ-सफाई से लेकर सजावट तक की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। बच्चे नए कपड़ों और पटाखों को लेकर उत्साहित रहते हैं, तो बड़े लोग घर की सजावट, खरीदारी और मेहमानों के स्वागत की योजनाएं बनाने लगते हैं। हर तरफ उत्साह, उमंग और उल्लास का वातावरण दिखाई देता है। आखिर दीपावली है ही ऐसा पर्व, जिसका इंतजार हर किसी को रहता है।

लेकिन इसी जगमगाहट के बीच एक सवाल मन में उठना चाहिए कि क्या दीपावली की सारी खुशियां केवल हमारे अपने घरों तक ही सीमित रहनी चाहिए? क्या हमारी खुशियों में उन लोगों की खुशियों के लिए भी कोई जगह है, जिनके घर में इस त्योहार पर मिठाई खरीदने के पैसे नहीं हैं? जिनके बच्चों के पास नए कपड़े नहीं हैं, जिनके घर में मिट्टी का एक दीपक जलाने के लिए तेल तक का इंतजाम मुश्किल से हो पाता है और जिनके परिवार त्योहार के दिन भी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने की चिंता में उलझे रहते हैं? शायद दीपावली का वास्तविक अर्थ समझने के लिए हमें इन सवालों पर थोड़ा ठहरकर विचार करना होगा।

एक पटाखा कम, किसी के लिए एक नई उम्मीदः इस बार दीपावली पर एक छोटा-सा संकल्प लिया जा सकता है। पटाखों पर होने वाले खर्च में थोड़ी कटौती करें और उस बची हुई राशि से किसी जरूरतमंद परिवार के लिए आवश्यक सामग्री खरीद दें। जरूरी नहीं कि इसके लिए बहुत बड़ी रकम खर्च की जाए। कोई व्यक्ति सौ रुपये बचाकर किसी बच्चे को कॉपी-किताबें दिला सकता है, कोई पांच सौ रुपये की खाद्य सामग्री किसी गरीब परिवार तक पहुंचा सकता है और कोई अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी परिवार के लिए कपड़े, मिठाई, तेल, आटा, दाल और अन्य जरूरी सामान की व्यवस्था कर सकता है।

सोचिए, जिस पैसे से हम कुछ मिनटों तक आसमान में रोशनी बिखेरने वाले पटाखे खरीदते हैं, उसी पैसे से किसी के घर में कई दिनों तक चूल्हा जल सकता है। जिस रकम से कुछ देर के लिए तेज आवाज और चमक पैदा होती है, उसी रकम

से किसी बच्चे के चेहरे पर ऐसी मुस्कान आ सकती है, जिसकी चमक लंबे समय तक बनी रहेगी। पटाखे जलाने से मिलने वाला आनंद क्षणिक होता है। कुछ पल बाद उनका अस्तित्व राख में बदल जाता है, लेकिन किसी जरूरतमंद की सहायता से मिलने वाली संतुष्टि मन में लंबे समय तक बनी रहती है। यह वह खुशी है, जिसे न बाजार से खरीदा जा सकता है और न ही किसी महंगे उपहार से पाया जा सकता है।

हर घर में दीप जले, यही हो दीपावली का संकल्पः हमारे समाज में आज भी ऐसे अनेक परिवार हैं, जिनके लिए त्योहार का अर्थ नई खरीदारी नहीं, बल्कि रोज की जरूरतों को किसी तरह पूरा करना है। किसी घर में पिता की मजदूरी बंद है, कहीं मां दूसरों के घरों में काम करके बच्चों का पेट पाल रही है, कहीं बुजुर्ग दवाइयों के खर्च से परेशान हैं और कहीं छोटे बच्चे दूसरों को नए कपड़ों में देखकर मन ही मन अपनी इच्छाओं को दबा लेते हैं। ऐसे परिवारों के लिए दीपावली की खुशियां भी कई बार एक सपना बनकर रह जाती हैं। वे भी चाहते हैं कि उनके घर में मिठाई आए, बच्चे नए कपड़े पहनें, आंगन में रंगोली बने और घर के दरवाजे पर दीपक जले। लेकिन आर्थिक परिस्थितियां उनकी इच्छाओं के सामने दीवार बनकर खड़ी हो जाती हैं।

ऐसे में समाज के थोड़े से संवेदनशील लोग भी यदि आगे आ जाएं तो बहुत कुछ बदल सकता है। किसी एक परिवार को राशन उपलब्ध कराना, किसी बच्चे को कपड़े दिलाना या किसी बुजुर्ग की दवाइयों का इंतजाम करना छोटी बात लग सकती है, लेकिन जिस व्यक्ति को इसकी जरूरत है, उसके लिए यह बहुत बड़ी सहायता होती है।

हम अपने घरों में सैकड़ों रुपये की सजावट करते हैं। कई हजार रुपये के कपड़े और मिठाइयां खरीदते हैं। उत्सव के नाम पर अनावश्यक खर्च भी करते हैं। इसमें कोई बुराई नहीं कि हम त्योहार मनाएं और अपने परिवार के साथ खुशियां बांटें। लेकिन यदि इसी खर्च में से थोड़ा-सा हिस्सा किसी जरूरतमंद के लिए निकाल सकें तो हमारी दीपावली का आनंद और भी बढ़ सकता है।

दान ऐसा हो, जिससे किसी का आत्मसम्मान भी बना रहेः किसी की सहायता करना केवल सामग्री बांट देना नहीं है। सहायता करने का तरीका भी उतना ही महत्वपूर्ण है। किसी जरूरतमंद की आर्थिक स्थिति को सार्वजनिक करना, उसकी तस्वीर खींचकर प्रचार करना या उसे दूसरों के सामने असहाय साबित करना मानवीय संवेदना के अनुरूप नहीं है। मदद इस तरह होनी चाहिए कि सामने वाले व्यक्ति को यह महसूस न हो कि वह किसी से कम है। उसे सम्मान के साथ जरूरी सामग्री दी जाए। यदि संभव हो तो बिना किसी दिखावे और शोर-शराबे के सहायता पहुंचाई जाए। किसी परिवार को राशन देते समय यह ध्यान रखा जाए कि उसकी वास्तविक जरूरत क्या है। किसी बच्चे को कपड़े देते समय उसकी पसंद और उम्र का ख्याल रखा जाए। किसी बुजुर्ग की मदद करते समय उसकी गरिमा और भावनाओं का सम्मान किया जाए। क्योंकि दान का वास्तविक मूल्य उसकी कीमत से नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपी भावना से तय होता है।

बच्चों को भी सिखाएं खुशियां बांटने का संस्कारः दीपावली केवल पूजा-पाठ और रोशनी का पर्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने का भी अवसर है। इस दिन माता-पिता अपने बच्चों को यह समझा सकते हैं कि खुशियां केवल चीजें खरीदने और पटाखे जलाने से नहीं मिलतीं, बल्कि किसी दूसरे को खुश देखकर भी मिलती हैं। बच्चों के साथ बैठकर घर में एक छोटा-सा निर्णय लिया जा सकता है कि इस बार पटाखों पर होने वाले खर्च का कुछ हिस्सा किसी जरूरतमंद बच्चे की दीपावली के लिए रखा जाएगा। बच्चे अपनी पसंद के पटाखों में से कुछ कम खरीदने पर सहमत हों और उसी पैसे से किसी गरीब बच्चे के लिए कपड़े, मिठाई, खिलौने या पढ़ाई की सामग्री खरीदें।

आज यदि हम बच्चों को दूसरों के दुख में साथ खड़े होने की सीख देंगे, तो कल वे एक बेहतर और अधिक संवेदनशील समाज के निर्माण में योगदान देंगे। दीपावली का प्रकाश केवल मिट्टी के दीपकों और जगमगाती झालरों से नहीं फैलता। यह प्रकाश तब भी फैलता है, जब कोई व्यक्ति किसी अनजान के दुख को अपना समझता है। जब कोई अपने खर्च में कटौती करके दूसरे की जरूरत पूरी करता है। जब कोई बिना किसी अपेक्षा के किसी के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करता है।

लोक विचार

मुट्ठी भर अमीरों की कीमत चुका रही हैं पूरी दुनिया

ललित गर्ग

भारत की सांस्कृतिक चेतना में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'अपरिग्रह' जैसे जीवन-मूल्य सदियों से प्रतिष्ठित रहे हैं। जैन दर्शन का अपरिग्रह भी यही सिखाता है कि आवश्यकता से अधिक संग्रह अंततः समाज में असंतुलन पैदा करता है। अंततः ऑक्सफैम की 'डिजास्टर डिवाइड' रिपोर्ट दुनिया के सामने एक बुनियादी नैतिक प्रश्न खड़ा करती है-क्या विकास का अर्थ कुछ लोगों की असीमित समृद्धि और बहुसंख्यक मानवता की बढ़ती विवशता है?

दुनिया आज एक ऐसे विरोधाभास के दौर से गुजर रही है, जहां एक ओर विकास, समृद्धि और आधुनिकता के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गरीबी, भुखमरी, हिंसा, विस्थापन और पर्यावरणीय विनाश की चुनौतियां लगातार विकराल होती जा रही हैं। प्रश्न यह है कि जब दुनिया के पास पर्याप्त संसाधन हैं, विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व प्रगति की है, तब भी करोड़ों लोग जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष क्यों कर रहे हैं? अंतरराष्ट्रीय संस्था ऑक्सफैम की रिपोर्ट 'डिजास्टर डिवाइड' इसी प्रश्न का एक असहज, किंतु विचारोत्तेजक उत्तर प्रस्तुत करती है। यह रिपोर्ट बताती है कि जलवायु संकट केवल प्रकृति की नाराजगी नहीं, बल्कि आर्थिक असमानता, अनियंत्रित उपभोग और संसाधनों पर मुट्ठी भर लोगों के बढ़ते नियंत्रण का परिणाम भी है। दुनिया की लगभग 80 लाख आबादी वाले सबसे धनी 0.1 प्रतिशत वर्ग की जीवनशैली और निवेश से होने वाला कार्बन उत्सर्जन करोड़ों नहीं, अरबों लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह वर्ग दुनिया के सबसे गरीब 44 प्रतिशत लोगों की तुलना में अधिक कार्बन प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। यह असमानता केवल आंकड़ों का अंतर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनहीनता का ऐसा दस्तावेज है, जिसमें कुछ लोगों की विलासिता की कीमत पूरी मानवता चुका रही है। निजी विमान, विशाल नौकाएं, अत्यधिक ऊर्जा खपत और प्रदूषणकारी उद्योगों में निवेश आधुनिक अमीरी के प्रतीक बन गए हैं, जबकि दूसरी ओर गरीब आबादी स्वच्छ हवा, सुरक्षित पानी और दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रही है। सवाल यह नहीं कि किसी व्यक्ति के पास कितनी संपत्ति है, बल्कि यह है कि उसकी संपन्नता का सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्य कौन चुका रहा है।

इस संकट का सबसे भयावह पक्ष यह है कि जलवायु आपदाएं भी अमीर और गरीब के बीच भेदभाव करने लगी हैं। बाढ़ एक ही समय में अमीर की आलीशान कोठी और गरीब

की झोपड़ी तक पहुंचती है, लेकिन दोनों के परिणाम अलग होते हैं। अमीर सुरक्षित स्थानों पर चले जाते हैं, बीमा और आधुनिक सुविधाओं से नुकसान की भरपाई कर लेते हैं, जबकि गरीब अपना घर, खेत, पशुधन और आजीविका गंवाकर वर्षों पीछे चला जाता है। ऑक्सफैम के अनुसार, अधिक आर्थिक असमानता वाले देशों में बाढ़ से होने वाली मौतें सात गुना तक अधिक होती हैं। इतना ही नहीं, रिपोर्ट बताती है कि दुनिया के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों का उत्सर्जन भविष्य में लगभग 19 लाख अतिरिक्त गर्मी-संबंधी मौतों का कारण बन सकता है। इनमें 78 प्रतिशत मौतें निम्न एवं निम्न-मध्यम आय वाले देशों में होने का अनुमान है। आर्थिक असमानता का यह अंतर केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है। जब समाज में संसाधनों, अवसरों और अधिकारों का वितरण अन्यायपूर्ण हो जाता है, तब असंतोष जन्म लेता है। बेरोजगारी, महंगाई, खाद्य संकट, जल संकट और विस्थापन सामाजिक तनाव को बढ़ाते हैं। धीरे-धीरे यही तनाव आक्रोश, विद्रोह, अपराध, सामुदायिक संघर्ष और हिंसा का रूप ले सकता है। यह कहना उचित नहीं होगा कि प्रत्येक हिंसा के पीछे केवल अमीरी-गरीबी का अंतर है, लेकिन जब विकास का लाभ सीमित हाथों में सिमटता है और संकट का बोझ बहुसंख्यक आबादी पर पड़ता है, तब सामाजिक शांति की नींव कमजोर होना स्वाभाविक है।

विडंबना यह है कि कुछ बड़े निवेशक पहले प्रदूषणकारी उद्योगों से मुनाफा कमाते हैं और फिर उन्हीं आपदाओं से निपटने, सफाई तथा पुनर्निर्माण के कारोबार में लाभ अर्जित करते हैं। ऑक्सफैम का 'डिस्ट्रॉय एंड रीबिल्ड इंडेक्स' 217 कंपनियों के माध्यम से इसी दोहरे मुनाफे की पड़ताल करता है। यह सचमुच ऐसी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न है, जहां किसी के लिए आपदा भी अवसर बन जाती है और किसी के लिए जीवनभर का अभिशाप।

भारत के संदर्भ में यह चेतावनी और भी गंभीर है। भारत की विशाल आबादी का बड़ा हिस्सा कृषि, निर्माण, छोटे व्यवसायों और असंगठित क्षेत्र पर निर्भर है। किसान अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और तापमान वृद्धि से जूझ रहा है। मजदूर भीषण गर्मी में काम करने को विवश है और महानगरों की झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले परिवार जलभराव तथा गर्मी की दोहरी मार झेल रहे हैं। विश्व बैंक के अनुसार, भारत की 80 प्रतिशत से अधिक आबादी ऐसे जिलों में रहती है जो जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न आपदाओं के जोखिम में हैं। वहीं, देश के 57 प्रतिशत जिलों में रहने वाली लगभग 76 प्रतिशत आबादी अत्यधिक गर्मी के उच्च या बहुत उच्च जोखिम का सामना कर रही है। भारत के लिए चुनौती केवल आर्थिक विकास की गति बढ़ाना नहीं, बल्कि विकास को न्यायपूर्ण, समावेशी और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। विकसित भारत 2047 का स्वप्न तभी सार्थक होगा, जब विकास की चमक अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन तक पहुंचे। यदि एक ओर महानगरों में विलासिता और उपभोग के नए कीर्तिमान बनें और दूसरी ओर गांवों में किसान पानी, बिजली और आजीविका के लिए संघर्ष करता रहे, तो विकास की तस्वीर अधूरी ही रहेगी। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत को दुनिया के सामने यह उदाहरण प्रस्तुत करना होगा कि आर्थिक समृद्धि और प्रकृति के संरक्षण के बीच संतुलन संभव है। इसके लिए कुछ बुनियादी प्राथमिकताएं आवश्यक हैं।

जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर खास सुरंग: न भूस्खलन की फिक्र, ना बर्फबारी की टेंशन...

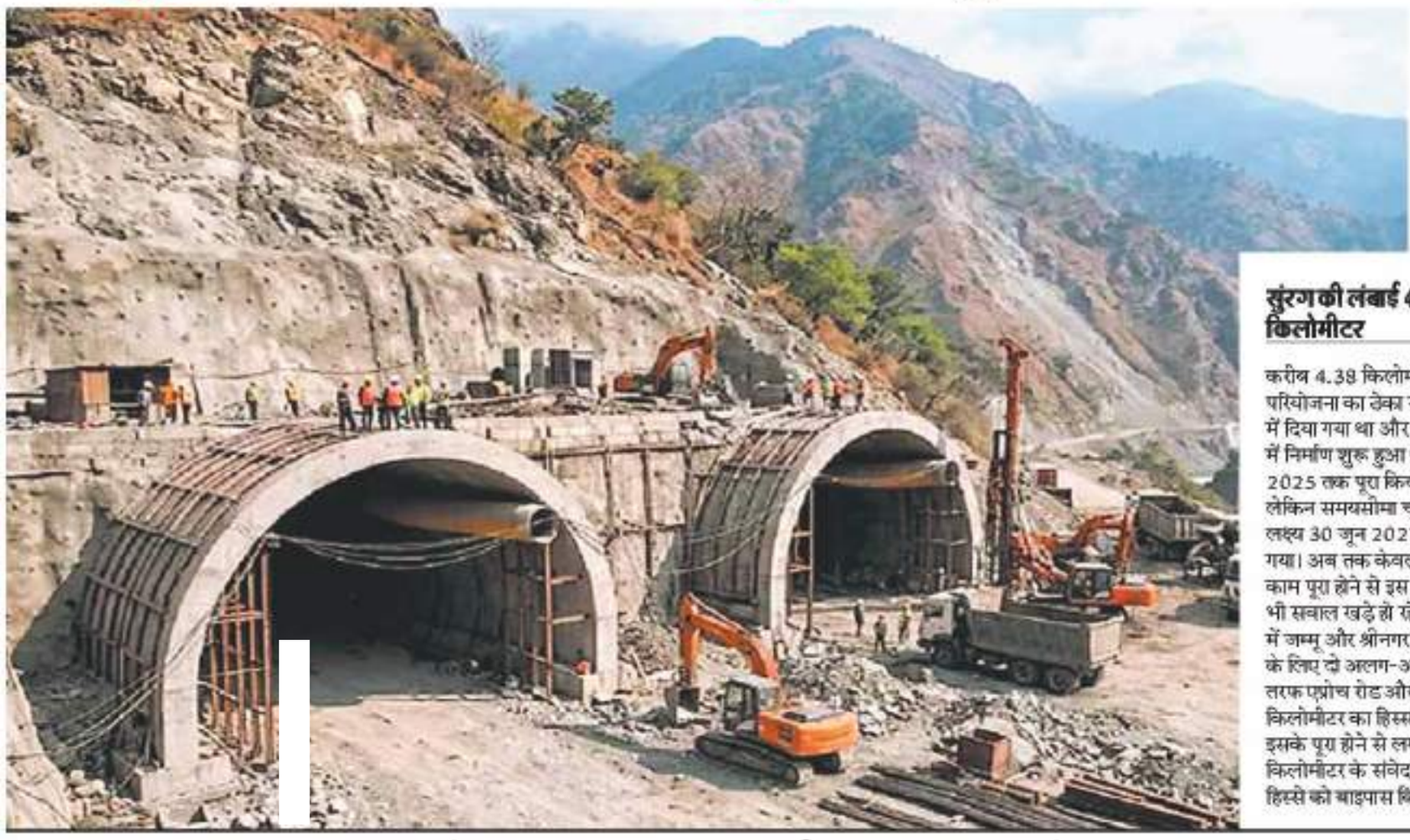

श्रीनगर। एजेंसी

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर सफर करने वाले वाहन चालकों को भूस्खलन और पहाड़ों से गिरने वाले पत्थरों के खतरे से राहत मिलेगी। हालांकि, इसमें थोड़ा समय लगेगा। रामबन-बनिहाल मार्ग के सबसे संवेदनशील हिस्सों को सुरक्षित बनाने के लिए बनाई जा रही डिग्डोल-मरोग ट्विन ट्यूब टनल का निर्माण चार साल से अधिक समय बीतने के बावजूद महज 36 प्रतिशत पूरा हुआ है। मौजूदा रफ्तार जारी रही तो खैटरी चश्मा मोड़, मंकी मोड़ और अनोखीफॉल जैसे खतरनाक स्थानों से पूरी राहत के लिए वर्ष 2030 तक इंतजार करना पड़ सकता है।

सुरंग की लंबाई 4.38 किलोमीटर

करीब 4.38 किलोमीटर लंबी इस परियोजना का ठेका नवंबर 2021 में दिया गया था और अगस्त 2022 में निर्माण शुरू हुआ था। इसे अगस्त 2025 तक पूरा किया जाना था, लेकिन समयसीमा चूकने के बाद लक्ष्य 30 जून 2027 कर दिया गया। अब तक केवल 36 प्रतिशत काम पूरा होने से इस समयसीमा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। परियोजना में जम्मू और श्रीनगर की ओर जाने के लिए दो अलग-अलग ट्यूब, दोनों तरफ एप्रोच रोड और अतिरिक्त 0.6 किलोमीटर का हिस्सा शामिल है। इसके पूरा होने से लगभग पांच किलोमीटर के संवेदनशील हाईवे हिस्से को बाइपास किया जा सकेगा।

2028 तक रखा गया लक्ष्य

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के परियोजना निदेशक शुभम यादव ने बताया कि जम्मू की ओर जाने वाली टनल को दिसंबर 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि दोनों ट्यूब का निर्माण 2029 के अंत तक पूरा करने की योजना है। हालांकि, परियोजना से जुड़े अधिकारियों का मानना है कि काम की मौजूदा गति रही तो समयसीमा 2030 तक खिसक सकती है। रामबन-बनिहाल मार्ग पर वर्ष 2015 में फोरलेन निर्माण शुरू हुआ था। शुरुआती चरण में बड़े पैमाने पर पहाड़ों की कटाई की गई, जिससे ढलान कमजोर हुए और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ीं। अधिकारियों ने जमीन की बनावट और पर्यावरण की जांच में कमियों और ढलानों को स्थिर करने के अपर्याप्त इंतजामों को भी समस्या की वजह बताया। इसी कारण कई स्थानों पर सड़क की प्रस्तावित दिशा बदलकर सुरंगों और पुलों के माध्यम से सुरक्षित रास्ता तैयार करने का फैसला हुआ। परियोजना की धीमी रफ्तार के पीछे कठिन जमीन की बनावट, ठेकेदार की सुस्ती, मशीनरी और श्रमिकों की तैनाती में देरी, स्थानीय बाधाएं तथा बेमौसम बारिश जैसे कारण भी गिनाए गए हैं।

न्यूज ट्रेक

जम्मू और कश्मीर में भूकंप: 3.1 तीव्रता से किश्तवाड़ में हिली धरती

जम्मू। जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में 3.1 तीव्रता का हल्का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार रात 11:56 बजे यह भूकंप महसूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप सोमवार रात 11:56 बजे आया था। इसकी गहराई पांच किलोमीटर दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र किश्तवाड़ जिले में स्थित था। यह अक्षांश 33.292 डिग्री उत्तर और देशांतर 75.892 डिग्री पूर्व पर था। केंद्र शासित प्रदेश में जान-माल के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। रिपोर्ट दाखिल होने तक किसी भी संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं थी। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के झटके हल्के थे। पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

पीआरटीसी बस चालक ने रांग साइड से बाइक सवार को कुचला

बठिंडा। बठिंडा-मलोट रोड पर बल्लुआणा टोल प्लाजा के पास सोमवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार किशोर की जान चली गई। आरोप है कि एक सरकारी पीआरटीसी बस का चालक गलत दिशा में बस चला रहा था। इसी दौरान बस ने सामने से आ रहे मोटरसाइकिल सवार किशोर को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव करमगढ़ सत्तरा निवासी सुखमनदीप सिंह पुत्र राम कृष्ण के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सुखमनदीप सिंह बल्लुआणा में ट्यूशन पढ़ने गया हुआ था। वह ट्यूशन से छुट्टी होने के बाद मोटरसाइकिल पर अपने गांव करमगढ़ सत्तरा लौट रहा था। इसी दौरान बल्लुआणा टोल प्लाजा के नजदीक गलत दिशा से आ रही पीआरटीसी बस ने उसके मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में सुखमनदीप की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद बस चालक मौके पर रुकने के बजाय बस लेकर फरार हो गया।

अंबाला कैंट में आधी रात हंगामा मंदिर के महंत से की बदसलूकी

अंबाला। अंबाला छावनी में सोमवार देर रात उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब प्रसिद्ध हाथी खाना मंदिर के महंत के साथ कथित अभद्रता के विरोध में कई शिव भक्त और स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए। आक्रोशित लोगों ने डॉग लवर वंशिका लाम्बा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और हाउसिंग बोर्ड पुलिस चौकी का घेराव किया। प्रदर्शन का यह सिलसिला देर रात करीब एक बजे तक बदस्तूर जारी रहा, जिसमें स्थानीय संतों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले हाथी खाना मंदिर परिसर में मौजूद लावारिस कुत्ते के पिल्लों को मंदिर प्रबंधन द्वारा किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर भिजवा दिया गया था। श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों का आरोप है कि इसी बात से खफा होकर तथाकथित डॉग लवर वंशिका लाम्बा ने मंदिर के महंत के साथ तीखी बहस की और उनके साथ घोर अभद्रता की। धार्मिक स्थल के प्रमुख के साथ हुए इस दुर्व्यवहार की खबर फैलते ही श्रद्धालुओं में गहरा रोष फैल गया।

सीएम हाउस-फिर एसपी आवास पर आईपीएस की पत्नी का धरना

बोलीं- किस कानून के तहत बेटी से मिलने नहीं दिया जा रहा; जानिए खगड़िया एसपी की लव स्टोरी

पटना। खगड़िया एसपी भानु प्रताप सिंह और उनकी पत्नी पूजा सिंह के बीच चल रहा पारिवारिक विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। 3 दिन में दूसरी बार वो धरने पर बैठी हैं। अपनी 6 साल की बेटी से मिलने और पति के साथ दोबारा रहने की मांग को लेकर पूजा सिंह अब खगड़िया में एसपी आवास के बाहर धरने पर बैठ गई हैं। उन्होंने पूछा, आखिर किस कानून के तहत उन्हें उनकी बेटी से मिलने से रोका जा रहा है।

इससे पहले एसपी की पत्नी ने 1 नवंबर में पटना में मुख्यमंत्री आवास के बाहर धरना दिया था। पूजा सीएम हाउस से लेकर बिहार पुलिस मुख्यालय और महिला आयोग तक अपनी शिकायत लेकर पहुंच चुकी हैं। पूजा सिंह का आरोप है कि उनके पति उन्हें बेटी से दूर रख रहे हैं।

वह पति से तलाक नहीं चाहतीं, बल्कि उनके साथ दोबारा परिवार बसाना चाहती हैं। इस पूरे मामले में अब तक कई प्रशासनिक स्तर पर बातचीत और हस्तक्षेप हो चुके हैं, लेकिन विवाद का समाधान नहीं निकल पाया है।

जो पत्नी की इज्जत नहीं कर सकता,

ड्यूटी कैसे करेगा

खगड़िया में पत्रकार से बात करते हुए ढुक्क की पत्नी ने कगा, %ये लोग गेट नहीं खोल रहे हैं। ये कौन सा कानून है, जो अपनी बच्ची से और अपने पति से मिलने के लिए मुझे रोक सकता है? मुझे मेरी बच्ची से मिलने के लिए रोका जा रहा है?

दो महीने होने को आए है, मेरी बच्ची से नहीं मिलने दिया जा रहा है। मुझे खगड़िया आवास में नहीं घुसने दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री आवास के बाहर धरने पर बैठीं थीं

न्याय और बेटी से मिलाने की मांग को लेकर पूजा सिंह 1 नवंबर को पटना में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सरकारी आवास के बाहर धरने पर बैठ गई थीं। उन्होंने मुख्यमंत्री को भैया% कहकर भावुक अपील करते हुए कहा था कि उन्हें उनकी 6 साल की बेटी से मिलवाया जाए।

धरने की जानकारी मिलने के बाद पटना पुलिस की महिला टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने उन्हें समझाकर सदर एसडीएम कार्यालय पहुंचाया। यहां करीब दो घंटे तक अधिकारियों के साथ बातचीत हुई। इस दौरान पूजा सिंह को आश्वासन दिया गया था कि खगड़िया एसपी को पटना बुलाया जाएगा। डीजीपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच आमने-सामने बातचीत कराई जाएगी।

नेकां से नाता तोड़ेंगे रुहुल्ला उमर सरकार की मुश्किलें बढ़ी

बडगाम। एजेंसी

जम्मू-कश्मीर की सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) में अंदरूनी कलह लगातार गहराती जा रही है। पार्टी के भीतर बढ़ते असंतोष के बीच सांसद आगा रुहुल्ला मेहदी मंगलवार को अपने इस्तीफे के फैसले पर अडिग हैं। वहीं, वरिष्ठ नेता मुबारक गुल बुधवार को अपने अगले कदम का खुलासा कर सकते हैं। पार्टी के 25 विधायकों की नाराजगी और अलग रास्ता अपनाने की चेतावनी ने नेकां नेतृत्व की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

श्रीनगर से लोकसभा सांसद आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और अपनी संसदीय सदस्यता से इस्तीफा देने जा रहे हैं। उनके इस फैसले से पहले बडगाम के बेहिस्त-ए-जहरा पार्क में तैयारियां तेज हो गई हैं। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और समर्थक वहां जुटने लगे हैं। रुहुल्ला अपने दिवंगत पिता आगा सैयद मेहदी की बरसी के मौके पर जनसभा को संबोधित करेंगे और अपने फैसले को सार्वजनिक रूप से अमल में लाएंगे।

रुहुल्ला ने पार्टी नेतृत्व पर चुनाव के दौरान जनता से किए गए वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने चुनाव में अनुच्छेद 370 की बहाली, कुछ कैदियों की रिहाई और लोगों के अधिकारों की सुरक्षा जैसे वादे किए थे लेकिन सत्ता में आने के बाद इन पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनका इस्तीफा किसी व्यक्तिगत नाराजगी या पद नहीं मिलने के कारण नहीं, बल्कि सिद्धांतों और जनता के प्रति जवाबदेही के आधार पर है। रुहुल्ला ने राजनीतिक खरीद-फरोख्त की अटकलों को भी खारिज किया है। उन्होंने कहा कि उनका किसी तरह की हॉर्स ट्रेडिंग से कोई लेना-देना नहीं है।

पति का नाम होने पर भी जाति प्रमाणपत्र मान्य- पटना हाईकोर्ट

पटना। विवाहित महिला अभ्यर्थियों के आरक्षण से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में पटना हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जाति प्रमाणपत्र में पिता की जगह पति का नाम दर्ज होने से प्रमाणपत्र अमान्य नहीं हो जाता। अदालत ने कहा कि जाति का निर्धारण जन्म के आधार पर होता है और प्रमाणपत्र केवल इसकी पुष्टि करने वाला दस्तावेज है। न्यायालय ने बिहार लोक सेवा आयोग की अपील खारिज करते हुए अजा महिला वर्ग की अभ्यर्थी डॉ. सुषमा शरण को सहायक प्राध्यापक पद पर नियुक्त करने का निर्देश दिया है। न्यायाधीश मोहित कुमार शाह और न्यायाधीश सौरेंद्र पांडेय की खंडपीठ ने एकलपीठ के पूर्व फैसले को सही ठहराते हुए बिहार लोक सेवा आयोग की अपील खारिज कर दी। अदालत ने आयोग को निर्देश दिया कि वह डॉ. सुषमा शरण को अनुसूचित जाति आरक्षण के आधार पर सहायक प्राध्यापक पद पर तत्काल नियुक्ति प्रदान करे। खंडपीठ ने कहा कि जब भर्ती के मूल विज्ञापन में जाति प्रमाणपत्र पर पिता का नाम दर्ज होना अनिवार्य नहीं किया गया था।

जन्मदिन की रात युवती ने बुलाया, पथराव के बाद युवक पर चलाई गोलियां

लुधियाना। लुधियाना के व्यस्तम इलाकों में से एक शिंगार सिनेमा रोड पर जन्मदिन की खुशियां उस वक्त दहशत में बदल गईं, जब हरचरन नगर में एक युवक की थार गाड़ी पर युवकों ने धावा बोल दिया। फोन कर मौके पर बुलाए गए पीड़ित को 25 से 30 युवकों की भीड़ ने चारों तरफ से घेर लिया। हमलावरों ने पहले गाड़ी पर ईंट-पत्थरों की बरसात कर दी और उसके बाद 15 से 20 राउंड अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। गनीमत यह रही कि कोई गोली युवक के शरीर पर नहीं लगी। पंक्चर टायरों के बावजूद युवक गाड़ी दौड़ाकर अपनी जान बचाने में कामयाब रहा।

बिहार में डीपीओ के चार ठिकानों पर छापेमारी आय से 80% अधिक संपत्ति की संभावना

किशनगंज। एजेंसी

बिहार के किशनगंज में आर्थिक अपराध इकाई (श्रह) ने शिक्षा विभाग की जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (छक्ह) रूबी कुमारी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में कार्रवाई शुरू की है। मंगलवार सुबह श्रह की विशेष टीमों ने किशनगंज और कटिहार में उनके चार ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इनमें किशनगंज स्थित किराए का मकान और शिक्षा विभाग के कार्यालय में उनका चेंबर भी शामिल है। प्रारंभिक जांच में रूबी कुमारी के पास घोषित और वैध आय से करीब 80 प्रतिशत अधिक संपत्ति होने की बात सामने आने के बाद यह कार्रवाई की जा रही है। विशेष न्यायालय से सर्च वारंट मिलने के बाद आर्थिक अपराध इकाई की टीमों ने मंगलवार सुबह छापेमारी शुरू की। किशनगंज में एक टीम रूबी कुमारी के किराए के मकान पर पहुंची, जबकि दूसरी टीम समग्र शिक्षा अभियान के कार्यालय स्थित उनके चेंबर में तलाशी ले रही है। स्थानीय पुलिस बल की मौजूदगी में दोनों स्थानों को सुरक्षा घेरे में लिया गया है।

रोक छत्तीसगढ़ के महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी एप केस के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को रायपुर लाया जाएगा

सीबीआई को 'मास्टर माइंड' की ट्रांजिट रिमांड की मिली अनुमति

रायपुर। एजेंसी

छत्तीसगढ़ के महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी एप केस के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर के दो दिन के ट्रांजिट रिमांड की सीबीआई को मंजूरी मिल गई है। सीबीआई आज मंगलवार को सौरभ चंद्राकर को रायपुर लायेगी। दोपहर या शाम तक उसे रायपुर के स्पेशल कोर्ट में पेश करेगी, जहां से सौरभ को रिमांड पर लेने की मांग कर सकती है। इसके बाद सीबीआई आरोपी से महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में पूछताछ कर कई अहम खुलासे कर सकती है। पूर्ववर्ती कांग्रेस की भूपेश सरकार में पांच साल तक राज्य में सीबीआई के बैन के बाद दिसंबर 2023 में सूबे में सत्ता बदलने के बाद बीजेपी सरकार ने राज्य में पांच से लगे बैन को हटा दिया था। पांच साल बाद छत्तीसगढ़ में सीबीआई ने दस्तक दी। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की सीजीपीएससी 2021 की भर्ती में हुई अनियमितता और बिरनपुर हिंसा मामले के बाद महादेव एप घोटाले के जांच की कमान संभाली। सीबीआई ने महादेव बेटिंग एप ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में फरार मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर की फाइल खोली और जांच शुरू की।

भूपेश सरकार में शुरू हुई थी जांच

अक्टूबर 2022 में कांग्रेस की भूपेश सरकार के दौरान ईडी ने महादेव सट्टा एप मामले की जांच शुरू की थी। दुर्ग, रायपुर और बिलासपुर में पुलिस ने पहली बार एफआईआर दर्ज की थी। इन्हीं केस के आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज कर जांच की फाइल को आगे बढ़ाया था।

कौन है आरोपी सौरभ चंद्राकर?

सौरभ चंद्राकर छत्तीसगढ़ के भिलाई का रहने वाला है। वह पहले भिलाई में जूस फैक्ट्री नाम से एक दुकान चलाता था। उसके पिता नगर निगम में पंप ऑपरेटर थे। सौरभ की एक जूस की दुकान थी। इससे पहले वह कपड़े की दुकान में काम करता था। साल 2017 में उसने ऑनलाइन सट्टे का कारोबार शुरू किया। इसके बाद 2019 में वह दुबई चला गया और वहां से इस कारोबार को तेजी से बढ़ाया। अपने दोस्त रवि उप्पल को भी बुलाया। इसके बाद उसने महादेव ऐप लांच किया और देशभर में क्रिकेट, फुटबॉल और ताश के खेलों पर ऑनलाइन सट्टे का जाल बिछाया। सीबीआई के अनुसार, यह देश का सबसे बड़ा अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी नेटवर्क था, जो विदेश से चल रहा था। उस पर साल 2021 के आईपीएल के दौरान 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का सट्टा चलाने का आरोप है। जांच एजेंसियों के अनुसार, इसी कारोबार से उसने करोड़ों रुपये की संपत्ति बनाई। वहीं, ईडी ने इस मामले में अब तक 4,336 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। सौरभ चंद्राकर साल 2019 से फरार था और उस पर करीब 5,000 करोड़ रुपये के ऑनलाइन बेटिंग नेटवर्क से जुड़े आरोप हैं। सौरभ ने रवि उप्पल के साथ मिलकर महादेव बेटिंग ऐप शुरू किया।

अमेरिका के मध्यावधि चुनावों में भारतीय मूल के उम्मीदवारों की रिकॉर्ड भागीदारी

57 भारतीय-अमेरिकी चेहरे आजमा रहे किस्मत, गवर्नर और मेयर जैसे पदों की दावेदारी

एजेन्सी, वाशिंगटन

अमेरिकी राजनीतिक परिदृश्य में भारतीय समुदाय के बढ़ते प्रभाव का स्पष्ट संकेत है। मंगलवार को होने वाले मतदान में कुल 57 भारतीय-अमेरिकी चेहरे अपनी किस्मत आजमाएंगे, जो सीनेट से लेकर गवर्नर, मेयर और राज्य विधानमंडल तक विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर दावेदारी पेश कर रहे हैं। यह संख्या अमेरिकी समाज में भारतीय-अमेरिकी समुदाय की बढ़ती राजनीतिक महत्वाकांक्षा और परिपक्वता को रेखांकित करती है। इन 57 उम्मीदवारों में से एक सीनेट, 11 प्रतिनिधि सभा, तीन राज्यव्यापी पदों, 36 राज्य विधानमंडलों और छह स्थानीय पदों के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। कुछ प्रमुख मुकाबलों पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओहायो में रिपब्लिकन पार्टी के विवेक रामास्वामी गवर्नर पद के लिए अपनी उम्मीदवारी के साथ राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं, और उनकी जीत भारतीय मूल के नेताओं की स्थिति को नई ऊंचाई दे सकती है। लॉस एंजिलिस में सिटी काउंसिल सदस्य नित्या रमन मौजूदा मेयर को चुनौती दे रही हैं, जहां मुकाबला कड़ा होने की उम्मीद है। न्यूयॉर्क में सरिता कोमाटिरेड्डी अटॉर्नी जनरल के पद के लिए मैदान में हैं, वहीं मैरीलैंड की लेफ्टिनेंट गवर्नर अरुणा मिलर दोबारा चुनाव जीतने की कोशिश में हैं। मैसाचुसेट्स की सीनेट सीट पर शिवा अय्यादुरई एकमात्र भारतीय मूल के उम्मीदवार के रूप में निर्दलीय दावेदारी पेश कर रहे हैं। प्रतिनिधि सभा के चुनावों में भी भारतीय मूल के नेताओं की मजबूत उपस्थिति है। इनमें कैलिफोर्निया से रो खन्ना और अमी बेरा, वाशिंगटन राज्य से प्रमिला जयपाल और वर्जीनिया से सुहास सुब्रमण्यम जैसे चार मौजूदा डेमोक्रेटिक सांसद शामिल हैं।

22 राज्यों में भारतीय मूल के 36 उम्मीदवार

22 राज्यों में भारतीय मूल के 36 उम्मीदवार राज्य विधानमंडलों के लिए चुनाव लड़ रहे हैं, जिनमें कैलिफोर्निया, इलिनॉय और न्यूयॉर्क प्रमुख हैं। यूटा के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी सिम गिल और ओकलैंड की काउंसिल सदस्य जननी रामचंद्रन जैसे नाम स्थानीय स्तर पर समुदाय के बढ़ते प्रभाव को दर्शाते हैं। चुनाव के अंतिम दिनों में उम्मीदवारों के समर्थन में धन जुटाने और प्रचार पर भारी खर्च देखा गया है, जो इन सीटों पर जीत के महत्व को उजागर करता है। यह बढ़ती भागीदारी अमेरिकी राजनीति के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है, जो देश की बहुसांस्कृतिक पहचान को और मजबूत करती है।

फ्लाइट टिकट 700% बढ़ाने के दावे वाली याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा- फ्लाइट से यात्रा मत करिए

एजेन्सी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बढ़ते हवाई किराए को लेकर जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता के 700% तक किराया बढ़ने के दावे पर कोर्ट ने कहा, 'आप हवाई यात्रा मत करिए। आगे बढ़िए।' जस्टिस जे. विक्रम नाथ की बेंच के सामने वकील ने दलील दी कि विमान का किराया 700% तक बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि हवाई यात्रा जरूरी सेवा है और किराए में इतनी ज्यादा बढ़ोतरी संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। हालांकि, कोर्ट ने इन दलीलों पर सुनवाई नहीं की और याचिका खारिज कर दी। केंद्र सरकार ने सोमवार को भारतीय वायुयान नियम, 2026 का गजट जारी किया है। नए नियमों के तहत विमानन कंपनियों को हवाई टिकटों का किराया तय करने की छूट दी गई है। एयरलाइंस को किराया बढ़ाने या घटाने के लिए सरकार से पहले अनुमति नहीं लेनी होगी।

न्यूज ब्रीफ

नीलेकणि कमेटी को मिला एक्सटेंशन

नई दिल्ली। देश में परिक्षाओं को पूरी तरह सुरक्षित और पेपर-लीक प्रूफ बनाने के लिए काम कर रहे हाई पावर टास्क फोर्स को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। केंद्र सरकार ने इन्फोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि की अगुवाई वाले इस विशेष पैनल का कार्यकाल बढ़ा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, देशव्यापी परीक्षा सुधारों को अंतिम रूप देने के लिए गठित इस टास्क फोर्स को अब अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने के लिए जनवरी 2027 तक का समय दिया गया है। इस छह सदस्यीय हाई-पावर कमेटी का गठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसी साल 25 जुलाई को किया गया था। दरअसल, देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET में बड़े पैमाने पर पेपर लीक और तकनीकी गड़बड़ियों का विवाद सामने आया था। इसके बाद दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के भारी विरोध प्रदर्शनों के बीच तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

मुंबई में शादी का खाना खाने से 27 बच्चे बीमार

मुंबई। मुंबई के नाहुर वेस्ट स्थित नालंदा बुद्ध विहार हॉल में एक शादी समारोह का आयोजन किया गया था। इसमें खाना खाने से 27 बच्चे बीमार पड़ गए। इस घटना की जानकारी महाराष्ट्र खाद्य सुरक्षा विभाग के कमिश्नर तुकाराम मुंढे को भी दी गई है। पुलिस ने कहा कि हमने महाराष्ट्र FDA से संपर्क किया है और हम जल्द ही उचित कानूनी कार्रवाई शुरू करेंगे और इस मामले की जांच करेंगे। भांडुप पुलिस ने बताया, शादी में कम से कम 500 लोग शामिल हुए थे। आखिरी बैच में खाना खाने वाले 27 लोगों में फूड पॉइजनिंग के लक्षण दिखाई दिए। पुलिस ने आगे बताया कि इन सभी को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। प्रभावित लोगों का इलाज चल रहा है और बताया जा रहा है कि वे अब खतरे से बाहर हैं। पुलिस ने कहा, किसी की जान नहीं गई है। अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों की हालत स्थिर है। भांडुप पुलिस ने बताया कि उन्होंने शादी में हुई इस घटना के बारे में महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) को सूचित कर दिया है। अधिकारी अब प्रभावित लोगों के स्टमक वॉश (पेट की जांच) की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं, ताकि फूड पॉइजनिंग के असली कारण का पता लगाया जा सके और उचित कानूनी कार्रवाई शुरू की जा सके।

नेपाल घूमने जाने में भारतीय पीछे छूटे, अमेरिका नंबर-1

अक्टूबर में सबसे ज्यादा पर्यटक पहुंचे, भारतीयों की संख्या में 30% गिरावट

काठमांडू। लंबे समय से नेपाल में सबसे ज्यादा विदेशी पर्यटक भारत से पहुंचते रहे हैं, लेकिन अक्टूबर 2026 में अमेरिका ने भारत को पीछे छोड़ दिया। नेपाल पर्यटन बोर्ड के एक अधिकारी ने काठमांडू पोस्ट को बताया कि नेपाल के इतिहास में पहली बार अमेरिका सबसे ज्यादा पर्यटक भेजने वाला देश बना है।

नेपाल पर्यटन बोर्ड के मुताबिक, अक्टूबर में अमेरिका से 17,437 पर्यटक नेपाल पहुंचे। वहीं, भारत से 12,097 पर्यटक आए। पिछले साल अक्टूबर में 17,298 भारतीय पर्यटक नेपाल पहुंचे थे। यानी इस बार भारत से आने वाले पर्यटकों की संख्या में करीब 30त्न की गिरावट आई है। चीन से 11,695 पर्यटक पहुंचे और वह तीसरे स्थान पर रहा।

नेपाल में भारतीय पर्यटकों की संख्या घटने की एक बड़ी वजह अगस्त में आई बाढ़ और भूस्खलन को माना जा रहा है। इसकी वजह से कई सड़कें और यात्रा मार्ग टूट गए, जिससे आवाजाही प्रभावित हुई। खासकर कैलाश मानसरोवर जाने वाले भारतीय तीर्थयात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

भारतीय पर्यटकों की संख्या में 30%गिरावट

नेपाल पर्यटन बोर्ड के मुताबिक, इस साल अक्टूबर में 1.32 लाख से ज्यादा विदेशी पर्यटक नेपाल पहुंचे। यह पिछले साल के मुकाबले 3.4त्न ज्यादा है। हालांकि, भारत से आने वाले पर्यटकों की संख्या में करीब 30त्न की गिरावट दर्ज की गई।

अमेरिका- 17,437 पर्यटक पहुंचे। पिछले साल के मुकाबले 31.24त्न की बढ़ोतरी हुई।

भारत- 12,097 पर्यटक पहुंचे। पिछले साल के मुकाबले करीब 30त्न की गिरावट आई।

चीन- 11,695 पर्यटक पहुंचे। पिछले साल के 6,755 के मुकाबले करीब 73त्न की बढ़ोतरी हुई।

यूरोप- 39,877 पर्यटक पहुंचे। पिछले साल के 15,148 के मुकाबले करीब 163त्न की बढ़ोतरी हुई।

ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया- दोनों देशों से 9 हजार से ज्यादा पर्यटक नेपाल पहुंचे।

अमेरिकी पर्यटकों की संख्या बढ़ने की क्या वजह है?

नेपाल के टूर ऑपरेटरों के मुताबिक, अमेरिका से आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ने की एक वजह ट्रेकिंग और पहाड़ों पर चढ़ाई में बढ़ती रुचि है। खासकर युवा पर्यटक नेपाल आ रहे हैं। नेपाल हाइकिंग टीम के प्रमुख गंगा बहादुर थापा ने बताया कि अगस्त की बाढ़ के बाद भी किसी अमेरिकी ग्राहक ने यात्रा रद्द नहीं की। कुछ ने यात्रा टाल दी, जबकि बाकी तय कार्यक्रम के मुताबिक नेपाल पहुंचे। थापा के मुताबिक, बाढ़ से लैंगटांग जाने का रास्ता प्रभावित हुआ था। वहां जाने की योजना बना रहे पर्यटकों को कंपनी ने अन्नपूर्णा सर्किट और एवरेस्ट बेस कैंप जैसे दूसरे ट्रेकिंग मार्गों के विकल्प दिए। इसके अलावा, अमेरिका में रहने वाले नेपाली मूल के लोग भी नेपाल पहुंच रहे हैं। दशैं और तिहार जैसे त्योहारों पर वे अपने परिवारों से मिलने आते हैं। इससे नेपाल आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ती है।

इस साल अब तक करीब 10 लाख विदेशी पर्यटक पहुंचे

नेपाल में जनवरी से अक्टूबर 2026 के बीच कुल 9,98,734 विदेशी पर्यटक पहुंचे। यह पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 5.83त्न ज्यादा है। अक्टूबर में 1.32 लाख से ज्यादा पर्यटकों का पहुंचना नेपाल के पर्यटन कारोबार के लिए अच्छा संकेत है। कोरोना महामारी से पहले 2019 नेपाल के पर्यटन के लिए सबसे अच्छा साल रहा था। उस साल 11,97,191 विदेशी पर्यटक नेपाल पहुंचे थे। महामारी के कारण 2020 और उसके बाद के वर्षों में पर्यटन कारोबार को बड़ा नुकसान हुआ।

राजस्थान में करंट लगने से 8 मजदूरों की मौत

एजेन्सी, उदयपुरवाटी (झुंझुनूं)

राजस्थान के झुंझुनूं में सोमवार को सड़क बना रहे 8 मजदूरों की करंट लगने से मौत हो गई। 5 अन्य झुलस गए। हादसा उदयपुरवाटी के छापोली गांव में सुबह 10 बजे हुआ। उदयपुरवाटी SHO रामपाल ने बताया- हादसा छापोली-कदंब कुंड मार्ग पर सीकर-नीमकाथाना स्टेट हाईवे से करीब 150 मीटर दूर हुआ। घटना के बाद ग्रामीणों ने धरना शुरू कर दिया। 7 घंटे बाद शाम 5 बजे मुआवजा और संविदा पर नौकरी के आश्वासन के बाद धरना खत्म कर दिया। रोड़ी-बजरी मिलाने के काम में आने वाली मशीन ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गई। इससे उसमें करंट फैल गया। वहां काम कर रहे मजदूर करंट की चपेट में आ गए। हाईवोल्टेज लाइन का तार रोड़ी-बजरी (कंक्रीट) मिक्सर मशीन के हाइड्रोलिक जैक से टच हुआ था।

15-15 लाख मुआवजा और संविदा पर नौकरी देने पर सहमति

मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा- मृतकों के आश्रितों को अलग-अलग योजनाओं में 15 लाख मुआवजा और एक-एक सदस्य को संविदा पर नौकरी देने पर सहमति बनी है। विकास अधिकारी और तहसीलदार को राजस्थान और केंद्र सरकार की योजनाओं में लाभ देने के लिए कहा है। वन विभाग की जमीन पर बन रहे इस रास्ते को लेकर झुंझुनूं के डीएफओ को निर्देश दिए है कि संबंधित जनप्रतिनिधि से संपर्क कर रास्ते के डायवर्जन के प्रस्ताव को पोर्टल पर अपलोड करें। बातचीत के बाद परिजन शव लेने को तैयार हो गए और धरना खत्म कर दिया।

शहबाज के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का बड़ा कबूलनामा

पाकिस्तान में सेना ही चलाती है सरकार

एजेन्सी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार खुद को लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई बताती है और भारत के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाती है। अब खुद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कबूल किया है कि सेना प्रशासन से लेकर शहबाज सरकार की विदेश नीति तक सब पर अपना गहरा प्रभाव रखती है। ख्वाजा आसिफ का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब असीम मुनीर लगातार पाकिस्तान की राजनीति पर अपना कंट्रोल मजबूत करते जा रहे हैं। असीम मुनीर ने अपने धुर विरोधी इमरान खान को जेल में भेज दिया है और पाकिस्तान को कई प्रांतों में बांटकर शरीफ और जरदारी परिवार की राजनीति को ही खत्म करना चाहते हैं। फील्ड मार्शल असीम मुनीर को पाकिस्तान का असली शासक माना जाता है। पाकिस्तानी पत्रकार हामिद मीर ने तो यहां तक कह दिया है कि असीम मुनीर अब तानाशाही में परवेज मुशर्रफ को भी पीछे छोड़ चुके हैं। इस बीच ख्वाजा आसिफ ने माना है कि शहबाज सरकार के सारे बड़े फैसले सेना की मंजूरी से ही लिए जाते हैं। उनके इस बयान के बाद पाकिस्तान के हाईब्रिड निजाम की पोल एक बार फिर से खुल गई है।

ट्रंप से मिले थे असीम मुनीर

पाकिस्तान में हाईब्रिड निजाम में सिविलियन सरकार और सेना प्रमुख मिलकर सरकार चलाते हैं। पाकिस्तानी सेना देश के हर अहम मुद्दे पर अपनी राय सरकार पर थोपती है। पाकिस्तान में सेना ही सुरक्षा, पड़ोसी देशों खासकर भारत, अफगानिस्तान, चीन और ईरान के साथ रिश्ते के मुद्दे पर फैसला लेती है।

अमेरिका: फ्लोरिडा में बिजनेस जेट क्रैश, सभी सवार 9 लोगों की मौत

रिहायशी इलाके के पास दुर्घटनाग्रस्त

एजेन्सी, फ्लोरिडा

अमेरिका के फ्लोरिडा में रविवार को एक बड़ा विमान हादसा हुआ। यहां नौ लोगों को लेकर जा रहा एक निजी बिजनेस जेट रिहायशी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी नौ लोगों की मौत हो गई। अमेरिका के परिवहन मंत्री सीन डफी ने रविवार को इसकी पुष्टि की। विमान टेक्सास के ऑस्टिन से उड़ान भरकर बहामास जा रहा था। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। हादसे का शिकार हुआ विमान लियरजेट-60 था। यह दक्षिण फ्लोरिडा के एक रिहायशी इलाके के ऊपर से गुजरते समय अचानक नीचे की ओर गिरा और सड़क के पास जोरदार धमाके के साथ दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद विमान में भीषण आग लग गई और आसमान में आग का बड़ा गोला दिखाई दिया। विमान सड़क के पास गिरा, जहां जमीन पर बड़ा गड्ढा बन गया। घटनास्थल पर चारों ओर आग की लपटें और काले धुएं का गुबार फैल गया।

कारों में बैठे लोगों ने बनाया वीडियो

हादसे के समय आसपास से गुजर रही कारों में बैठे कुछ लोगों ने विमान के आसमान से तेजी से नीचे गिरने का वीडियो रिकॉर्ड किया। वीडियो में विमान सड़क के पास गिरने के बाद आग के बड़े गोले में बदलता दिखाई दिया। घटनास्थल पर विमान के मलबे और आसपास आग की लपटें उठती रहीं।

वेतन वृद्धि की मांग पर अड़े, कारखाने बंद

बांग्लादेश में भड़की श्रमिकों की हिंसा

एजेन्सी, ढाका

बांग्लादेश में बेहतर वेतन की मांग को लेकर हजारों गारमेंट मजदूरों ने जोरदार प्रदर्शन किया, जिसके बाद राजधानी ढाका और गाजीपुर में व्यापक हिंसा भड़क उठी। आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की एक गाड़ी को आग के हवाले किया और सुरक्षाकर्मियों पर हमला किया। हालात बेकाबू होने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर 19 लोगों को हिरासत में लिया है। मजदूरों की मुख्य मांग है कि उनका न्यूनतम मासिक वेतन बढ़ाकर 30 हजार बांग्लादेशी टका, जो करीब 23 हजार भारतीय रुपये के बराबर है, किया जाए। प्रदर्शनों के दौरान गाजीपुर में मजदूरों ने ढाका-टांगाइल हाईवे को जाम कर दिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की पांच प्लाटून तैनात की गईं। ढाका के मीरपुर इलाके में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई भीषण झड़प के बाद पुलिस वाहन को आग के हवाले किया गया। मीरपुर डिवीजन के डिप्टी कमिश्नर हसन मोहम्मद नाशेर रिकाबदार ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों के खिलाफ पुलिस वाहन जलाने और पुलिसकर्मियों पर हमले के कई मुकदमे दर्ज किए जाएंगे।

अच्छी पहल

पहली बार UPI से बुक होगा दुबई में बुर्ज खलीफा का टिकट

एजेन्सी, दुबई

क्या आप आने वाले समय में विदेश घूमने जाने का प्लान बना रहे हैं? अगर आप दुबई या सिंगापुर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपके लिए एक अच्छी खबर है। दरअसल अब दुबई और सिंगापुर में भी भारतीय पेमेंट मोड UPI के जरिए आप पेमेंट कर सकते हैं। यदि आप दुबई जा रहे हैं तो यहां पर आप UPI की मदद बुर्ज खलीफा का टिकट बुक कर सकते हैं तो वहीं सिंगापुर के यूनिवर्सल स्टूडियो का टिकट भी बुक किया जा सकता है। खास बात ये है कि यहां जाने के बाद अब भारतीयों को विदेशी कार्ड या दूसरे अंतरराष्ट्रीय पेमेंट ऑप्शंस पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा. वित्त मंत्रालय ने 30 अक्टूबर 2026 को इस नई सुविधा की जानकारी दी है. इसका उद्देश्य विदेश यात्रा के दौरान भारतीय पर्यटकों के लिए टिकट बुक करना और भुगतान करना आसान बनाना है

किन जगहों पर चलेगा UPI?

इस नई सुविधा के तहत फिलहाल दुबई और सिंगापुर के मुख्य पर्यटन वाली जगहों पर वढकसे ऑनलाइन पेमेंट किया जा सकेगा। इस लिस्ट में दुबई का बुर्ज खलीफा, सिंगापुर का यूनिवर्सल स्टूडियो और ओशनेरियम और एडवेंचर कोव वॉटरपार्क का नाम शामिल है। यदि आप इनमें से किसी भी जगह जाते हैं तो आप पेमेंट के लिए भारतीय यूपीआई का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऐसे बुक करें बुर्ज खलीफा का टिकट बुक?

सबसे पहले बुर्ज खलीफा की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाएं। यहां पर अपनी पसंद का टिकट पैकेज सिल्वर, गोल्ड या प्लेटिनम को चुनें। इसके बाद 'बुक नाओ' पर क्लिक करेंगे तो घूमने की तारीख और समय चुनने का ऑप्शन मिलेगा।इसमें सारी जानकारी भरें और 'एड टू कार्ट' पर क्लिक करें। इसके बाद चेकआउट करने पर पेमेंट का ऑप्शन आ जाएगा, इसमें वढकको चुनकर भुगतान करें।

भारतीय पर्यटकों को क्या होगा फायदा?

इस नई सुविधा से विदेश जाने वाले भारतीयों को काफी सहूलियत मिलेगी। अब उन्हें टिकट खरीदने के लिए हर बार अंतरराष्ट्रीय डेबिट या क्रेडिट कार्ड की जरूरत नहीं होगी। वो अपने नॉर्मल UPI एप से ही भुगतान कर सकेंगे। इससे टिकट बुकिंग की प्रक्रिया आसान होगी और विदेशी पर्यटन स्थलों पर भारतीय डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल भी बढ़ेगा।

न्यूज ब्रीफ

भारत और यूरोपीय संघ ने मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा की

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने ब्रुसेल्स में हुई उच्च-स्तरीय बैठकों के दौरान मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लागू करने, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाने और बाजार पहुंच बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की है। इस समझौते पर दिसंबर में हस्ताक्षर होने हैं। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने पिछले सप्ताह ब्रसेल्स यात्रा के दौरान यूरोपीय आयोग के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा महानिदेशालय (डीजी ट्रेड) की महानिदेशक डिट्टे जुल जॉर्गनस, अंतरराष्ट्रीय साझेदारी महानिदेशालय के कोएन डोएन्स और कराधान एवं सीमा शुल्क संघ महानिदेशालय के गेरासिमोस थॉमस से मुलाकात की। इन बैठकों में सीमा शुल्क सहयोग, व्यापार सुगमता और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को लागू करने की तैयारियों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला वेदांत पॉली फैब्स का आईपीओ

नई दिल्ली। फ्लैक्सिबल पैकेजिंग मैटेरियल्स का निर्माण करने और कंज्यूमर गुड्स इंडस्ट्री को 3-लेयर तथा 5-लेयर एलडी फिल्म्स, श्रिंक फिल्म्स, बैरियर फिल्म्स, प्रिंटेड लैमिनेट्स सहित मिल्क एवं ऑयल पाउच की आपूर्ति करने वाली कंपनी वेदांत पॉली फैब्स लिमिटेड का 56.68 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। कंपनी मुख्य रूप से बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) मॉडल पर काम करती है। लॉन्चिंग के बाद दोपहर 11:30 बजे तक इस आईपीओ को 18 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला था। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक 4 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 5 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 6 नवंबर को अलॉटेड शेयर सफल निवेशकों के डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन जिन निवेशकों को शेयर का अलॉटमेंट नहीं हुआ होगा, उनके लिए रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी।

निसान मोटर इंडिया ने अक्टूबर में घरेलू बाजार में कुल 3,600 वाहनों की थोक बिक्री दर्ज की

जनवरी से अक्टूबर के दौरान निसान ने कुल 85,124 यूनिट्स की होलसेल बिक्री की

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

वाहन विनिमार्ता कंपनी निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने अक्टूबर माह में घरेलू बाजार में कुल 3,600 वाहनों की थोक बिक्री दर्ज की है, जो पिछले साल इसी अवधि में बिकीं 2,402 इकाई के मुकाबले 50 फीसदी की वृद्धि है। निसान के लिए यह लगातार आठवां महीना रहा, जब कंपनी की घरेलू बिक्री में सालाना आधार पर बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

निसान मोटर इंडिया ने सोमवार को अपनी अक्टूबर की बिक्री रिपोर्ट जारी की, जिसमें बताया गया कि जनवरी से अक्टूबर के बीच निसान ने घरेलू और विदेशी बाजारों को मिलाकर कुल 85,124 गाड़ियों की थोक बिक्री की है।

कंपनी ने बताया कि घरेलू होलसेल बिक्री में सालाना आधार पर 50 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी ने बताया कि यह प्रदर्शन निसान के लगातार बढ़ते पोर्टफोलियो को प्रति ग्राहकों की शानदार प्रतिक्रिया को दिखाता है। इसके पोर्टफोलियो में नई निसान टेक्टॉन, मैग्नाइट और ग्रेवाइट है। साथ ही बढ़ते डीलर नेटवर्क से भी कंपनी के शानदार प्रदर्शन में योगदान मिला है। कंपनी व्यापक प्रोडक्ट ऑफरिंग, ग्राहकों तक ज्यादा पहुंच और उन्हें शानदार अनुभव देते हुए भारत में लगातार विकास करने पर फोकस कर रही है।

निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि अक्टूबर में घरेलू बाजार में सालाना आधार पर 50 फीसदी की वृद्धि दर्ज करना निसान ब्रांड में ग्राहकों के लगातार बढ़ते भरोसे और भारत में हमारी प्रगति को दिखाने वाली है।

4,710 यूनिट्स का निर्यात किया

निशान सीईओ ने कहा कि अक्टूबर में निसान ने 4,710 यूनिट्स का निर्यात किया। कंपनी लगातार भारत में निर्माण करते हुए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ग्राहकों को सर्विस दे रही है। अपनी वन कार, वन वर्ल्ड की रणनीति के तहत निसान भारत एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ग्राहकों को ऐसे प्रोडक्ट्स उपलब्ध करा रही है, जिन्हें गुणवत्ता के वैश्विक मानकों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। यह निसान के वैश्विक परिचालन में भारत की भूमिका को मजबूत करने वाला है। उन्होंने कहा कि निसान के एसयूवी डीएनए पर डिजाइन की गई नई निसान टेक्टॉन में जापान की रिफाइंड क्राफ्टमैनशिप, इंटेलीजेंट टेक्नोलॉजी, कमांडिंग परफॉर्मेंस और हर दिन की व्यावहारिकता को साथ लाया गया है। मैग्नाइट एवं ग्रेवाइट के साथ-साथ टेक्टॉन भी सतत विकास की निसान की रणनीति में अहम भूमिका निभा रही है और भारतीय ऑटोमोटिव मार्केट के प्रमुख सेगमेंट्स में कंपनी की स्थिति को मजबूती दे रही है।

गोदरेज अप्लायंसेज का त्योहारी ऑफर, घरेलू उपकरणों पर पांच साल की व्यापक वारंटी का भरोसा

■ एजेन्सी, मुंबई

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का अप्लायंसेज बिजनेस इस त्योहारी सीजन में ग्राहकों के लिए घरेलू उपकरणों की खरीदारी को और फायदेमंद बना रहा है। कंपनी चुनिंदा उत्पादों पर पांच साल की व्यापक वारंटी दे रही है। 'गोदरेज प्रॉमिस' के तहत मिलने वाली इस वारंटी में कोई छिपा हुआ शुल्क नहीं लगेगा। यह ऑफर पात्र एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, एयर कूलर, माइक्रोवेव ओवन और डीप फ्रीजर पर लागू होगा। इसके अलावा, कंपनी ने आसान फाइनेंसिंग और कैशबैक के साथ कई आकर्षक त्योहारी ऑफर भी पेश किए हैं।

घरेलू उपकरणों के बाजार में बड़ी क्षमता वाली वॉशिंग मशीनों, रेफ्रिजरेटर और कम बिजली खपत करने वाले एयर कंडीशनर जैसे प्रीमियम उत्पादों की मांग बढ़ रही है। लोगों की बढ़ती आय और तेजी से बढ़ते शहरीकरण से इस मांग को बल मिल रहा है। वहीं, दिवाली पर कैशबैक और आसान ईएमआई जैसे ऑफर भी ग्राहकों को पुराने उपकरणों की जगह नए उत्पाद खरीदने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। प्रीमियम उत्पादों की मांग के साथ-साथ रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीनों के किफायती मॉडल भी ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। महानगरों के अलावा टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी लोग अब बेहतर गुणवत्ता और आधुनिक सुविधाओं वाले उत्पादों को पसंद कर रहे हैं।

त्योहारी ऑफर पर गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के अप्लायंसेज बिजनेस के हैड कमल नंदी ने कहा, ₹ग्राहक घरेलू उपकरण लंबे समय तक इस्तेमाल करने के लिए खरीदते हैं। हमारी पांच साल की व्यापक वारंटी इसी सोच को ध्यान में रखकर पेश की गई है। हमारा मानना है कि घर में नया उपकरण लाने का अनुभव खुशी और भरोसे से भरा होना चाहिए। त्योहारी ऑफर के जरिए हम ग्राहकों को आकर्षक छूट और खरीदारी के लाभों के साथ पांच साल की व्यापक वारंटी तथा बिना किसी छिपे शुल्क का भरोसा भी दे रहे हैं। इससे ग्राहक बेफिक्र होकर भरोसेमंद उपकरण खरीद सकेंगे और लंबे समय तक उनका लाभ उठा सकेंगे। बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पादों, गोदरेज प्रॉमिस और तेजी से बढ़ते रिटेल नेटवर्क के दम पर हम इस त्योहारी सीजन में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

निवेशकों ने कमाए 7 लाख करोड़ रुपये

शेयर बाजार में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आई तूफानी तेजी

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

रिलायंस के शेयरों में छह साल की सबसे बड़ी तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी के दम पर भारतीय शेयर बाजार सोमवार को लगातार तीसरे कारोबारी दिन शानदार बढ़त के साथ बंद होने में कामयाब रहा। बाजार में आज चौतरफा मजबूती का माहौल बना रहा, जिसके चलते दिग्गज शेयरों के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी जम कर खरीदारी हुई। इस चौतरफा लिवाली के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों मुख्य सूचकांक दिन के ऊपरी स्तर (डे-हाई) पर बंद होने में सफल रहे। बाजार की जोरदार मजबूती के कारण सोमवार को निवेशकों की संपत्ति में लगभग सात लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई।

सोमवार के कारोबार के दौरान शुरूआत से ही बाजार में मजबूती का माहौल बना रहा, जिसमें हैवीवेट शेयरों में हुई खरीदारी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक पूरे समय हरे निशान में ही बने रहे। दिन के दूसरे सत्र में यानी दोपहर 12 बजे के बाद मुनाफावसूली का दबाव भी बना, लेकिन कुछ देर बाद ही खरीदारों ने चौतरफा लिवाली कर सूचकांकों को डे-हाई पर पहुंचा दिया। पूरे दिन के शानदार कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.66 प्रतिशत और निफ्टी 1.68 प्रतिशत की जोरदार मजबूती के साथ बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स सोमवार को 718.71 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75,178.24 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही लिवाली शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक ने रफ्तार पकड़ ली। हालांकि दोपहर 12 बचे के बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली का दबाव भी बना, जिससे यह सूचकांक थोड़ा फिसल कर 74,978.12 अंक के निचले स्तर तक आ गया। इसके बाद रिलायंस और मेटल सेक्टर के हैवीवेट शेयरों में तूफानी खरीदारी शुरू हो गई, जिससे यह सूचकांक निचले स्तर से 714.66 अंक उछल कर कुल 1,233.25 अंक यानी 1.66 प्रतिशत की तेजी के साथ 75,692.78 अंक के दिन के ऊपरी स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने भी सोमवार को 169.20 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की तेजी दिखाते हुए 23,222.30 अंक के स्तर से अपने कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के बाद शुरूआती सत्र में लिवाली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक ने भी कुलांचे भरना शुरू कर दिया। हालांकि दिन के दूसरे सत्र की शुरूआत में बिकवाली का दबाव भी बना, जिसके कारण यह सूचकांक लुढ़क कर 23,207.05 अंक के निचले स्तर तक आ गया।

इसके बाद खरीदार पूरी तरह एक्टिव हो गए और बाजार में चौतरफा लिवाली शुरू कर दी। इस लिवाली के सपोर्ट से यह सूचकांक तेजी से आगे बढ़ा और 23 सितंबर के बाद पहली बार 23,400 अंक के स्तर को पार करते हुए, दिन के निचले स्तर से 233.75 अंक की शानदार रिकवरी कर कुल 387.70 अंक यानी 1.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,440.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सोमवार को दिनभर के कारोबार के दौरान मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा चमक देखने को मिली। जबरदस्त लिवाली के चलते निफ्टी का मेटल इंडेक्स 3 प्रतिशत से भी अधिक की बढ़त के साथ बंद हुआ।

एसबीआई का मुनाफा 14% बढ़कर 23,038 करोड़

दूसरी तिमाही में ब्याज से कमाई 15% बढ़ी, अनुमान से अच्छे रहे बैंक के नतीजे

मुंबई

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई को सितंबर तिमाही में ₹23,038 करोड़ का मुनाफा हुआ है, जो पिछले साल इसी समय के मुकाबले करीब 14त ज्यादा है। उस तिमाही में बैंक को ₹20,160 करोड़ का मुनाफा हुआ था।

बैंक की मुख्य कमाई लोगों को दिए गए कर्ज पर मिलने वाले ब्याज से होती है। इसे एसबीआई यानी नेट इंटरेस्ट इनकम कहते हैं।

इस तिमाही में बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम बढ़कर ₹49,142 करोड़ पर पहुंच गई है। इसमें पिछले साल के मुकाबले करीब 15त की बढ़त दर्ज की गई है। पिछले साल यह करीब ₹42,847 करोड़ थी।

नतीजों से एसबीआई का शेयर 1% चढ़ा

रिजल्ट के बाद एसबीआई का शेयर आज 1 चढ़कर 995 रुपए पर कारोबार कर रहा है। एक महीने में यह 4 और एक साल में 5 चढ़ा है। बीते 6 महीने में बैंक का शेयर 7 गिरा है। एसबीआई का मार्केट कैप 9.15 लाख करोड़ रुपए है।

बैंक की लोन और डिपॉजिट रिपोर्ट

बैंक लोन (ग्रॉस एडवांसेज): 30 सितंबर 2026 तक बैंक का कुल दिया गया लोन 7.84 बढ़कर 52 लाख करोड़ रुपए हो गया।

कुल जमा (डिपॉजिट): बैंक में ग्राहकों द्वारा जमा किया गया कुल पैसा 12.27 की बढ़ोतरी के साथ 63 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

साधारण व चालू खाता : सेविंग्स और करेंट अकाउंट में जमा राशि 8.13 बढ़ी, जो कुल जमा पैसे का 38.3 हिस्सा है।

फिक्स्ड डिपॉजिट : बैंक में फिक्स्ड डिपॉजिट यानी स्रष्ठ के जरिए जमा किए गए पैसे में 14.26 की सबसे बड़ी बढ़त दर्ज हुई।

डूबा हुआ पैसा कम हुआ, लोन वसूली तेज

बैंक के ग्राहकों के दिए कर्ज की स्थिति यानी एसेट क्वालिटी भी बेहतर हुई है। यानी लोगों को दिया गया पैसा समय पर वापस लौट रहा है और बैंक का डूबा हुआ पैसा कम हुआ है।

बैंक का वास्तविक फंसा हुआ कर्ज यानी नेट एनपीए अनुपात घटकर मात्र 0.36 रह गया है, जो इससे ठीक पिछली तिमाही में 0.38 और पिछले साल की समान तिमाही में 0.42 था।

अनुमान ब्से अच्छे रहे बैंक के नतीजे

मुनाफे पर अनुमान: बाजार जानकारों का अनुमान था कि बैंक का मुनाफा ₹22,860 करोड़ के आसपास रहेगा, जबकि असल मुनाफे ने अनुमान को पीछे छोड़ दिया है।

ब्याज आय में बढ़ोतरी: एनालिस्ट को उम्मीद थी कि बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम में 11 से 13 की मजबूत बढ़त देखने को मिलेगी।

लोन ग्रोथ की रफ्तार: ब्रोकरेज फर्मों ने अनुमान जताया था कि बैंक की कुल लोन डिलीवरी (एडवांसेज) सालाना आधार पर 17 से 18 तक बनी रहेगी।

फंसा हुआ कर्ज जानकारों को भरोसा था कि बैंक के एसेट क्वालिटी में कोई नया बड़ा संकट नहीं आएगा और ह्क्क में सुधार जारी रहेगा।

ब्रोकरेज फर्मों की शेयर खरीदने की सलाह, टारगेट ₹1370

मोतीलाल ओसवाल: ब्रोकरेज फर्म ने इसबीआई बैंक का टारगेट ₹1,370 रखते हुए शेयर खरीदने की सलाह दी है।

एसबीआई सिक्योरिटीज : बैंक की मजबूत रिकवरी और एसेट क्वालिटी को देखते हुए ₹1,300 का टारगेट प्राइस दिया है।

एक्सिस डायरेक्ट: बैंक की `डिट ग्रोथ और बेहतर मार्जिन के दम पर शेयर के लिए ₹1,280 का टारगेट तय किया है।

प्रभुदास लीलाधर: बैंक की आय में बढ़त को देखते हुए शेयर का टारगेट ₹1,200 बताया है।

देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक है एसबीआइ

एसबीआइ देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक है। एसबीआइ में सरकार की 55.5 हिस्सेदारी है। 1 जुलाई 1955 को इसकी स्थापना हुई थी। बैंक का मुख्यालय मुंबई में है।

वहीं बैंक की 22,500 से ज्यादा ब्रांच और 50 करोड़ से ज्यादा ग्राहक हैं। बैंक दुनिया के 29 देशों में काम करता है। भारत के बाहर इसकी 241 ब्रांच हैं।सेंसेक्स 1,225 अंक चड़कर 76,918 पर बंद: निफ्टी भी 370 अंक ऊपर 23,811 पर पहुंचा; ऑटो और स्रष्टत्र शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही सेंसेक्स आज यानी 3 नवंबर को 1,225 अंक (1.62) की तेजी के साथ 76,918 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 370 अंकों (1.58) की तेजी रही, ये 23,811 पर पहुंच गया। आज ऑटो, स्रष्टत्र और रियल्टी शेयरों में ज्यादा खरीदारी रही।

भारत में ब्रिटेन से बल्क स्कॉच-व्हिस्की का इंपोर्ट 1000% बढ़ा

ट्रेड डील के बाद इंपोर्ट ड्यूटी 150% से घटकर 75% हुई, अगस्त में 117 करोड़ का माल मंगाया

नई दिल्ली

भारत और ब्रिटेन के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के लागू होने के बाद देश में बल्क स्कॉच व्हिस्की का इंपोर्ट रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। अगस्त 2026 में बल्क स्कॉच व्हिस्की का इंपोर्ट साल-दर-साल आधार पर करीब 1,000त बढ़कर 12.39 मिलियन डॉलर यानी 117 करोड़ रुपए रहा।

इंपोर्ट ड्यूटी 150त से घटकर 75त हुई

इंपोर्ट ड्यूटी में कटौती के कारण कंपनियों ने बड़े शिपमेंट मंगाने शुरू कर दिए हैं। भारत-यूके का ट्रेड एग्रीमेंट 15 जुलाई 2026 से प्रभावी हुआ था।

इसके तहत एलिजिबल स्कॉच व्हिस्की पर इंपोर्ट ड्यूटी को 150त से घटाकर 75त कर दिया गया। इस टैरिफ कटौती के बाद ही बल्क शिपमेंट में यह तेज बढ़ोतरी देखने को मिली है।

2 लीटर से बड़े कंटेनरों में इंपोर्ट 679त बढ़ाह

2 लीटर से ज्यादा कैपेसिटी वाले कंटेनरों में स्कॉच व्हिस्की का इंपोर्ट करीब 679त बढ़कर 2.5 मिलियन यानी 25 लाख लीटर पर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 3.20 लाख लीटर था। इससे साफ होता है कि यह ग्रोथ सिर्फ कीमतों के कारण नहीं, बल्कि इंपोर्ट बढ़ने से हुई है।

छोटी बोतलों में इंपोर्ट 30% घटा

बल्क शिपमेंट के उलट, 2 लीटर या उससे कम कैपेसिटी वाले कंटेनरों (बोतल) में स्कॉच व्हिस्की के इंपोर्ट में गिरावट दर्ज की गई। अगस्त में इस कैटेगरी का इंपोर्ट साल-दर-साल 30त घटकर 3.08 मिलियन डॉलर यानी 29 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल 4.39 मिलियन डॉलर यानी 41 करोड़ रुपए था।

इसका इंपोर्ट वॉल्यूम भी 30त घटकर 5,71,449 यूनिट्स से 402,507 यूनिट्स पर आ गया है। इससे पता चलता है कि टैरिफ कटौती का शुरुआती असर छोटी बोतलों के मुकाबले बल्क शिपमेंट पर ज्यादा पड़ा है।

वित्त वर्ष 2027 के पहले 5 महीनों में 349% की ग्रोथ

वित्त वर्ष 2026-27 के पहले 5 महीनों में बल्क स्कॉच व्हिस्की का इंपोर्ट पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में करीब 349त बढ़ा है।

जिन और रम का इंपोर्ट भी बड़ा

यूके से केवल स्कॉच ही नहीं, बल्कि अन्य स्पिरिट्स का इंपोर्ट भी बढ़ा है। 2 लीटर या उससे कम के कंटेनरों में जिन का इंपोर्ट अगस्त में 150त बढ़कर 0.84 मिलियन डॉलर यानी 8 करोड़ रुपए रहा। इसका इंपोर्ट वॉल्यूम 185त बढ़कर 2,16,438 यूनिट्स पर पहुंच गया। इसी कैटेगरी में रम का इंपोर्ट भी 147त से ज्यादा बढ़ा है।

सितंबर में कुल अल्कोहलिक बेवरेज इंपोर्ट 7.2% बढ़ा

सितंबर 2026 में भारत का कुल अल्कोहलिक बेवरेज इंपोर्ट साल-दर-साल 7.2% बढ़कर 40.43 मिलियन डॉलर यानी 382 करोड़ रुपए रहा। इस दौरान कुल इंपोर्ट वॉल्यूम 335.3त बढ़ा है। हालांकि, सितंबर महीने के लिए स्कॉच व्हिस्की, जिन और रम के कमोडिटी-वाइज-डेटा जारी नहीं किए गए हैं।

बल्क स्कॉच के क्लासिफिकेशन को लेकर विवाद

बल्क स्कॉच के इंपोर्ट में उछाल के बीच, हार्मोनाइज्ड सिस्टम ऑफ नोमेनक्लेचर के तहत इन शिपमेंट्स के क्लासिफिकेशन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इससे यह सवाल उठा है कि क्या बल्क इंपोर्ट को ट्रेड पैक्ट के तहत रियायती दरों का लाभ मिलना चाहिए या नहीं।

सुरक्षित बचपन अभियान: मनेन्द्रगढ़ के विद्यालयों में आयोजित हुआ बाल अधिकार एवं पाक्सो जागरूकता शिविर

(जिला एमसीबी) बचपन बचाओ आंदोलन के अंतर्गत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मार्गदर्शन में आज दिनांक 2 नवम्बर 2026 को मनेन्द्रगढ़ में सुरक्षित बचपन अभियान% के तहत एक व्यापक अखिल भारतीय विद्यालय जागरूकता शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस विशेष जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा, और पॉक्सो अधिनियम 2012 के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का आयोजन मनेन्द्रगढ़ जिला एमसीबी के दो प्रमुख शिक्षण संस्थानों– ब्लासम एकेडमी और एकेडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल में किया गया।

न्यायधीशगणों की गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन

इस महत्वपूर्ण विधिक साक्षरता एवं सुरक्षा शिविर में व्यवहार न्यायालय मनेन्द्रगड़ के जेएमएफसी सुमित कुमार नायक एवं भूमिका ध्रुव नायक विशेष रूप से उपस्थित रहे। शिविर के दौरान न्यायाधीशगणों ने छात्र-छात्राओं को अत्यंत सरल और प्रभावी ढंग से निम्नलिखित विषयों पर विस्तृत जानकारी दी–

लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (POCSO Act)– बच्चों को गुड टच और बैड टच, अपनी सुरक्षा करने के उपायों तथा किसी भी प्रकार के शोषण के खिलाफ आवाज उठाने के तौर-तरीकों के बारे में बताया गया।

साइबर सुरक्षा– वर्तमान समय में इंटरनेट और सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग को देखते हुए बच्चों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर बुलिंग और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण हिदायतें दी गईं।

परिवहन सुरक्षा एवं यातायात नियम– बच्चों और किशोरों को सड़क सुरक्षा तथा परिवहन कानूनों के प्रति जागरूक किया गया।

नालसा (NALSA) की योजनाएं– राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा समाज के कल्याण और बाल संरक्षण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी उपस्थितजन को दी गई।

कार्यक्रम का संचालन एवं सहयोग

इस जागरूकता अभियान को सफल बनाने में पैनल लॉयर्स (पीएलवी) अजय विश्वकर्मा और अंजनी यादव का सक्रिय और सराहनीय सहयोग रहा। उनके द्वारा शिविर के सुचारू संचालन में विशेष योगदान दिया गया।

समापन एवं आभार

कार्यक्रम के अंत में दोनों विद्यालयों के स्टाफ, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए महत्वपूर्ण विधिक जानकारियां प्राप्त कीं। इस ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक आयोजन के पश्चात, विद्यालय के संचालक जसपाल सिंह द्वारा न्यायाधीशगणों को स्मृति चिन्ह (Memento) भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया गया, जिसके साथ ही इस गरिमामयी कार्यक्रम का समापन हुआ।

दीपावली से पहले खाद्य एवं औषधि प्रशासन की सक्रियता, चिरमिरी में मिठाई दुकानों और होटलों का सघन निरीक्षण

खाद्य सुरक्षा टीम ने मिठाई और खोवा के नमूने किए संकलित, जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजे गए

बिलासपुर

एमसीबी/ दीपावली त्यौहार के मद्देनजर आम नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया जा रहा है। नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन दीपक अग्रवाल के निर्देशानुसार प्रदेशभर में विशेष सघन प्रवर्तन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला मनेंद्रगड़-चिरमिरी-भरतपुर में कलेक्टर संतन देवी जांगड़े एवं सीएमएचओ के मार्गदर्शन में विभागीय टीम द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है।

इसी कड़ी में 30 एवं 31 अक्टूबर 2026 को चिरमिरी क्षेत्र की विभिन्न मिठाई दुकानों एवं खोवा विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी रविकांत गुप्ता एवं उनकी टीम ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच करते हुए विभिन्न प्रतिष्ठानों से मिठाई एवं खोवा के नमूने संकलित किए।

निरीक्षण के दौरान बीकानेर स्वीट्स से बेसन लड्डू एवं सोनपापड़ी, केरला होटल से चमचम, बिज्जू होटल से खोवा, राहुल मिष्ठान भंडार से खोवा एवं रसगुल्ला तथा पटेल स्वीट्स से मगज लड्डू के नमूने संकलित किए गए। सभी नमूनों को परीक्षण के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अनुसार प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी। दीपावली पर्व के दौरान खाद्य पदार्थों की शुद्धता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विभाग द्वारा मिठाई दुकानों, होटलों एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण लगातार जारी रहेगा।

बुढ़ार में अवैध शराब पैकारी का कथित साम्राज्य! लगातार खबरों के बाद भी आबकारी और पुलिस विभाग मौन, शराब माफियाओं के हौसलों के आगे जिम्मेदार विभागों की चुप्पी क्योंड़

बिलासपुर

मध्यप्रदेश के देवास जिले के खातेगांव में अवैध शराब तस्करी रोकने की कार्रवाई के दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक स्वर्गीय दिलीप पुरी की ट्रक से कुचलकर हुई दर्दनाक मौत ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। कर्तव्य निर्वहन के दौरान एक पुलिस अधिकारी की मौत ने अवैध शराब कारोबार और उससे जुड़े आपराधिक नेटवर्क पर नियंत्रण को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसी बीच शहडोल जिले के बुढ़ार क्षेत्र में कथित अवैध शराब पैकारी और शराब की बोतलों पर अंकित प्रिंट रेट से अधिक कीमत वसूलने की शिकायतें एक बार फिर चर्चा में हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि बुढ़ार क्षेत्र में अवैध शराब पैकारी को लेकर लगातार खबरें प्रकाशित होने और सवाल उठाए जाने के बावजूद आबकारी विभाग तथा पुलिस विभाग की प्रभावी कार्रवाई सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ रही है।

आखिर ऐसा क्या कारण है कि बार-बार मामला सामने आने के बाद भी कथित अवैध शराब कारोबार पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा हैड़ क्या जिम्मेदार विभागों को इन गतिविधियों की जानकारी नहीं है, या फिर शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहाड़

लगातार खबरों के बाद भी आबकारी और पुलिस विभाग मौन क्योंड़

बुढ़ार क्षेत्र में कथित अवैध शराब पैकारी को लेकर लगातार समाचार प्रकाशित किए जा रहे हैं। शराब की अवैध सप्लाई, अलग-अलग क्षेत्रों में कथित तौर पर पैकारी और निर्धारित प्रिंट रेट से अधिक कीमत पर शराब बिक्री जैसे मुद्दे बार-बार उठाए जा रहे हैं।

इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर लोगों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इन शिकायतों पर अब तक क्या ठोस कार्रवाई हुईड़

आबकारी विभाग का काम शराब के अवैध कारोबार पर नियंत्रण रखना और लाइसेंसधारी दुकानों की निगरानी करना है। वहीं अवैध गतिविधियों तथा कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में पुलिस विभाग की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब बुढ़ार क्षेत्र में लगातार अवैध पैकारी की शिकायतें और खबरें सामने आ रही हैं, तो आबकारी विभाग और पुलिस विभाग संयुक्त रूप से जांच कर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहेड़

क्या जिम्मेदार अधिकारियों ने इन

खबरों और शिकायतों का संज्ञान लिया हैड़ यदि लिया है तो अब तक की कार्रवाई सार्वजनिक क्यों नहीं की गईड़

शराब माफियाओं के हौसले बुलंद, विभागीय निगरानी पर सवाल

स्थानीय स्तर पर उठ रही शिकायतों के अनुसार बुढ़ार क्षेत्र के कुछ स्थानों पर कथित तौर पर अवैध शराब पैकारी का कारोबार संचालित होने की बात कही जा रही है।

आरोप हैं कि शराब दुकानों से जुड़े कुछ लोग निर्धारित व्यवस्था से बाहर जाकर अलग-अलग क्षेत्रों में शराब की सप्लाई कर रहे हैं। यदि इन शिकायतों में सच्चाई है तो यह आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था के लिए गंभीर विषय है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन स्थानों पर कथित तौर पर अवैध शराब की बिक्री हो रही है, वहां जिम्मेदार विभागों की नजर क्यों नहीं पहुंच रहीड़

क्या इन गतिविधियों की जानकारी संबंधित अधिकारियों तक नहीं पहुंचीड़ क्या शिकायतों के बाद भी निरीक्षण और दबिश की कार्रवाई नहीं हुईड़ अथवा कार्रवाई के नाम पर केवल औपचारिकता निभाई जा रही हैड़ बुढ़ार में शराब कारोबार से जुड़े इन आरोपों की निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है, ताकि वास्तविक स्थिति जनता के सामने आ सके।

प्रिंट रेट से अधिक कीमत पर शराब बिक्री, उपभोक्ताओं की जेब पर बोझ

बुढ़ार क्षेत्र में शराब की बोतलों पर अंकित प्रिंट रेट से अधिक कीमत वसूलने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं।

शराब खरीदने वाले उपभोक्ताओं का आरोप है कि कुछ स्थानों पर निर्धारित मूल्य से अधिक राशि मांगी जाती है। यदि ऐसा हो रहा है तो यह उपभोक्ताओं के हितों से जुड़ा गंभीर मामला है।

आखिर ग्राहक निर्धारित मूल्य से अधिक राशि क्यों देड़ क्या शराब दुकानों पर मूल्य सूची प्रदर्शित की जा रही हैड़ क्या आबकारी विभाग के अधिकारी वास्तविक बिक्री मूल्य और बिलिंग की जांच करते हैंड़

विभाग को चाहिए कि दुकानों के बिक्री रिकॉर्ड, स्टॉक, बिल और बोतलों पर अंकित मूल्य का मिलान कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करे।

आबकारी के साथ पुलिस विभाग की जवाबदेही भी जरूरी

अवैध शराब कारोबार पर नियंत्रण केवल आबकारी विभाग की जिम्मेदारी तक सीमित नहीं है। यदि किसी क्षेत्र में अवैध शराब का परिवहन, भंडारण अथवा बिक्री हो रही है तो कानून के अनुसार पुलिस विभाग की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

बुढ़ार क्षेत्र में लगातार खबरें और शिकायतें सामने आने के बाद पुलिस विभाग की कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

आखिर पुलिस विभाग ने अवैध शराब पैकारी के कथित ठिकानों की जांच के लिए अब तक क्या कदम उठाएड़ क्या ऐसे स्थानों पर औचक दबिश दी गईड़ क्या शराब के अवैध परिवहन और बिक्री से जुड़े लोगों के विरुद्ध कोई प्रकरण दर्ज किया गयाड़

यदि कार्रवाई हुई है तो उसका विवरण जनता के सामने आना चाहिए। और यदि कार्रवाई नहीं हुई है तो इसका कारण स्पष्ट किया जाना चाहिए।

देवास की घटना ने फिर याद दिलाया कि अवैध शराब कारोबार कितना गंभीर मुद्दा है

देवास जिले के खातेगांव में थाना प्रभारी निरीक्षक दिलीप पुरी की मौत की घटना ने पूरे प्रदेश में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चर्चा शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। स्पेशल डीजी श्री उपेंद्र जैन को घटनास्थल रवाना किया गया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत थाना प्रभारी की धर्मपत्नी को अनुकंपा नियुक्ति के तहत एसआई पद पर नियुक्ति तथा परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश भी दिए हैं।

खातेगांव की घटना और बुढ़ार में अवैध शराब पैकारी को लेकर उठ रही शिकायतें अलग-अलग मामले हैं, लेकिन दोनों के संदर्भ में अवैध शराब कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण और जिम्मेदार विभागों की जवाबदेही का सवाल महत्वपूर्ण हो जाता है।

क्या वरिष्ठ अधिकारी कराएंगे बुढ़ार में औचक जांचड़

अब जरूरत है कि जिला प्रशासन, जिला आबकारी अधिकारी, पुलिस अधीक्षक और संभागीय स्तर के वरिष्ठ अधिकारी बुढ़ार क्षेत्र की वास्तविक स्थिति का संज्ञान लें।

जांच केवल लाइसेंसधारी शराब दुकानों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उन स्थानों का भी सत्यापन होना चाहिए जहां कथित अवैध पैकारी की शिकायतें सामने आ रही हैं।

जांच के प्रमुख बिंदुः

1. बुढ़ार क्षेत्र में शराब दुकानों से होने वाली सप्लाई और वितरण रिकॉर्ड की जांच।
. कथित अवैध पैकारी के ठिकानों पर औचक दबिश।
. शराब की बोतलों पर अंकित प्रिंट रेट और वास्तविक बिक्री मूल्य का मिलान।
. निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूलने की शिकायतों की जांच।
शराब दुकानों के स्टॉक और बिक्री रिकॉर्ड का सत्यापन।
. अवैध शराब परिवहन और भंडारण से जुड़े मामलों की जांच।
पूर्व में प्रकाशित खबरों और प्राप्त शिकायतों पर विभागीय कार्रवाई की समीक्षा।
यदि किसी अधिकारी, कर्मचारी या कारोबारी की मिलीभगत सामने आती है तो नियमानुसार कठोर कार्रवाई।

जिम्मेदार अधिकारियों से सीधे सवाल

– लगातार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी बुढ़ार में अवैध पैकारी पर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं दिख रहीड़
– आबकारी विभाग ने अब तक कितने कथित पैकारी ठिकानों पर दबिश दीड़
– क्या पुलिस विभाग को अवैध शराब बिक्री की शिकायतें प्राप्त हुई हैंड़
– प्रिंट रेट से अधिक कीमत वसूलने वालों पर अब तक क्या कार्रवाई हुईड़
– क्या शराब दुकानों के स्टॉक और सप्लाई रिकॉर्ड की जांच की गईड़
– क्या आबकारी और पुलिस विभाग संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाएंगेड़
– यदि शिकायतें सही पाई जाती हैं तो जिम्मेदार अधिकारियों और कारोबारियों पर कार्रवाई कब होगीड़

अब चुप्पी नहीं, कार्रवाई और जवाबदेही चाहिए!

बुढ़ार क्षेत्र में अवैध शराब पैकारी और ओवररेटिंग को लेकर लगातार उठ रहे सवालों को अब नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

समाचार प्रकाशित होने का उद्देश्य किसी व्यक्ति या विभाग की छवि खराब करना नहीं, बल्कि जनहित से जुड़े मुद्दों को जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचाना और वास्तविक स्थिति सामने लाना है।

यदि बुढ़ार में अवैध पैकारी संचालित होने की शिकायतें सही हैं तो इसके पीछे काम कर रही पूरी कड़ी की जांच होनी चाहिए। यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि शराब की सप्लाई कहां से हो रही है, किन लोगों तक पहुंच रही है और इस पूरे नेटवर्क की निगरानी की जिम्मेदारी किसकी है। यदि आरोप निराधार हैं तो आबकारी और पुलिस विभाग को तथ्यों के साथ स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

दैनिक क्राइम दर्पण का सीधा सवाल— बुढ़ार में लगातार अवैध शराब पैकारी की खबरें सामने आने के बावजूद आबकारी और पुलिस विभाग मौन क्यों हैंड़ शराब माफियाओं के हौसले इतने बुलंद कैसे हैंड़ क्या जिम्मेदार विभागों को इन गतिविधियों की जानकारी नहीं है, या कार्रवाई का इंतजार अभी और लंबा चलेगाड़ अब देखना होगा कि जिला प्रशासन, आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और पुलिस विभाग इन गंभीर सवालों पर कब संज्ञान लेते हैं और बुढ़ार में कथित अवैध शराब कारोबार की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति जनता के सामने कब लाते हैं।

अज्ञात नवजात शिशु (बालक) उम्र 01 माह को जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर वैढन के SNCU/NRC से सेवा भारती मातृ छाया सदन उतैली सतना भेजकर संरक्षित करवाया गया।

बिलासपुर

सिंगरौली/- बाल कल्याण समिति जिला सिंगरौली द्वारा अज्ञात नवजात शिशुओ को मातृत्व के वात्सल्य में संरक्षित करवाएं जाने का पुनीत कार्य मानवता और सामाजिक उत्तरदायित्व का अद्भुत उदाहरण है।

इस मामले में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग,महिला बाल विकास विभाग,पुलिस विभाग और बाल संरक्षण इकाई ने बाल कल्याण समिति सिंगरौली के साथ त्वरित तत्परता दिखाते हुए शिशु को देखरेख संरक्षण लालन पालन पोषण हेतु संरक्षित और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाया गया। थाना चितरंगी अंतर्गत प्राप्त नवजात जिसे जिला चिकित्सालय ट्रामा सेंटर वैढन में प्रारंभिक चिकित्सीय जांच के उपरांत आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर सेवा भारती मातृ छाया सदन, उतैली सतना भेजवाकर संरक्षित करवाया गया। यह सदन सतना जिले में संचालित है तथा यहाँ कई वर्षों से बेसहारा, अज्ञात, और अनाथ नवजातों शिशुओं 0 से 6 वर्ष की देखभाल, लालन पालन-पोषण संरक्षण और दत्तक ग्रहण द्वारा पुनर्वास का कार्य किया जा रहा है। सेवा भारती द्वारा संचालित मातृ छाया सदन सतना विंध्य क्षेत्र का प्रमुख शिशु गृह है।

यहाँ पर 0 महीने से लेकर 6 वर्ष तक के बच्चों को आश्रय,चिकित्सा, शिक्षा और सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जाता है। इस केंद्र ने अब तक लगभग 215 से अधिक बेसहारा अनाथ अज्ञात बच्चों को सुरक्षित रखकर उन्हें भारतीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दत्तक ग्रहण के माध्यम से परिवार भी दिलवाए हैं।

ऐसे बच्चों की समुचित देखभाल के लिए प्रतीक्षा सूची, मेडिकल सुविधाएं, महिला सहायक व आउटडोर खेल सुविधाएँ मौजूद हैं। बाल कल्याण समिति सिंगरौली द्वारा नवजातो की सुरक्षा एवं देखभाल के लिए प्रमुख रूप से निर्देशित किया जाता है। बच्चे की भविष्य की जिम्मेदारी माता-पिता अथवा अभिभावकों के न मिल पाने की दशा में मातृ छाया को दी जाती है, साथ ही विधिवत दत्तक ग्रहण प्रक्रिया आरंभ की जाती है। ऐसे अज्ञात व बेसहारा शिशुओं/बच्चों को संरक्षण देना समाज का कर्तव्य है।

जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग,बाल विकास विभाग और समाजसेवी संगठनों की सतर्कता से इन नवजात को एक नया जीवन,आसरा और सुरक्षित बचपन मिलता है। माता-पिता विहीन बच्चों के लिए सेवा भारती जैसी संवेदनशील संस्थाएँ आशा की किरण बनकर उभरी हैं, जो बाल कल्याण और पुनर्वास की प्रेरणादायक मिसाल है। इस दौरान बाल कल्याण समिति जिला सिंगरौली के अध्यक्ष डॉ आर डी पाण्डेय, सदस्य गण देवधर शर्मा, पूनम मिश्रा, पूनम त्रिपाठी, रीना सिंह,महिला बाल विकास अधिकारी शैलेन्द्र साकेत, बाल संरक्षण अधिकारी नीरज शर्मा, पाक्सो सपोर्ट पर्सन विनोद सिंह ,कार्यालय प्रभारी सीमा सिंह,विशेष किशोर पुलिस इकाई प्रभारी अशोक सिंह तोमर,रक्षित निरीक्षक केशव सिंह,सिविल सर्जन डॉ कल्पना रवि, श्रवण पटेल,इंद्रावती विश्वकर्मा,सुनीता पटेल नर्सिंग स्टाफ अंजू दुबे,सुलोचनी शाह,रितेश सिंह उपस्थित रहकर प्रमुख रूप से सुचारू भूमिका का निर्वहन किया।

कोयला कंपनियों के खिलाफ ग्रामीणों का फूटा गुस्सा,सड़कों पर उतरे ग्रामीण

बिलासपुर

जिले में कोयला खनन कर रही टीएचडीसी अमिलिया कोल माइन और बंधा कोल ब्लॉक कंपनी के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश सड़कों पर देखने को मिला।गहिलरा ग्राम पंचायत के सरपंच के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कंपनी के वाहनों को रोककर विरोध प्रदर्शन किया।ग्रामीणों ने कंपनी प्रबंधन पर खनन कार्य में तेजी दिखाने, लेकिन स्थानीय लोगों की बुनियादी समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

खनन से प्रभावित गांव,लेकिन सुविधाओं के लिए तरस रहे ग्रामीण

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का कहना है कि उनका गांव कोयला कंपनियों के आसपास स्थित है।इन जंगलों से उनकी आजीविका जुड़ी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार तेंदूपत्ता, महुआ और डोरी जैसे वनोपज उनके परिवारों की आय का प्रमुख साधन रहे हैं। अब कंपनी क्षेत्र में कोयला निकाल रही है, लेकिन स्थानीय ग्रामीणों को इसके बदले मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं।

सड़क,नाली, बिजली और पानी की समस्या से परेशान ग्रामीण

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र की सड़कें और नालियां बदहाल हैं। बिजली की आपूर्ति अनियमित बनी हुई है तथा पेयजल की गंभीर समस्या से लोगों को जूझना पड़ रहा है।इन समस्याओं को लेकर कई बार टीएचडीसी अमिलिया कोल माइन और बंधा कोल ब्लॉक कंपनी प्रबंधन के समक्ष मांग रखी गई, लेकिन कोई ठोस पहल नहीं हुई।

मांगें पूरी नहीं हुईं तो नहीं चलने देंगे कंपनी के वाहन

लगातार अनदेखी से नाराज ग्रामीणों ने कंपनी के वाहनों को रोककर चक्काजाम किया। ग्रामीणों ने दो टूक चेतावनी दी कि जब तक सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक कंपनी के वाहनों को क्षेत्र से गुजरने नहीं दिया जाएगा।

अधिकारियों की समझाइश भी बेअसर,प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग

विस्थापित नेता एवं सरपंच जनक लाल सोनी ने कहा कि कंपनी गांव के आसपास खनन कर रही है,लेकिन स्थानीय लोगों को रोजगार देने और उनकी समस्याओं का निराकरण करने में गंभीरता नहीं दिखा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि खनन से क्षेत्र प्रभावित हो रहा है, ऐसे में कंपनी की जिम्मेदारी है कि प्रभावित गांवों के लोगों को रोजगार और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए।

विरोध की सूचना पर कंपनी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से हस्तक्षेप कर कंपनी प्रबंधन के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने और समस्याओं का शीघ्र निराकरण कराने की मांग की है।

सिंगरौली जिले में पराली एवं नरवाई जलाने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध

कलेक्टर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

बिलासपुर

पर्यावरण संरक्षण, जन-धन की सुरक्षा एवं मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के उद्देश्य से सिंगरौली जिले में खेतों में फसल अवशेष, नरवाई एवं पराली जलाने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अंकित अस्थाना ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार खेतों में नरवाई एवं फसल अवशेष जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होने के साथ मिट्टी की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। आग लगाने से मिट्टी में मौजूद लाभकारी सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की उपजाऊ क्षमता एवं फसल उत्पादन प्रभावित होता है। इसके अतिरिक्त आग

अनियंत्रित होकर जन-धन की हानि का कारण बन सकती है। पराली जलाने से जहरीली गैसों का उत्सर्जन होता है तथा पशुओं के लिए भूसे की उपलब्धता भी प्रभावित होती है।

कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में यह भी निर्देशित किया गया है कि जिले की सीमा में बिना सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम (SMS Cutter) के किसी भी हार्वेस्टर का उपयोग फसल कटाई के लिए नहीं किया जाएगा। हार्वेस्टर संचालकों के लिए फसल कटाई के दौरान इस सिस्टम का उपयोग अनिवार्य किया गया है, ताकि फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन सुनिश्चित हो सके और उन्हें जलाने की आवश्यकता न पड़े। आदेश जनसामान्य के स्वास्थ्य एवं सार्वजनिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एकपक्षीय रूप से तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 एवं अन्य सुसंगत कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज में 5 खिलाड़ियों का दिखेगा जलवा!

कोहली-रोहित पर रहेंगी सबकी नजरें, कीवी टीम के दो धुरंधर बन सकते हैं बड़ा खतरा

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला का आगाज बुधवार (4 नवंबर) से होने जा रहा है। टी20 श्रृंखला में जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम अब एकदिवसीय मुकाबलों में भी अपना दबदबा कायम रखना चाहेगी। दूसरी तरफ न्यूजीलैंड की टीम भी आखिरी दो टी20 मुकाबलों में मिली शानदार जय को बरकरार रखते हुए भारतीय चुनौती का सामना करने उतरेगी। इस श्रृंखला में कई बड़े खिलाड़ी मैदान पर उतरेंगे, लेकिन पांच ऐसे नाम हैं जिनके प्रदर्शन पर क्रिकेट प्रेमियों की खास नजर रहने वाली है।

विराट कोहली न्यूजीलैंड में फिर दिखेगा बल्ले का जादू?- भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इस श्रृंखला के सबसे बड़े आकर्षण होंगे। न्यूजीलैंड की धरती पर उनका प्रदर्शन हमेशा शानदार रहा है। उन्होंने यहां खेले 11 एकदिवसीय मुकाबलों में 46 की औसत से 514 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और चार अर्धशतक निकले हैं। ऐसे में कोहली से एक बार फिर बड़ी पारियों की उम्मीद होगी।

रोहित शर्मा-विश्व कप की तैयारी के लिए अहम सीरीज- रोहित शर्मा के लिए भी यह श्रृंखला बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए उनके प्रदर्शन पर चयनकर्ताओं की नजर रहेगी। न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाजी के अनुकूल परिस्थितियों में रोहित को भारतीय टीम को मजबूत शुरुआत दिलाने की जिम्मेदारी निभानी होगी। उनके अनुभव और आक्रामक बल्लेबाजी से टीम को काफी उम्मीदें रहेंगी।

पांच मुकाबले, रोमांचक टक्कर और विश्व कप की तैयारी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए अपनी ताकत परखने का शानदार अवसर होगी। एक तरफ कोहली और रोहित जैसे अनुभवी खिलाड़ी होंगे, तो दूसरी तरफ फिलिप्स और मिचेल जैसे खतरनाक बल्लेबाज चुनौती पेश करेंगे। अब देखना दिलचस्प होगा कि इन पांच खिलाड़ियों में कौन अपने प्रदर्शन से सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरता है और किस टीम का पलड़ा भारी रहता है।

ग्लेन फिलिप्स : भारत के लिए बन सकते हैं सबसे बड़ा खतरा

न्यूजीलैंड के विस्फोटक बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। पांच मुकाबलों में उन्होंने 341 रन बनाए, जिसमें तीन अर्धशतक और एक शतक शामिल रहा। उनकी बल्लेबाजी में बड़े शॉट लगाने के साथ-साथ लंबी पारी खेलने की क्षमता भी दिखाई दी है। ऐसे में भारतीय गेंदबाजों के सामने उन्हें रोकने की बड़ी चुनौती होगी।

मोहम्मद सिराज : गेंद से दमदार करने का मौका| भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के लिए यह श्रृंखला खुद को साबित करने का बेहतरीन अवसर होगी। उन्हें साल 2026 में अब तक केवल चार एकदिवसीय मुकाबले खेलने का मौका मिला है, जिनमें उन्होंने चार विकेट हासिल किए हैं। उनका गेंदबाजी औसत 44 रहा है। हालांकि, न्यूजीलैंड ए के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट मुकाबले में उन्होंने अच्छी लय दिखाई थी। अब वह एकदिवसीय क्रिकेट में भी प्रभाव छोड़ना चाहेंगे।

5. डेरिल मिचेल - भारत के खिलाफ आंकड़े डराने वाले

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल भारतीय टीम के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं। भारत के खिलाफ उनका एकदिवसीय रिकॉर्ड बेहद शानदार है। उन्होंने 16 मुकाबलों में 72 की औसत से 938 रन बनाए हैं। इस दौरान चार शतक और तीन अर्धशतक लगाए हैं। साल 2026 में भी उनका बल्ला जमकर बोला है। छह मुकाबलों में वह 94 की औसत से 473 रन बना चुके हैं।

वनडे सीरीज में टीम इंडिया की असल परीक्षा

गेंदबाजी संयोजन पर नजर

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों में एकतरफा बढ़त बनाने के बाद आखिरी दो मैचों में मेजबान टीम की जोरदार वापसी ने टीम इंडिया के न्यूजीलैंड दौरे को रोमांचक मोड़ पर ला खड़ा किया है। अब दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की वनडे सीरीज बुधवार से शुरू होगी। सभी मुकाबले भारतीय समयानुसार सुबह 7.30 बजे खेले जाएंगे। टी-20 सीरीज में जीत-हार से इतर वैभव सूर्यवंशी के प्रदर्शन और टीम संयोजन को लेकर हुई चर्चा के बाद वनडे फॉर्मेट में विराट कोहली और रोहित शर्मा की मौजूदगी भारतीय टीम के लिए सबसे अहम पहलू होगी। दरअसल, आगामी वनडे वर्ल्ड कप के मद्देनजर यह सीरीज टीम इंडिया के लिए अपनी तैयारियों को परखने का असली मौका है। क्रिकेट प्रेमियों के नजरिये से भले ही इस सीरीज को रो..को.. के वर्ल्ड कप तक के सफर की एक और कड़ी के रूप में देखा जा रहा हो, लेकिन टीम मैनजमेंट और चयनकर्ताओं के लिए इसका महत्व इससे कहीं अधिक है। विदेशी सरजमीं में होने वाले 2027 वनडे वर्ल्ड कप से पहले टीम को अपनी ताकत और कमजोरियों का आकलन करना होगा। न्यूजीलैंड दौरे के बाद टीम इंडिया को घरेलू मैदानों पर श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले खेलने हैं। ऐसे में वनडे सीरीज के जरिए टीम संयोजन और खिलाड़ियों की भूमिका तय करना बेहद जरूरी होगा। टी-20 के बाद वनडे फॉर्मेट में कप्तान और खिलाड़ियों के बदलने से टीम की रणनीति में भी बदलाव देखने को मिलेगा। हालांकि, न्यूजीलैंड की जमीन पर टीम इंडिया के बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए सीरीज चुनौतीपूर्ण रहेगी। तेज हवाओं, उछाल और सीम मूवमेंट के बीच भारतीय खिलाड़ियों की तकनीक और हालात के हिसाब से ढलने की भी परीक्षा होगी। लेकिन इन तमाम पहलुओं के बीच टीम इंडिया की सबसे बड़ी चुनौती एक बार फिर संतुलित एकादश तैयार करने की रहेगी। असल समस्या हार्दिक पंड्या के प्रभावी विकल्प को लेकर है। लगातार प्रयोगों के बावजूद टीम इंडिया अब तक ऐसा खिलाड़ी तलाश नहीं कर पाई है, जो छठे नंबर पर बल्लेबाजी की जिम्मेदारी निभाने के साथ अपने कोटे के ओवर भी पूरे कर सके। किसी भी मजबूत वनडे टीम के लिए यह भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। यही वह कड़ी है, जिसकी कमी टीम इंडिया के दमदार संयोजन को प्रभावित कर रही है। नतीजतन एकादश में दो के बजाय तीन ऑलराउंडरों को शामिल करने और केवल तीन विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरने की रणनीति अपनानी पड़ रही है। व्हाइट बॉल क्रिकेट में टीम इंडिया का टॉप 5 बल्लेबाजों का क्रम हमेशा मजबूत नजर आता है। रोहित और विराट जैसे अनुभवी बल्लेबाजों की मौजूदगी मध्यक्रम को भी मजबूती देती है। लेकिन सिर्फ मजबूत बल्लेबाजी के दम पर वर्ल्ड चैंपियन बनने की राह आसान नहीं हो सकती। यदि गेंदबाजी आक्रमण में पर्याप्त विविधता और गहराई नहीं होगी तो बड़े मुकाबलों में इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। यह सही है कि कोई भी चैंपियन टीम लगातार जीत हासिल नहीं कर सकती, लेकिन जब बार-बार होने वाली हार के पीछे एक जैसी कमजोरी दिखाई दे तो उसे नजरअंदाज करना समझदारी नहीं होगी। टीम इंडिया के हालिया प्रदर्शन ने यह स्पष्ट किया है कि उसके गेंदबाजी संयोजन और ऑलराउंडर विकल्पों पर गंभीरता से काम करने की जरूरत है। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में असल परीक्षा भी इसी मोर्चे पर होगी। सवाल सिर्फ 5 मैचों की सीरीज जीतने का नहीं, बल्कि उस मजबूत टीम की तलाश का है जो विदेशी सरजमीं पर होने वाले 2027 वनडे वर्ल्ड कप में खिताब की दावेदार बन सके।

आलोक गोरखामी
खेल विश्लेषक

यूथ ओलंपिक में भारत को दोहरी सफलता

जूडो में खुशबू ने जीता रजत, तैराक धिनिधि ने कांस्य पर जमाया कब्जा

दकार , एजेंसी

यूथ ओलंपिक गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारत की युवा जूडो खिलाड़ी खुशबू राजकभाई ने महिलाओं के 63 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया, जबकि तैराकी में धिनिधि देसिंघु ने महिलाओं की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया।

15 वर्षीय खुशबू राजकभाई ने महिलाओं के 63 किलोग्राम जूडो वर्ग के फाइनल तक शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, खिताबी मुकाबले में उन्हें जर्मनी की जोलिना राइनहोल्ड के हाथों हार का सामना करना पड़ा। जर्मन खिलाड़ी ने महज 48 सेकंड में इप्पोन के जरिए मुकाबला अपने नाम कर लिया और खुशबू को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। खुशबू यूथ ओलंपिक में पदक जीतने वाली भारत की दूसरी जूडो खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले 2018 में ब्यूनस आयर्स यूथ ओलंपिक में थांगजाम तबाबी देवी ने महिलाओं के 44 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता था। खुशबू ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान बेहतरीन खेल दिखाया। उन्होंने राउंड ऑफ 16 में गिनी की मामाइसाटा कैमारा को 1-0 से हराया। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में मोरक्को की अबीर बुआज्जाउई को इप्पोन से शिकस्त दी। सेमीफाइनल में खुशबू ने अल्जीरिया की दुनिया बेराहुआल को हराकर फाइनल में जगह बनाई।

धिनिधि ने 100 मीटर फ्रीस्टाइल में जीता कांस्य

तैराकी में 16 वर्षीय धिनिधि देसिंघु ने महिलाओं की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में 56.27 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक हासिल किया। इस स्पर्धा में क्रोएशिया की एना कोवाचेविच ने 55.89 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि न्यूजीलैंड की एलिसा लॉसन 56.13 सेकंड में रेस पूरी कर रजत पदक जीतने में सफल रहीं। धिनिधि ने फाइनल से पहले ही अपनी प्रतिभा का परिचय दे दिया था। उन्होंने हीट में 56.80 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया और फाइनल के लिए तीसरी सबसे तेज तैराक के रूप में क्वालीफाई किया था।

यशस्वी जायसवाल का पत्ता काटेंगे ईशान किशन?

2027 वर्ल्ड कप के लिए मिला तिहरी भूमिका वाला खिलाड़ी, चयनकर्ताओं की बढ़ी उलझन!

नई दिल्ली, एजेंसी

वनडे वर्ल्ड कप 2027 को लेकर टीम इंडिया की तैयारियां धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रही हैं। अभी टूर्नामेंट में काफी समय बाकी है, लेकिन भारतीय टीम के चयनकर्ताओं के सामने खिलाड़ियों के चयन को लेकर दिलचस्प मुकाबला शुरू हो चुका है। इस रेस में अब विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन का नाम तेजी से चर्चा में है। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों के लिए उन्हें उपकप्तानी की जिम्मेदारी मिलना भी उनके बढ़ते कद का संकेत माना जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या ईशान किशन अपनी बहुउपयोगिता के दम पर यशस्वी जायसवाल को पीछे छोड़ सकते हैं?

ईशान किशन की सबसे बड़ी ताकत उनकी बल्लेबाजी के साथ तीन अलग-अलग भूमिकाएं निभाने की क्षमता है। वह टीम के लिए ओपनिंग कर सकते हैं, विकेटकीपर की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं और जरूरत पड़ने पर मिडिल ऑर्डर में भी उतर सकते हैं। वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में जहां केवल 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी जाती है, वहां ऐसे खिलाड़ियों की अहमियत बढ़ जाती है, जो एक से ज्यादा जिम्मेदारियां निभा सकें।

यशस्वी जायसवाल की बल्लेबाजी प्रतिभा पर कोई सवाल नहीं है। वनडे क्रिकेट की शुरुआती छह पारियों में दो शतक लगाने वाले वह भारत के इकलौते बल्लेबाज हैं। इसके बावजूद उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती टीम इंडिया का मौजूदा ओपनिंग कॉम्बिनेशन है। रोहित शर्मा और शुभमन गिल की जोड़ी को देखते हुए जायसवाल के लिए प्लेइंग इलेवन में जगह बनाना आसान नहीं होगा। रोहित ने वनडे में शानदार बल्लेबाजी से अपनी दावेदारी मजबूत की है।

मिडिल ऑर्डर में भी ईशान का दमदार रिकॉर्ड

ईशान किशन केवल ओपनिंग के भरोसे रहने वाले बल्लेबाज नहीं हैं। वह मिडिल ऑर्डर में भी तेजी से रन बनाने की क्षमता रखते हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए उनकी 79 गेंदों में शतक जड़ने वाली पारी इसका उदाहरण है। ओपनर के रूप में नौ वनडे पारियों में उन्होंने 61.87 की औसत से रन बनाए हैं। वहीं अन्य बल्लेबाजी क्रमों पर भी उनका स्ट्राइक रेट 97.45 रहा है। उनका आक्रामक अंदाज और विकेटकीपिंग की क्षमता उन्हें चयनकर्ताओं के लिए उपयोगी विकल्प बनाती है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद ईशान ने टी20 फॉर्मेट में भी शानदार प्रदर्शन किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के आखिरी मुकाबले में उन्होंने महज 32 गेंदों पर 61 रन की विस्फोटक पारी खेलकर अपनी बल्लेबाजी का दम दिखाया। अब वनडे सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों में उनके प्रदर्शन पर नजर रहेगी। इन मुकाबलों में उन्हें उपकप्तानी की जिम्मेदारी भी मिली है।

ग्लेन मैक्सवेल ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

टी-20 इंटरनेशनल में ऑस्ट्रेलिया के तीसरे टॉप स्कोरर, मेलबर्न स्टार्स के लिए खेलते रहेंगे

□ एजेंसी शारजाह

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अब इंटरनेशनल क्रिकेट में नहीं खेलेंगे। 38 साल के मैक्सवेल ने टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया है। वे जून 2025 में वनडे क्रिकेट को भी अलविदा कह चुके हैं।

उन्होंने लिस्ट ए और फर्स्ट-क्लास क्रिकेट से भी संन्यास लिया है। हालांकि, वे मेलबर्न स्टार्स के लिए बिग बैश लीग खेलते रहेंगे। टीम के साथ उनका कॉन्ट्रैक्ट 2027-28 सीजन तक है। वे में भी खेल सकते हैं।

मैक्सवेल ने आखिरी इंटरनेशनल मैच फरवरी 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप में ओमान के खिलाफ खेला था। यह ऑस्ट्रेलिया का आखिरी ग्रुप मैच था।

130 टी-20 इंटरनेशनल खेले

मैक्सवेल ने 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था। उन्होंने 130 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 2,897 रन बनाए। वे इस फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया के लिए तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके नाम 5 शतक दर्ज हैं। भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम भी टी-20 इंटरनेशनल में इतने ही शतक हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 7 टेस्ट भी खेले। इसमें 339 रन बनाए। उनका इकलौता टेस्ट शतक 2017 में भारत के खिलाफ रांची में आया था।

फ्यूचर को लेकर लगातार बातचीत, पर दबाव नहीं था

मैक्सवेल ने कहा कि उनके भविष्य को लेकर कुछ समय से बातचीत चल रही थी। 'द फाइनल वर्ड' पॉडकास्ट में उन्होंने बताया कि टी-20 वर्ल्ड कप से पहले और बाद में इस पर चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा, टीम मैनेजमेंट की ओर से कोई दबाव नहीं था। हमने वापसी का रास्ता खुला रखा था। कुछ सीरीज में टीम नए खिलाड़ियों को मौका देना चाहती थी। बांग्लादेश में ऐसा हुआ और खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

एमसीजी में विदाई मैच की उम्मीद थी

इंग्लैंड के खिलाफ व्हाइट-बॉल दौरे में मेलबर्न में एक टी-20 मैच खेला जाएगा। मैक्सवेल को उम्मीद थी कि ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड उन्हें अपने घरेलू मैदान रूष्ट्र पर विदाई मैच खेलने का मौका देगा। उन्होंने कहा कि पिछले 15 साल में यह फॉर्मेट उनके लिए घर जैसा रहा है, इसलिए वे मेलबर्न में यादगार विदाई चाहते थे।

मैक्सवेल ने बताया कि इंग्लैंड के खिलाफ इस मैच में खेलने का विकल्प था, लेकिन उन्होंने बीबीएम की तैयारी को प्राथमिकता दी। वे घुटने की चोट से उबरने के लिए 8 हफ्ते तक रिहैब करेंगे, ताकि बिग बैश लीग के लिए फिट हो सकें।

भारत-पाकिस्तान मैच के टिकटों की मांग फाइनल से भी ज्यादा

वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीटें 34 हजार, आवेदन आए 84 लाख ; जोहान्सबर्ग में मुकाबला होगा वर्ल्ड कप

□ एजेंसी मीरपुर

वनडे वर्ल्ड कप 2027 में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है। 10 अक्टूबर के इस मैच के टिकटों के लिए 84 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए हैं। जोहान्सबर्ग के स्टेडियम की दर्शक क्षमता सिर्फ 34 हजार है। यानी उपलब्ध सीटों के मुकाबले करीब 247 गुना ज्यादा आवेदन आए हैं।

फाइनल के लिए भी 79 लाख आवेदन

टिकटों की मांग के मामले में भारत-पाकिस्तान मुकाबला पहले नंबर पर है। द्रुष्टष्ट के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान मैच के लिए कुल 83,97,294 टिकट आवेदन मिले हैं। 21 नवंबर को इसी स्टेडियम में होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल के लिए 79,00,944 रजिट्रेशन हुए हैं।

21 नवंबर तक टिकट के लिए रजिस्ट्रेशन होंगे

वर्ल्ड कप के टिकटों के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 21 नवंबर 2026 तक जारी रहेगी। इसमें पहले रजिस्ट्रेशन होगा और मांग ज्यादा होने पर कंप्यूटराइज्ड रैंडम लॉटरी से टिकट खरीदने के लिए आवेदकों का चयन किया जाएगा। यह पहले आओ-पहले पाओ वाला सिस्टम नहीं है।

193 देशों से मिले 12 करोड़ आवेदन

आईसीसी को अब तक टूर्नामेंट के लिए 193 देशों से 12 करोड़ से ज्यादा टिकट आवेदन मिले हैं। साउथ अफ्रीका में होने वाले 41 मैचों के लिए ही 10.5 करोड़ से ज्यादा आवेदन मिले हैं। इनमें मेजबान टीम के मैचों के लिए करीब 2.6 करोड़ आवेदन आए हैं।

24 साल बाद अफ्रीका में होगा वर्ल्ड कप

वनडे वर्ल्ड कप 24 साल बाद अफ्रीकी धरती पर लौटेगा। साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से इसकी मेजबानी करेंगे। टूर्नामेंट में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और 12 वेन्यू पर कुल 57 मैच खेले जाएंगे।

वर्ल्ड कप के लिए 12 वेन्यू में से 8 साउथ अफ्रीका, 3 जिम्बाब्वे और 1 नामीबिया में है। नामीबिया पहली बार मेंस के सीनियर वर्ल्ड कप के मैचों की मेजबानी करेगा। साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे इससे पहले 2003 वर्ल्ड कप की मेजबानी कर चुके हैं।

क्रिकेट में पहले भी लॉटरी से टिकट बांटे गए

2011 वनडे वर्ल्ड कप- भारत में सेमीफाइनल और फाइनल के टिकटों के लिए आईसीसी ने पब्लिक बैलट सिस्टम अपनाया था। वेबसाइट पर भारी ट्रैफिक के कारण टिकट बिक्री में परेशानी आई थी।

2016 टी-20 वर्ल्ड कप- भारत के मैचों, सेमीफाइनल और फाइनल के टिकटों के लिए लॉटरी सिस्टम रखा गया था। सफल आवेदकों को टिकट खरीदने का मौका मिला था।

2019 वनडे वर्ल्ड कप- आईसीसी ने दो स्टेज में टिकट बैलट कराया था। इसमें पहले क्रिकेट फैमिली बैलट और फिर पब्लिक बैलट शामिल था। 2024 टी-20 वर्ल्ड कप- आईसीसी ने पब्लिक टिकट बैलट कराया था। भारत-पाकिस्तान मैच के लिए भी टिकटों

साइबर अपराधियों के नए हथकंडों से सतर्क रहें लोग : अमित रविदास

नारायणपुर थाना क्षेत्र से पीएनबी और यूको बैंक अधिकारी बनकर साइबर ठगी करने वाले चार अपराधी गिरफ्तार,11 मोबाइल और 15 सिम कार्ड भी बरामद

रफ्तार मीडिया संवाददाता

जामताड़ा : साइबर अपराध के खिलाफ जामताड़ा पुलिस ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई करते हुए चार कथित साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नारायणपुर थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर इन आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 11 मोबाइल फोन और 15 सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से साइबर अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है। मंगलवार को साइबर थाना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में साइबर पुलिस उपाधीक्षक अमित रविदास ने बताया कि पुलिस अधीक्षक शम्भू कुमार सिंह को साइबर अपराध की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद उनके निर्देश पर उनके नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी राजेश मंडल एवं पुलिस निरीक्षक कृष्णा कुमार की मौजूदगी में छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने पहली छापेमारी नारायणपुर थाना क्षेत्र के पतरोडीह गांव में की, जहां साइबर अपराध करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरी छापेमारी पबिया से चिरूडीह जाने वाले रास्ते के समीप परती जमीन पर की गई, जहां से दो अन्य आरोपियों को पकड़ा गया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पतरोडीह निवासी दिलबहार अंसारी (25 वर्ष) और सहबाज अंसारी (23 वर्ष), लोकनियां निवासी चन्द प्रकाश दास (36 वर्ष) तथा मोहलीडीह निवासी आनंद दास (42 वर्ष)के रूप में हुई है। सभी नारायणपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। डीएसपी ने बताया कि आरोपियों का ठगी करने का तरीका काफी शातिर था। वे पंजाब नेशनल बैंक और यूको बैंक केवाईसी अपडेट करने के नाम पर लोगों को फोन करते थे। इसके अलावा क्रेडिट कार्ड बंद होने और नया कार्ड उपलब्ध कराने का झांसा देकर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। इसके बाद पीड़ितों के मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड करवाकर बैंकिंग और क्रेडिट कार्ड से संबंधित गोपनीय जानकारी हासिल कर साइबर ठगी करते थे। इस मामले में साइबर अपराध थाना कांड संख्या 70/26 के तहत बीएनएस 2023, आईटी एक्ट एवं टेलीकम्युनिकेशन एक्ट की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बोकारो में चर्चित शंकर रवानी हत्याकांड का फरार साजिशकर्ता नागेश्वर सिंह गिरफ्तार, बीजीएच में इलाज कराने पहुंचा था आरोपी

रफ्तार मीडिया संवाददाता

बोकारो : बोकारो के बहुचर्चित शंकर रवानी हत्याकांड में पिछले करीब दो वर्षों से फरार चल रहे नामजद अभियुक्त नागेश्वर सिंह को पुलिस ने दबोच लिया है। हरला थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उसे बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) परिसर से गिरफ्तार किया। आरोपी अस्पताल में अपना इलाज कराने पहुंचा था, तभी पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया।

साजिश और रेकी में थी मुख्य भूमिका

पुलिस अधिकारी ने प्रेस वार्ता में बताया कि हरला थाना कांड संख्या 78/24 के तहत दर्ज इस मामले में नागेश्वर सिंह (पिता लक्ष्मण सिंह, निवासी चेताटांड़, महुआटांड़) नामजद अभियुक्त था। न्यायालय द्वारा उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) भी जारी किया गया था। जांच में सामने आया है कि हत्याकांड को अंजाम देने से पहले उसने रेकी की थी और पूरी साजिश रचने में उसकी सक्रिय भूमिका रही थी। उसका पुराना आपराधिक इतिहास भी रहा है और उसके खिलाफ पहले से दो मामले दर्ज हैं।

22 में से 11 आरोपी जा चुके हैं जेल, मुख्य शूटर की तलाश जारी

पुलिस के अनुसार, इस पूरे हत्याकांड में अनुसंधान और अभियुक्तों के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर कुल 22 लोगों के नाम सामने आए थे। इनमें से 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है और उनके खिलाफ आरोप पत्र (चार्जशीट) भी समर्पित किया जा चुका है। मामले का मुख्य शूटर सिपु कुमार (निवासी मोकामा, बिहार) अभी भी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। वहीं, जमानत पर बाहर चल रहे आरोपी राजू दुबे की संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए उस पर सीसीए (CCA) लगाने की कानूनी प्रक्रिया जारी है। गिरफ्तार नागेश्वर सिंह से पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

एनएच पर बने गड्ढे लगातार दुर्घटना का बन रही है कारण

रफ्तार मीडिया संवाददाता

गुमला : गुमला जिला से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने गड्ढे लोगों की मौत का कारण बन रहा है वहीं सड़क को मरवाती ना करवा कर मिट्टी भरकर सड़क की स्थिति को और खतरनाक बन रहा है प्रशासन स्थितियां दिन प्रतिदिन और बदहाल होती जा रही है। गुमला जिला से गुजरने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग 143 का हिस्सा स्थान पर टूट जाने के कारण सड़क काफी खतरनाक बनती जा रही है यह सड़क गुमला को लोहरदगा होते हुए लातेहार पलामू बनारस को जोड़ने का काम करती है बावजूद इसके इस सड़क की स्थिति इतनी खराब होने से कई तरह के सवाल खड़े होते हैं गुमला जिला मुख्यालय से मैच कुछ दूरी पर खत्म नदी के समय सड़क पर बने कई स्थानों पर गड्ढे लगातार दुर्घटना का कारण बन रही है जिसके कारण कई लोगों की जान भी चली गई है बावजूद इसके प्रशासन और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की ओर से इस सड़क को बेहतर बनाने को लेकर कोई पल नहीं किया जा रहा है। जिससे लोगों में काफी आक्रोश का माहौल है और लोगों ने स्पष्ट कहा है कि इस सड़क को बेहतर नहीं किए जाने से कई लोगों की जान भी चली गई है स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता संतोष कुमार सिंह की माने तो या सड़क लगातार लापरवाही के कारण बर्बाद होता जा रहा है और इसे बनवाने के लिए प्रशासन की ओर से पहल नहीं होना निश्चित रूप से काफी चिंता का विषय है उन्होंने स्पष्ट कहा है कि या सड़क 24 घंटा वाहनों की सक्रियता के कारण बिजी रहता है लेकिन इस सड़क की मर्मती को लेकर प्रशासन की ओर से पहल नहीं होने से समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही है वहीं स्थानीय युवक विकास कुमार की माने तो दुर्भाग्य की बात है कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर इस तरह के गधों पर मिट्टी का डाल देना सड़क और खतरनाक बनाने जैसा है उन्होंने कहा कि हल्की बारिश होने के बाद लोगों को यह पता ही नहीं चल पाता है कि किस स्थान पर गड्ढा है और कहां सड़क समतल है जिसके कारण बाइक सवार स्कूटी सवार लोग कई बार गिर कर अपनी जान भी गवा चुके हैं वही जो बड़ी गाड़ी आती है उसे भी पता नहीं चल पाता है कि सड़क की स्थिति कैसी है जिसके कारण कई बार अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों ने स्कूल लेकर कई बार प्रशासन से इसकी मर्मती करवाने की मांग की है लेकिन प्रशासन की ओर से ध्यान नहीं दिए जाने के कारण सड़क की स्थिति लगातार बढ़ती जा रही है विकास कुमार की माने तो यह सड़क गुमला को लातेहार और पलामू से होते हुए प्रधानमंत्री की संसदीय क्षेत्र बनारस से जोड़ती है बावजूद इसके इस सड़क को बेहतर करवाने की वजह है विभाग इस सड़क को पूरी तरह से अनदेखी कर रहा है जिससे कि लगातार हादसा हो रहा है और जिनकी जान जाती है उनके परिवार वाले पूरी तरह से सड़क पर आ जाते हैं इन तमाम चीजों को लेकर सरकार और प्रशासन गंभीर नहीं है जिसके कारण इस तरह की दुर्घटनाएं कम नहीं हो पा रही है।

तालाब में डूबने से 25 वर्षीय संदीप पाहन की मौत

रात में नहाने गया था, सुबह तालाब में मिला शव

रफ्तार मीडिया संवाददाता

अनगड़ा : हेसल तालाब में डूबने से 25 वर्षीय युवक संदीप पाहन की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और सनसनी का माहौल है। मृतक की पहचान हेसल गांव निवासी स्वर्गीय झलिया पाहन के पुत्र संदीप पाहन के रूप में हुई है। बताया गया कि संदीप पाहन बीती रात करीब 11 बजे गांव के तालाब में नहाने गया था। इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा। परिजन रातभर उसकी वापसी का इंतजार करते रहे। मंगलवार की सुबह जब ग्रामीण तालाब की ओर गए, तो किनारे पर संदीप के कपड़े पड़े मिले। कपड़ों को देखकर ग्रामीणों ने उसके तालाब में डूबने की आशंका जताई। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण तालाब के किनारे जुट गए। इसकी सूचना तत्काल अनगड़ा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और गोताखोरों की मदद से तालाब में खोजबीन शुरू कराई। काफी प्रयास के बाद संदीप का शव तालाब से बाहर निकाला गया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव में हर कोई इस दुखद घटना से स्तब्ध रह गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स रांची भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

किसना ने रांची में खोला झारखंड का 9वां एक्सक्लूसिव शोरूम, ग्राहकों के लिए पेश किए आकर्षक ऑफर

रफ्तार मीडिया संवाददाता

रांची : किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने झारखंड में अपने 9वें एक्सक्लूसिव शोरूम का भव्य शुभारंभ किया। यह शोरूम रांची मेन रोड स्थित होटल कैपिटल हिल के बगल में खोला गया है। शोरूम का उद्घाटन हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक घनश्याम ढोलकिया और किसना के एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर सौरभ नरेड़ी एवं मनोज नरेड़ी ने संयुक्त रूप से किया। इस नए शोरूम के शुभारंभ के साथ किसना ने झारखंड में अपने रिटेल विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। शोरूम के भव्य उद्घाटन के अवसर पर ग्राहकों के लिए कई आकर्षक ऑफर पेश किए गए हैं। इनमें डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी की मेकिंग चार्ज पर 100 प्रतिशत तक की छूट तथा केवल 25 प्रतिशत अग्रिम भुगतान पर सोने की दरों के दोगुने मूल्य संरक्षण का लाभ शामिल है। ग्राहक पुराने सोने के बदले डायमंड ज्वेलरी खरीदने पर उसके मूल्य का 105 प्रतिशत तक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, डायमंड ज्वेलरी पर मेकिंग चार्ज सहित 90 प्रतिशत बायबैक और 95 प्रतिशत एक्सचेंज की सुविधा भी दी जा रही है। ग्राहक ग्रैंड लकी ड्रॉ में भाग लेकर कार या स्कूटर जीतने का अवसर भी प्राप्त कर सकते हैं। हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक घनश्याम ढोलकिया ने कहा कि झारखंड किसना के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है और राज्य में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की अपार संभावनाएं हैं। रांची में एक्सक्लूसिव शोरूम का शुभारंभ राज्य में हमारे विस्तार की यात्रा का एक और महत्वपूर्ण कदम है। हमारा लक्ष्य हर उत्सव और हर परिवार का हिस्सा बनना है। हम हर घर किसना के अपने विजन को साकार करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के सीईओ पराग शाह ने कहा कि रांची में किसना की बढ़ती उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। त्योहारों के मौसम और दिवाली के दौरान आभूषणों की खरीदारी में तेजी को देखते हुए हमारा उद्देश्य ग्राहकों को हीरे और सोने के आभूषणों की विविध रेंज के साथ प्रीमियम शॉपिंग अनुभव प्रदान करना है। आकर्षक त्योहारी ऑफर और विशेष रूप से तैयार किए गए कलेक्शन के माध्यम से हम रांची के परिवारों के उत्सवों और जीवन के खास पलों को और भी यादगार बनाना चाहते हैं। किसना के एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर सौरभ नरेड़ी एवं मनोज नरेड़ी ने कहा कि रांची में किसना की विश्वसनीयता और उत्कृष्ट कारीगरी की विरासत को लाना हमारे लिए गर्व का क्षण है। दिवाली और आगामी उत्सवों की तैयारियों के बीच हमारा एक्सक्लूसिव शोरूम ग्राहकों को त्योहारों पर उपहार देने और जीवन के खास अवसरों के लिए हीरे तथा सोने के आभूषणों की विविध रेंज उपलब्ध कराएगा। हमें उम्मीद है कि हम ग्राहकों के साथ लंबे समय तक भरोसेमंद संबंध स्थापित करेंगे और उनके जीवन के सबसे खुशनुमा अवसरों का हिस्सा बनेंगे। समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रतिबद्धता के तहत किसना ने शोरूम के शुभारंभ के अवसर पर जरूरतमंद लोगों के बीच भोजन वितरण अभियान भी चलाया। इसके साथ ही स्वच्छ भारत अभियान के समर्थन में स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण कार्यक्रम और रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इन पहलों के माध्यम से कंपनी ने सामुदायिक कल्याण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

समाचार सार

चिरेका में डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट अभियान 5.0 का शानदार शुभारंभ

मिहिजाम (रफ्तार मीडिया संवाददाता): चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना में भारत सरकार के पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग के तत्वावधान में राष्ट्रव्यापी डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट कैम्पैन 5.0 का उत्साहपूर्वक शुभारंभ हुआ। चित्तरंजन और डंकुनी में स्थापित रेलवे के 4 तथा बैंकों के 3 सुविधा केंद्रों पर कर्मचारियों ने बुजुर्ग एवं अशक्त पेंशनभोगियों का विशेष ध्यान रखते हुए सहायता प्रदान की, जिसके परिणामस्वरूप 02 नवंबर 2026 तक कुल 230 डीएलसी जनरेट किए गए। इससे पूर्व, विशेष पहल के तहत 24 और 28 अक्टूबर को टीम ने 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ पेंशनभोगियों के घर जाकर उनका डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाया था। 1 से 30 नवंबर 2026 तक देश के 2,000 से अधिक शहरों में चलने वाले इस एक महीने के अभियान का मुख्य उद्देश्य पेंशनभोगियों को आधार-आधारित फेस ऑथेंटिकेशन' तकनीक से सशक्त बनाना है, जिससे वे बिना किसी बैंक शाखा गए या बायोमेट्रिक डिवाइस के केवल स्मार्टफोन के जरिए घर बैठे सुरक्षित रूप से अपना प्रमाण पत्र जमा कर सकें। चिरेका परिसर और संलग्न बैंक पूरे नवंबर माह के सभी कार्य दिवसों पर चार समर्पित हेल्प डेस्क के माध्यम से पेंशनभोगियों को निरंतर निर्बाध सेवाएं उपलब्ध कराएंगे।

डॉक्टर प्रदीप वर्मा को जेएफए अध्यक्ष बनने पर खिजरी मंडल अध्यक्ष समीर राय ने दी बधाई

नामकुम (रफ्तार मीडिया संवाददाता) : राज्यसभा सांसद सह भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा को झारखंड फुटबॉल संघ (जेएफए) का नया अध्यक्ष चुने जाने पर बधाइयों का तांता लगा हुआ है। 1 नवंबर को गिरिडीह में आयोजित संघ की वार्षिक आमसभा में उन्हें सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।इस उपलब्धि पर खिजरी मंडल भाजपा अध्यक्ष समीर राय ने डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा को बधाई देते हुए इसे पूरे झारखंड के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. वर्मा हम सभी के मार्गदर्शक और अभिभावक स्वरूप हैं।उनका लंबा संगठनात्मक एवं राजनीतिक अनुभव झारखंड में फुटबॉल के विकास के लिए बेहद लाभकारी साबित होगा। समीर राय ने कहा कि डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा के नेतृत्व में राज्य में फुटबॉल को नई दिशा और ऊंचाई मिलेगी। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का बेहतर अवसर प्राप्त होगा।उनके अनुभव और मार्गदर्शन से युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा झारखंड की फुटबॉल प्रतिभाओं को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का मजबूत मंच मिलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि नए अध्यक्ष के नेतृत्व में झारखंड फुटबॉल संघ खेल के विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य करेगा।

जमुआ में कृषक मित्रों की मासिक बैठक आयोजित, डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं मिलेट मिशन पर हुई चर्चा

रेम्बा/गिरिडीह(रफ्तार मीडिया संवाददाता)। जमुआ प्रखंड में कृषक मित्रों के साथ मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में डिजिटल क्रॉप सर्वे, मिलेट मिशन वेरिफिकेशन तथा सॉइल हेल्थ कार्ड से संबंधित कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक के दौरान किसानों से जुड़ी योजनाओं एवं कृषि विभाग के विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही डिजिटल क्रॉप सर्वे के कार्यों में तेजी लाने, किसानों को जागरूक करने तथा निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी आलोक कुमार गुप्ता, एटीएम अभिषेक पांडेय, एटीएम अरविंद कुमार वर्मा तथा कृषक मित्र रामकुमार वर्मा सहित बड़ी संख्या में कृषक मित्र उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कृषक मित्रों से कृषि विभाग की योजनाओं को धरातल पर पहुंचाने और किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। सुनील वर्मा छोटू कुमार सिंह कलेश्वर यादव महेंद्र कुमार बलदेव हजरा छत्रपति पंडित उमेश कुमार यादव देवानंद रविदास पवन राम रामकुमार वर्मा प्रकाश पांडे रबुल हसन रब्बानी भागीरथप्रसाद वर्मा सहित कई लोगों उपस्थित थे।

बेलटना गांव में सड़क निर्माण के बाद जमीन के करीब पहुंचा ट्रांसफार्मर, हादसे की आशंका; 8 नए बिजली पोल लगाने की मांग

बिरनी/ गिरिडीह (रफ्तार मीडिया संवाददाता)। बिरनी प्रखंड के बराडीह पंचायत अंतर्गत बेलटना गांव में बिजली व्यवस्था को लेकर गंभीर समस्या सामने आई है। गांव में सड़क निर्माण के बाद बिजली ट्रांसफार्मर काफी नीचे हो जाने से दुर्घटना की आशंका जताई जा रही है। वहीं, गांव में करीब आठ स्थानों पर बिजली के खंभे नहीं होने के कारण ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में समाजसेवी सह पूर्व मुखिया प्रत्याशी बबलू यादव ने विद्युत विभाग के सहायक अभियंता एवं कनीय विद्युत अभियंता को लिखित आवेदन देकर समस्या के समाधान की मांग की है। आवेदन में उन्होंने बताया है कि सड़क निर्माण के बाद ट्रांसफार्मर काफी नीचे हो गया है, जिससे छोटे बच्चों और मवेशियों के लिए खतरा बना हुआ है। कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। वहीं, गांव में लगभग आठ जगहों पर बिजली के पोल नहीं होने के कारण ग्रामीण बांस के सहारे बिजली के तार को उठाकर किसी तरह बिजली का उपयोग कर रहे हैं। इससे करंट लगने और आग लगने की आशंका बनी रहती है। बबलू यादव ने विभाग से मांग की है कि बेलटना गांव में नीचे हो चुके ट्रांसफार्मर को तत्काल सुरक्षित एवं ऊंचे स्थान पर शिफ्ट किया जाए तथा जिन स्थानों पर बिजली के खंभे नहीं हैं, वहां नए पोल लगाकर तारों को व्यवस्थित किया जाए। उन्होंने विद्युत विभाग से मामले की जांच कर जल्द आवश्यक कार्रवाई करने की अपील की है, ताकि ग्रामीणों को बिजली संबंधी परेशानियों से राहत मिल सके और संभावित हादसों को रोका जा सके।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।